HRA Sazette of India

.प्राधिकार से प्रकाशित १७६८/ऽमहरू ६४ ४०३म०६/१४

₩ 30] No. 30] नई विस्लो, शनिवार, जुलाई 26, 1986 (श्रावण 4, 1908) NEW DELHI, SATURDAY, JULY 26, 1986 (SRAVANA 4, 1908)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संस्था दो आती है बिडसे कि यह असम संस्थान के क्य में रक्षा जा सके (Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड । PART III-SECTION 1

उच्च ग्यायालयों, नियन्त्रक और महालेखावरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधींन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

मंघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 30 मई 1986

सं०ए० 12023/1/86-प्रशा० 2-संघ लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष, संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में डा० आई० पाण्डुरंग राव, निदेशक (रा०भा०) (केन्द्रीय सचिवालय राजभाषा सेवा) को 26-5-1986 से 25-11-86 तक अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, छः महीने की अवधि के लिए आयोग के कार्यालय में रु० 2250-125/2-2500 के वेतनमान में निदेशक (भाषा माध्यम) के संवर्ग वाह्य पद पर सदर्थ आधार पर नियुक्त करते हैं।

2. निदेशक (भा० मा०) के पद पर डा० आई० पाण्डुरंग रावकी नियुक्ति प्रितियुक्ति आधार लिहोगी और वित्त मंत्रालय, व्यय विभाग, के का० ज्ञा० मं० एफ० 1 (11)—ई० III (बी)/ 75 दिनोक 7-11-1975 की शर्ती के अनुमार विनियमित होगी ।

दिसांक 2 जुम 1986

सं० ए० 32014/1/86-प्रणा० -3--राष्ट्रपति, संघ लोक संवा आयोग के के० म० मे० संवर्ग के निम्नलिखिन नियमित 1--166GI/86 श्रनुभाग श्रधिकारियों को उनमें से प्रत्येक के सामने निर्दिष्ट अवधि के लिए अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, डैस्क अधिकारी के पद पर क्दर्थ आधार पर स्थाना-पन्न रूप में कार्य करने के लिए नियुक्त करते हैं:--

क ० सं ० नाम दिनांक

1. कृष्ण लाल-I 2-6-86 से 18-7-86 सक

2. एम० के ० अरोड़ा 2-6-86 से 11-7-86 नक

उपर्युक्त व्यक्तियों को कामिक ग्रांर प्रशासनिक मुधार विभाग के का० ज्ञा० सं० 12/1/74—मी० एस० (i) दिनांक 11—12—75 को शनीं के अनुसार रु० 75/— प्रतिसाह विशेष वेतन मिलेगा ।

दिनांक 6 जून 1986

मं० ए० 32014/1/86 (II) - प्रशा ा I -- राष्ट्रपति संघ लोक मेवा आयोग के के० म० आ० मे० मंवर्ग के निम्तिलिखित वैयन्तिक सहायकों को उसी संवर्ग में विष्ठ वैयन्तिक महायक (के०म०आ०मे० के ग्रेड ख) के पदों पर उनके नाम के सामनेदर्शायी गयो नारीखों के अनुमार दिनांक 2-6-86 में 3 महीने की अवधि

(21437)

के लिए या आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हों तदर्थ आधा पर नियुक्त वरते हैं:--

क०सं० माम	नदर्थ नियुक्ति की अवधि
 श्री बी०पी० महाजन श्री मती सरोज के० कपूर श्री लेखराज गुप्ता श्री के० के० गर्ग श्री रामेण्वर दाम 	2-6-1986 में 1-9-1986 बही बही बही

2. उपयुंक्त व्यक्ति कृपया ध्यान दें कि वरिष्ठ वैयक्तिक महायक (के० म० आ० से० के ग्रेड-ख) के पदों पर उनकी न्युक्ति तदर्थ है ग्राँ (के० स० आ० से०) ग्रेड ख के इम ग्रेड । उन्हें या वरिष्ठमा का इक महीं मिलेगा। इनकी नियुक्ति कार्मिक ग्राँर प्रधिक्षण विभाग के अनुमोदन के अध्यधीन है।

दिनांक 10 जून 1986

मं० ए० 32014/1/86-प्रशा०-3--पष्ट्रपित, संघ लोक नेवा आयोग के के० सं० में० मंदर्ग के जिम्मिलिखित स्थानाएक अनुभाग अधिकारियों को जो इसी संवर्ग की अनुभाग अधिकारी ग्रेड को चयन सूचों में भी सिम्मिलित हैं, संघ लोक सेवा आयोग के संवर्ग में अनुभाग अधिकारों ग्रेड मेवा के मूल पद पर प्रत्येक नाम के सामने निर्दिष्ट कारीख में नियुक्त करते हैं:--

पुष्टिकी तारीख
1-5-85
— - वहो—–
वहो
व ह ी
— <u>व</u> ही—
वही
बहो
व ही
) बहो
बह्ी
वही -
वेही
- वही
 -वंही

दिभाक 12 जून 1986

मं० ए-12025 ()/2/86-प्रणा०-III---राष्ट्रपति, संतर मंशारा (र्भंद किसार) के के० स० में० संवर्ग के

तदर्थ अनुभाग अधिकारी श्री अरुण कुमार को, वर्ष 1985 कर अनुभाग अधिकारी ग्रेड की ध्यम सूची में विश्ष्टिता कोटा के अधीन शामिल किए जाने हेनु संव लोव सेव आव केव सब संव संवर्ग में उन्हें नामित किए जाने के फलस्वरूप, 12 जून, 1986 (पूर्वाह्म) में संघ लोक मेवा आयोग के केव सव मेव संवर्ग के अनुभाग अधिकारी ग्रेड में नियुक्त करते हैं।

2. श्री असण कुमार की नियुक्ति दिल्ली उच्च न्यायालय में विचाराधीन सि० रि० या० सं० 1194/78 के परिणाम तथा अन्तिम निर्णय के अध्यधीन होगी ।

दिनांक 1 जुलाई 1986

मं० ए० 38013/10/85-प्रधा । III--कामिक प्रौर प्रशासनिक सुधार विभाग के का० जा० सं० 33/12/73-स्था० (क) दिनांक 24 मवम्बर, 1973 की मती के अनुसार संघ लोक सेवा अयोग के के० म० मे० संवर्ग के स्थायी सहायक तथा नदर्थ आधार पर स्थानापन अनुभाग अधिकारी श्री एस० डी० मल्ल को राष्ट्रपित द्वारा 30 जून, 1986 के अपराह्न में मिवर्नम आय होने पर सरकारी सेवा में मेवानिवृत होने की अनुमित दी जाती है ।

सं० ए० 38013/11/85-प्रशा०-III-- कामिक श्रौर प्रशासनिक सुधार विभाग के का० जा० सं० 33/12/73-स्था० (क) दिनांक 24 नवम्बर, 1973 की शतों के अनुसार संघ लोक सेवा आयोग के के० म० से० संवर्ग के स्थायी सहायक तथा नियमित आधार पर स्थानापन्न अनुभाग अधिकारों श्री श्रो०पी० गोयल को राष्ट्रपति हारा 30 जून 1986 के अपराह्म में निवर्तन आयु होने पर सरकारी सेवा से सेवानिवृक्ति होने की अनुमति प्रदान की जातों है।

एम० पी० जैन अवर सचिव (का० प्रशा०) संध लोग सेवा आयोग

कार्मिक एवं प्रशिक्षण, प्रश्ना० सुधार, लोक शिकायत तथा ्रें पेंशन मंत्रालय

> कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो,

नई दिल्ली-110003, दिनांक 20 जून 1986

सं० के-3/69-प्रणा०-5--श्री के० दयाल ने, स्वैच्छिक आधारपर, सरकारी सेवा में मेबा-निवृत्त होने के परिणाम स्वरूप 31 मई, 1986 अपराह्न में उप-विधि सलाहकार, के० अ० ब्यूरो के पद का कार्यभार त्याग दिया है ।

सं० आर-5/70-प्रशासन-5--राष्ट्रपति ते श्री आर•
एस० जमवार, वरिष्ठ लोक अभियोजक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो
को दिनांक 25-2-86 से नियमित आधार पर, अगले आदेश
होने तक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरों में उप-विधि सलाहकार के रूप
में नियुक्त किया है।

मं० 3/21/85-प्रशा०~5—प्रत्यावर्तन होने पर विरिष्ठ लोक प्रभियोजक के० ग्र० ब्यूरो कोचीन शाखा के रूप में प्रति-नियुक्ति पर कार्यरत श्री बी० नन्थाकुमार सहा० लोक ग्रभि-योजक ग्रेड-2 मदास की सेवाएं 11-6-86 श्रपराह्न से तमिल-नाषु सरकार को सौपी जाती है।

दिनांक 3 जुलाई 1986

सं० ए-19025/3/83-प्रणा० -5--प्रत्यावर्तन होने पर वरिष्ठ लोक ग्रभियोजक के० ग्र० ब्यूरो सा० ग्र० स्कन्ध मद्रास के रूप में प्रतिनियुक्ति पर कार्यरत श्री वी० श्यागराजन सहा० लोक ग्रभियोजक ग्रेड-1 तमिलनाडु की सेवाएं 6-6-86 ग्रपराह्म से तमिलनाडु सरकार को सौंपी जा ती हैं।

सं० 3/25/86-प्रशासन-5--निदेशक केन्दीय श्रन्वेपण ब्यूरो एवं पुलिस महानिरीक्षक विशेष पुलिस स्थापना एतद् द्वारा श्री ए० के० ठींगरा डेस्क श्राफिसर पर्यावरण एवं वन मंत्रालय (पर्यावरण वन तथा वन्य जीव विभाग) को दिनांक 4 जून 1986 पूर्वीह्न से श्रगले श्रादेश होने तक श्रीधकतम 5 वर्ष की श्रविध के लिए प्रतिनियुक्ति पर के० श्रा० ब्यूरों में किन्ष्ट विश्लेषक के रूप में नियुक्त करते हैं।

धर्मपाल भल्ला प्रशासन ग्रिधिकारी (स्थापना) केन्द्रीय श्रन्वेषण ब्यूरी

गृह मंस्रालय

महानिदेणालय के० रि० पु० बल नई दिली, दिनांक 2 जुलाई 1986

मं० ओ० बो०-2214/86-स्था०--राष्ट्रपति, श्री के० पी० एस० गिल भा० पु० से० (ग्र० मे०-1957) को के० रि० पु० बल में पुलिस महानिरीक्षक के पद पर वेतन मान ६० 2500-2750 में केन्दीय प्रतिनियुक्ति पर उनकी शेप श्रवधि 5-6-1990 तक के लिए पूर्व-निर्धारित णर्तों पर संशोधित सेवा श्रवधि नियमायली के श्रधीन सहर्ष नियुक्ति करते हैं।

2. उम्रत ग्रधिकारी ने पुलिस महानिरीक्षक सेक्टर-5 के० रि० पु० बल चण्डीगढ़ का कार्यभार दिल्ली में दिनांक 27-6-86 (पूर्वाह्न) से संभाल लिया है ।

> स्रशोक राज महीपथि सहायक निदेशक (स्थापना)

महानिवेशालय

केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल

नई दिल्ली-110003, दिनांक 27 जून 1986 संब ई-32015/4/1/86-कार्मिक-I--राष्ट्रपति, श्री एम० मखर्जी को प्रोन्नति पर 18 जून 1986 के पूर्वाह्न से के० श्रां० मु० ब० मुख्यालय (भर्ती व सांख्यिकी) नई दिल्ली के **श**हायक कमाडेट (क० प्र० प्र०) के रूप में नियुक्त करते हैं।

दिनांक 02 जुलाई 1986

सं० ई-16013(2)/1/86-कार्मिक-1-5 जून 1990 तक केन्द्रीय प्रतितियुक्ति की बाकी की श्रवधि के लिए रुपए 2500-2750 के वेतनमान में केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में महातिरीक्षक के रूप में नियुक्ति होने के फलस्वरूप श्री के० पी० एस० गिल भा० पुर्कुंसे० (ग्रसम और मणिपुर: 57) ने 26 जून 1986 के अपराह्म से केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल नई दिल्ली के महानिरीक्षक (मुख्यालय) के पद का कार्यभार छोड़ दिया ।

(ह०) <mark>प्रपठनीय</mark> महानिदेशक/के०औ० सु०ब०

भारत के महारजिस्ट्रार का कार्यालय नई दिल्ली-110011, दिनांक 1 जुलाई 1986

सं० 11/8/84-प्रणा० 1—न्याष्ट्रपति, विभागीय प्रोन्नति समिति की सिफारिण पर स्थायी उप निदेशक जनगणना कार्यं श्री एन० राम राज, जो इन नमा पद्धार महारजिस्ट्रार (जन-गणना और सारणी करण) के पद पर स्थानापन्न रूप में कार्यं कर रहे हैं, को 23-9-85 से 1300→50-1700 ६० के वेतनमान में "नेक्स्ट बिलो नियम" के प्रधीन संयुक्त निदेशक जनगणना कार्यं के पद पर स्थानापन्न प्रोफार्मा पदोन्नति देते हैं।

श्री एत० राम राव की मथुक्त निदेशक जनगणना कार्य के ग्रेड में वरिष्ठता श्री जें० मी० कालरा से ऊपर होगी। श्री कालरा को इस कार्यालय के 23-9-85 के समसंख्याक ब्रादेश द्वारा पदोक्षत किया गया था।

> वी० एस० वर्मा भारत के महारजिस्ट्रार

वित मंत्रालय ग्राधिक कार्य विभाग भारत प्रतिभूति मुद्रणालय नामिक रोड, दिनांक 30 जुन 1986

सं० 189/क--- निम्न हस्ताक्षरी श्री ए० के० विस्वास नियमित श्रनुभाग श्रधिकारी को दिनांक 8-6-1986 (मध्याह्न) से छ: माह की अवधि के लिए प्रशासन श्रधिकारी (वर्ग-प्रजाप्ति) भारत प्रतिभूति मुद्रणालय नासिक रोड के पद पर तदर्थ प्राधार पर या उक्त पद नियमित श्राधार पर भरे जाने तक इसमें जो भी पहले हो नियुक्त करते हैं।

> पा० गु० जिवशम मह्द्रबंधक भारत प्रतिभूति मृद्रणालय

बैंक नोट मुद्रणालय देवाम (म॰ प्र॰) देवास, दिनांक 1 जुलाई 1986

नस्ती ऋं० बी० एन० पी०/मी०/5/86——िनम्नलिखित उप-तकनीकी श्रिधिकारी (स्याही कारखाना) को तकनीकी श्रिधिकारी (स्याही कारखाना) के पद पर वैतनमान रुपए 650—30—740— 35—810—द० रो०—35—880—40—1000—द० रो०— 40— 1200 समूह "ख" (राजपिति) में बैंक नोट मुद्रणालय देवास (म० प्र०) में दिनांक 25—6—86 (पूर्वाह्म) से अन्य श्रागामी श्रादेशों तक स्थानापन्न रूप से नियमित श्राधार पर नियुक्त किया जाता हैं।

<mark>प्रनु</mark>० ऋं० प्रधिकारी का नाम

सर्वश्री--

- 1. बी० कें ० खोर
- 2. टी० श्रार० निमजे (ग्र० जा०)

मु० बै० **धा**र महाप्रबंधक

महालेखानार का नार्यालय (ले० तथा० अधि०) जम्मूव कक्सीर

श्रीनगर, दिनाक 2 जुलाई 1986

स० प्रणा० I(ले० तथा अधि०)/85-86/60(25)/
1354—महालेखाकार जम्मू व कश्मीर श्रीकार अस्थायी श्रनुभाग
अधिकारी श्री बन्मी लाल करवानी की स्थानापन्न धारिता में
13-6-1986 (श्रपराह्न) से वेत मान (840-40-1000द० रो०-40-1200 क्पण्) में लेबा अधिकारी के पद पर
महर्ष विमुक्त करते हैं। वह स्थानापन्न लेखा अधिकारियों के
सर्वा में श्री राजिन्द्र सुरूप बहुल (ले० श्रिधि०) के बाद रखें
जायेंगे।

श्र० कु० शर्मा विष्ट उपमहालेखाकार (लेखा तथा ग्राधिकरण)

कार्यालय, महालेखाकार (लेखा परीक्षा) जम्मू व कश्मीर

श्रीनगर, दिनाक 14 जून 1986

सं प्रणासन-1/लेखा परीक्षा/24-ए--महालेखाकार प्रम्म व काश्मीर ने श्री ओमकार तथ मोपोरी अनुभाग श्रिधकारी को 11-6-1986 (पू॰ श्रा॰) में 650-30-740-35-880-३० रा०~10-1040 कर ए के बेतामात में स्थाना-पन्न धारिता में सहायक लेखा परीक्षा श्रिधकारी (वर्ग ग-राज-पन्नित) के रूप में सहर्ग प्रोप्तत किया है।

पदोक्षत अधिकारी भारत राश्कार गृह मत्राज्य कार्यिक तथा प्रशासनिक सुधार विभाग के कार्यालय जापन सख्या :-- एफ-7(1)/80-स्था०-पी-1, दिनाक 26-9-1981 के

प्रन्तर्गत प्रोप्तित की तिथि सं एक माम के प्रन्यर इस विकल्प का प्रयोग कर सकते हैं कि या वह प्रयने नेतन को एफ आर० 22(मी) के ग्रन्तर्गत 650-1040 रुपए के वेतनमान में सीधे इस से नियन करवाले या ग्रारम्भ में एफ ग्रार० 22(ए)(1) के ग्रन्तर्गत नियत करवाले जो 500-900 रुपए के वेतनमान में भानी वेतन वृद्धि के ग्रजित होने पर एफ ग्रार० (22)मी के ग्रन्तर्गत पूर्नियत किया जा सकता है।

> हस्ता०/~ श्रवठनीय उप महालेखाकार (प्रशासन)

महालेखाकार का कार्यालय, उत्तर प्रदेश इलाहाबादा दिनांक 19 जून 1986

मं० प्रशा० रि/11-144/प्रिधिसूचना/1979--प्रधान महा-लेखाकार उत्तर प्रदेश इलाहाबाद ने निम्नलिखित श्रनुभाग प्रिधिकारियों को उनके नाम के सम्मुख अंकित तिथियों से श्रागामी ग्रादेश पर्यन्त इस कार्यालय में स्थानापन्न लेखा-ग्रिधकारी के पद क० 840-40-1000-द० रो०-40-1200 वेतन्सान पर नियमित किया है :→-

सर्वश्री

1 सुभाष चन्द गगोली	10 ~ 6 – 8 6 पूर्वा०
2 चाहिरिया प्रसाद त्रिपाठी	10-686 पूर्वा०
3 पुर्नाचन्द्र ब्रह्मा	10-6-86 पूर्वा०
4 कु० सरोज बाला अग्रवाल	10-6-86 পুৰা৹
5. नरेन्द कुमार सिंह	10-6-86 पूर्वा०
6 सैयद ह्बीब हस्त जैदी	10-6-86 पूर्वा०
7 मो० हामिद स्रहमद	10-6-86 পুৰতি
8. निर्मल कुमार सिह्ना	10-6-86 पूৰ্বা৹
 विजय कुमार 	10~6−86 পুৰতি

मीनाक्षी चक

उप महालेखाकार (प्रणासन)

कार्यालय, महालेखाकार ले० प० कर्नाटका, बगलोर बंगलीर, दिनाक 6 जून 1986

स० स० ले० (ले० प०)/प्र० 1/ए-1/86-87/III--महालेखाकार (ले० प) नि श्री एस० राजरितनम, महायक
लेखापरीक्षा श्रधिकारी के पद पर २० 810-40-1000-द० रो०
10-1200 वेतनमान में श्रागामी श्रादेण श्राने तक पूर्णतः श्रस्थायी
क्षमता में, उनमें वरिष्ठों के दावों पर किसी प्रतिकृतः प्रभाव
डाले बिना उनमें पद ग्रहण करने के तारीख़ में महर्ष पदोन्नति
दे रहा है।

लेखापरीक्षा अधकारी के रूप में उनके पद्मोन्नति होने के उपरात उच्चतर वेतनमान के लिए (जी० आई० एम० एच० ए० कर्मचारी विभाग तथा ए० आर० वि० सं० 7/1/80 प्र० क० 1 दिनांक 26 सतस्वर 1981) स्वामी संकलन (1/11 संस्करण) के अनुसार मूल निषम 22 (सी) के अन्तर्गत भारत सरकार निर्धार (15) के अनुसार उनके पदोन्नति होने के दिन से एक महीने के पहले वे अपने विकल्प को देना पड़ता है।

ह०/-उप **म**हालेखाकार (प्रणासन)

वस्त्र मंत्रालय

हथकरघा विकास ग्रामुक्त का कार्यालय नई विल्ली, दिनांक 25 जून 1986

सं० ए० 12025(1)/2/85-प्रणासन --राष्ट्रपति, श्री एच० पी० मुक्ला को 5 जून 1986 से झागामी श्रादेशों तक के लिए बुनकर सेवा केन्द्र, गूवाहाटी में उप निदेशक (प्रोमेनिंग) के पद पर नियुक्त करते हैं।

दिनांक 30 जुन 1986

सं० ए-32015(1)/96-प्रणासन-II--विकास स्रायुक्त (हथकरघा) कु० ए० सी० लाला को 6 मई, 1986 से स्रागामी स्रादेशों तक के लिए बुनकर सेवा केन्द्र बस्बई में सहायक निदेशक ग्रेड-II (गैर तकनीकी) के पद पर नियुक्त करते हैं।

इन्दिरा मार्त्रसंह संयुक्त विकास श्रायुक्त (हथकरघा)

(पूर्ति तथा निष्यटान महानिदेशालय) (प्रणासन अनुभाग-6)

नई दिल्ली-110001, दिनांक 16 जून 1986

मं० ए-31014/1/85/प्र०-6 पूर्ति तथा निपटान महानिदेशक एनद्द्वारा निम्नलिखित स्थानापन्न सहायक निरीक्षण प्रधिकारियों (धातुकर्म) को सहायक निरीक्षण प्रधिकारी (धातुकर्म) के स्थायी पदों पर प्रत्येक के नाम के सामने दी गयी नारीख से स्थायी रूप से नियुक्त करते हैं:---

	•	•
ऋ० स	io म्रधिकारी का नाम	स्थायी की तारीख
	सवं श्री-	
1.	त्रि पा दाम	13-5-81
2.	यू०सी० दत्त	13-5-81
3.	टी० डी० सिंह्	31-8-81
4.	তী ০ জী০ ভী০	4-3-82
5.	कें० के ० ज म्युर्जी	8-5-83
6.	एम० एम० जैन	21-6-83
7.	अगर० एन० दला	1-7-85
8.	ए० एन० वारम	13-2-86
	- 	

श्रार० पी० णाही उपनिदेशक (प्रणासन) इस्पात और खान मंत्रालय

(इस्पात विभाग)

लोहा और इस्पात नियंवण

कनकता-20, दिनांक 25 जून 1986

मं० ई-II-12(77)/86(.)—म्प्रधोहस्ताक्षरी एतद्दारा श्री बी० एन० मंडल प्रधीक्षक को दिनांक 25-6-1986 के पूर्वाह्म से सहायक भुगतान श्रायुक्त के पद पर श्रस्थायी रूप में नियुक्त करते हैं।

> दीपक कुमार घोष लोहा और इस्पात नियंत्रक

राष्ट्रीय श्रभिलेखागार, जनपथ

नई दिल्ली-110001, दिनांक 6 जून 1986

सं० एफ० 12-3/85-स्था०--श्री ए० के० शर्मा, प्रशासन श्राधिशारी के छुट्टी पर जाने के फनस्वरूप श्री के० सी० राजपाल, विष्ठ श्रदीक्षक को 10 जून 1986 से अगले आदेश होने तक पूर्णतया नदर्थ आधार पर प्रशासन श्रिधकारी (ग्रुप "बी" राजपितत) के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त किया जाता है ।

इस तदर्थ नियुक्ति से उनका नियमित नियुक्ति के लिए कोई हक अथवा दावा नहीं होगा और इसे वरीयता के प्रयोजन और अपने ग्रेड में पद्रोक्षति की पात्रता के लिए माना नहीं जाएगा ।

उन्हें 840-40-1000⊶द० रो०-40-1200 रुपण के वेतनसर में 840/- करणपतिसाहन्यूननम वेतन मिलेगा।

दिनांक 10 जून, 1986

सं० एफ०-12-3/85-स्था० -म्रधोहस्ताक्षरी श्रीमती मीना कपूर, सहायक भ्रभिलेखाधिकारी ग्रेड-I, सामान्य की तस्काल श्रगले श्रादेण होने तक, तदर्थ श्राधार पर 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रुपए के वेतनमान में श्रभिलेखाधिकारी, मामान्य के पद पर एनढ़ारा नियुक्ति करते हैं।

उपर्युक्त ग्रधिकारी को इस तदर्थ नियुक्ति से किही निय-मिन नियुक्ति का कोई हक प्राप्त नहीं होगा और इसे वरीयता के प्रयोजन नथा ग्रगले उच्च ग्रेड में पदोन्नति की पात्रता के लिए माना नहीं जाएगा ।

> राजेश कुमार परती श्रभिलेख निदेशक

श्राकाशवाणी : महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 13 मई 1986

सं० 9/29/82-एस०-III--महानिदेशक, श्री दुलाल बन्दोपाध्याय, भूतपूर्व सहायक इंजीनियर, श्राकाणवाणी के श्राकाण-वाणी है सहायक इंजीनियर के पद पर रखे गए लियन को समाप्त करते है चूंकि वे 1-2-83 से मंत्रिमण्डल मचिवालय (श्रार० एण्ड ए० डब्ल्यू) में सहायक तकनीकी श्रधिकारी के रूप में स्थायी कर दिए गए है।

बी० एस० जैन प्रणासन उपनिदेशक, कृते महानिदेशक

स्वास्थ्य सेवा महानिवेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 27 जून 1986

मं० ए० 38013/5/85-प्रशासन-I--सेवा निवृत्ति की श्रायु हो जाने पर स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय में वरिष्ठ वैयक्तिक महायक, श्री बी० डी० शर्मा 31 मई, 1986 (श्रपराह्न) में सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए है।

दिनांक 1 जुलाई 1986

सं० ए० 12026/5/83-एम० (एफ़० एण्ड एस०)-राष्ट्रपति ने श्री दीपक गोपाल श्रेवाड़े को 3 जून, 1986 पूर्वाह्र से जवाहरलाल स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा एवं श्रनुसंधान संस्थान, पाडिचेरी में श्रासिस्टेंट प्रोफेमर श्राफ फार्मिकोलाजी के पद पर श्रस्थायी श्राधार पर नियुक्त किया है।

> पी० के० घई उप निदेशक प्रणासन (सी० एण्ड बी)

भाभा परमाणु स्रनुसंधान केन्द्र

कार्मिक प्रभाग

बम्धई, दिनांक 23 जून 1986

सं० पी० ए०/80(5)/84-म्रार- /1370-- नियंत्रक, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र इस म्रनुसंधान केन्द्र के स्थायी सहायक सुरक्षा अधिकारी श्री सखाराम गणेण पुजारी को 5 मई 1986 (पूर्वाह्र) से 6 जून 1986 (म्रपराह्र) तक तदर्थ श्राधार पर और दिनांक 6 जून 1986 के भ्रपराह्र से भ्रागामी श्रादेश होने तक नियमित श्राधार पर स्थानापन्न सुरक्षा श्रिधकारी के पद पर इसी श्रनुसंधान केन्द्र में नियुक्त करते हैं।

सी० जी० मुकुमारन उप स्थापना ग्रिधकारी परमाणु ऊर्जाः विभाग ऋय और भंडार निदेशालय

धम्बई-400 001, दिनांक 30 जून 1986

सं० ऋ० भं० नि०/41/16/85-प्र शा०/3366--परमाणु ऊर्जा विभाग ऋय और भंडार निदेशालय के निदेशक ने स्थायी किनिष्ठ भंडारी तथा स्थानापन्न भंडारी श्री के० पी० रामदेवन को इसी निदेशालय में दिनांक 28-4-1986 (पूर्वाह्न) से 2-6-1986 (प्रपराह्न) तक 650-30-740-35-810 द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रुपए के वेतनमान में सहायक भंडार प्रधिकारी के पद पर तदर्थ प्राधार पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त किया है। यह नियुक्ति श्री जी० डी० राठोड के स्थान पर की गयी है जिन्हें उक्त प्रविध के लिए छुटी प्रदान की है।

सं० क० भं० नि०/41/2/85-प्रशा०/3372--परमाणु कर्जा विभाग क्रय और भंडार निदेशालय के निदेशक ने स्थायी भंडारी श्री पी० सी० मथाई का इसी निदेशालय में विनाक 28-4-1986 (पूर्वाह्न) से 6-6-1986 (प्रपराह्न) तक 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रुपए के वेतनमान में महायक भंडार अधिकारी के पद पर तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त किय है। यह नियुक्ति श्री के० ई० जार्ज के स्थान पर की गयी है जिन्हों उक्त अविध के लिए छुट्टी प्रदान की है।

बी० जी० कुलकर्णी प्रणासन म्रधिकारी

भारी पानी परियोजनाएं

बम्बई-400 008 दिनाक 3 जुलाई 86

सं० 05012/भ० 3/स्था० पदो०/2757—भारी पानी परियोजनाओं के प्रधान कार्यकारी भारी पानी संयंत्र (कोटा) के सहायक लेखा प्रधिकारी श्री बी० पी० शर्मा को इसी संयंत्र में श्री डी० एस० ईसरानी लेखा ग्रधिकारी II जो छुट्टी पर है के स्थान पर 24 फरवरी (पूर्वा०) 1986 से 27 मार्च 1986- (ग्रप०) तक के लिए ग्रस्थायी तौर पर तदर्थ ग्राधार पर स्थाना-पन्न लेखा ग्रधिकारी—II नियुक्त करते है।

श्रीमती के०पी० कल्याणीकुट्टी प्रणास्न श्रधिकारी

इसरो उपग्रह केन्द्र श्रन्तरिक्ष विभाग

बेंगलूर-560 017 दिनांक 26 जून 1986

सं० 020/1(15.1)/86-स्थापता-I--इमरो उपग्रह केन्द्र के निदेशक निम्नलिखित व्यक्तियों को वैज्ञानिक/ग्राभ-यन्ता "एम० बी०" पद पर दर्शायी गयी तिथियों से ग्रगले ग्रावेश ऋ० नाम

प्राप्त	होने तक	ग्रस्थायी	श्राधाः	एपर श्रन	तरिक्ष विभाग	के इसरो
उपग्रह	र्वे≀न्द्र	बेंगलूर में	रहर्ष	नियु ब त	क≑ते हैं।	

उपग्रह वान्द्र बंगलूर में	रहर्ष नियुक्त कल्त	ह्ं।
ऋ० नाम सं०	पदनाम	दिनांक
सर्वश्री		
1. देवसिस चक्कॉित 📗	वैज्ञानिक/ग्रभियन्ता ''एस० क्री०''	23 ग्रगस्त 85
2. वी०पी० राजशेखर	वैज्ञानिक/ग्रभियन्ता ''एस० बी०''	∫11 दिसम्बर85
3. फिलिप थामस (पोन्नक्समनिल)	वैज्ञानिक/श्रभियन्ता ''एस० बी०''	01 श्र क् तूबर 85
4. वेणुराम वर्मा प्रार०	वैज्ञानिक/ग्रभियन्ता ''एस० बी०''	25 भ्रम सूबर 85
5⊹ एस० एन० रवि प्रकाश	वैज्ञानिक/प्रभियन्ता ''एस० बी०''	11 শ্বস্থীল 86
6. जी० तुलसिराम	वैज्ञानिक/ग्रभियन्ता ''एस० 'बी ०''	24 मार्च 86
7. कुमारी बीर्∘ॄ्वपंति	र्वज्ञानिक/म्रभियन्ता "एसे० बी०"	3 फरवरी 86

एष० एस० रामदास प्रशासन श्रधिकारी-II

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक 30 मई 1986

सं० ए-32014/2/85-ई० एस०--महानिदेशक नागर विमानन ने निम्नलिखित अधीक्षकों की 650-30-740-35-810-द० रो०-35-1000-द० रो०-40-1200 रुपए के वेतनमान में प्रशासनिक अधिकारी के पद पर की गयी तदर्थ नियुक्ति प्रत्येक के नाम के सामने दी गयी अवधि के लिए अथवा पद के नियमित आधार पर भरे जाने तक इनमें से जो भी पहले हो नीचे दिए गए तैनाती स्टेशन पर जारी रखने का अनुमादन किया है :---

ऋ०सं० नाम	श्चनुमोदित तदय नियुक्ति की	(নৰখি)	के पद पर
		तैनाती	का स्टशन
स्वंश्री			
1. एस० सी० मूलचंदार्न	30-6-86	क्षेत्रीय निदे	शक सम्बद्
2. एस० श्रार [्] वर्मा	,,,	क्षेत्रीय निदेग	
3. एम० डी० शर्मा	, ,	1,	
4. एम० एल० भसीन	• • • • • • • • • • • • • • • • • • • •	11	
5. श्री एस० के० साहा	"	क्षेत्रीय निदे	शक मद्रास
6. डी०पी० मेहरोस्रा	,,	नागर विमा	निन प्रशिक्षण
•		केन्द्र इ	लाहाक्षाद

दिनांक 25 जून 1986

सं० ए० 32013/12/85-स्यापना-I---राष्ट्रपति श्री एस० जी० गोस्वामी को 1800-2000 रुपये के वेतनमान में 3-6-86 (पूर्वाह्म) से श्रगले श्रादेण होने तक निदेणक उड़न योग्यता नियुक्त करते हैं।

> मुकुल भट्टाचार्जी उप निदेशक प्रशासन

> > कार्यभार

नई दिल्ली, दिनांक 30 मई 1986

सं० ए-32014/4/85-ई० सी० (खण्ड II):--महा-निदेशक नागर विमानन ने नागर विमानन विभाग के निम्न-लिखित संचार सहायकों को प्रत्येक के नाम के सामने दी गयी तारीख से 31-3-19 86 तक और दिए गए स्टेशन पर 650-1200 रुपए के वेतनमान में सहायक संचार प्रधिकारी के ग्रेड में तदर्थ श्राधार पर नियुक्त किया है :--

वर्तमान तैनाती नया तैनाती

सं०	स्टेशन	स्टेशन	ग्रहण करने
			की तारीख
 मर्बश्री			
1. ए० के० बसु	कलकत्ता	सिलचर	11-3-86
•		~	(पूर्वाह्न)
2. एम०जी०	कलकत्ता (सिलघर	24-3-86
सरकार			(पूर्वाह्न)
3. के० के०	मद्रा _स	मद्रास	14-2-86
पुरुषोत्तमन्			(पूर्वाह्न)
4. एस० एस०	त्रिवेन्द्रम्	त्निवेन्द्रम्	14-2-86
नायर			(पूर्वाह्न)
 शिवनाथ सिंह 	बम्ब ई	बम्बई	17-2-86
			(पूर्वाह्न)
6. जी०एम०संधु	भ्रमृतसर	नगार विभाग	नं न25−3 −86
		प्रशिक्षण केन्द्र	, (पूर्वाह्न)
		इ लाहबाद	(1)
7. डी०एस०	भुज	ग्रहमदाबाद	16-3-86
सिंगली			(पूर्वाह्न)
8. जी०एम० डान	बम्बई	नागपुर	16-3-86
गैरे			(पूर्वाह्न)
9. जी० इकाम श्रम	मद्राम	मद्रास	14-2-86
			(पूर्वाह्न)
10. ए०वी० डेनगी	बम्बई	त्रिवेन्द्रम	28-3-86
			(पूर्वाह्न)
11. यू०एम०जी०	विशाखा त्रतम्	विशा खा पत्तम्	15-2-86
गास्त्री		,	(पूर्वाह्न)
12. यशपाल	ब म्बर्ध	नागपुर	16-3-86
		-	(पूर्वाह्न)
		 .	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
	ए० पी०		गदुरै	17-2-86
	ए० पाठ दिवाकरन	मदुर	113,	17-2 -8 6 (पूर्वाह्म)
	ग्रार० सी०	वम्बर्ध	नागपुर	25-2-86
	मेहता		5 .	(पूर्वाह्न)
	ग्म० ग्म०	कोयम्बेटूर	कोयम्बटूर	24-2-86
	मुथुंगल		.,	(पूर्वाह्न)
16.	बिनाकी घोष म	ोह्नबाड़ी	मोहनबाड़ी	24-2-86
			_	(पूर्वाह्न)
17.	•	ग्रहमदाबाद	त्रिवे न्द्रम	10-3-86
	श्रगःशी	•	•	(पूर्वाह्न)
18.	एस० सी०	गुवाहाटी	गुवाहाटी	17-2-86
	बोस	c2		(पूर्वाह्न)
19.	एम० एम०	दिल्ली	लखनऊ	31-3-86
	मनसुखानी	दिल्ली	W710	(पूर्वाह्न)
20.	फकीर चन्द	विल्ला	मद्रास्	30-3-86
0.1	दिपतेन्दू दास	मोहनवाड़ी	कलकत्ता	(पूर्वाह्न) 27-3 - 86
21.	TARRIED ALL	.116.14151	30137(11	∠ /−3∓86 (पूर्वाह्न)
22	श्रीमती वा०	वम्बई	द्रि ची	36-3-86
<i>1.</i> 11.	संथगमा			(पूर्वाह्न)
23.	वी० जी० के०	त्निवेन्द्रम	त्रिवेन्द्रम	22-3-86
	नाय र			(पूर्वाह्न)
24.	पी० एन०	बम्बई	विची	30-3-86
	उ न्नी			(पूर्वाह्म)
25.	के०पी०सिंह	दिल्ली	हैदराबाद	29-3-86
		c 5		(पूर्वाह्न)
26.	बसंत सिंह	दिल्ली	हैदराबाद	29-3-86
	~ ~ ~	£		(पूर्वाह्न)
27.	पी०टी० बाल-	दिल्ला	कोयम्ब्रटूर	29-3-86
0.0	चन्द्रन टी० विश्व-	मदास	मद्रास	22-2-26
28.	्टाणायस्य- नाथन्	ग्याम	ויוארי	22-3-86 (पूर्वाह्म)
29	ापप् के०एन०एस <i>०</i>	मद्रास	मद्राम	22-3-86
<u> </u>	पिल्ल		-,, -	(पूर्वाह्न)
30.	के०एस०	मद्राम	बंगलौर	31-3-86
	सम्परा	_		(पूर्वाह्न)
31.	सी०ए०एम०	मंगलीर	त्रिवेन्द्रम	28-3-86
	डी० नायर			(पूर्वाह्म)
32.	बी० के०	मोहनबाड़ी	श्रग रतला	30-3-86
	भट्टाचार्य		~ >	(पूर्वाह्न)
33.	एन० गोपाल	भुज	विवेन्दम	28-3-86
	कुष्ण्त के केलकार	€		(पूर्वाह्म)
34.	सी०केशबीवान	दिल्ली	हैदराबाद	29-3-86
c -	श्रीमती वी०	बंगली र	बंगलीर	(पूर्वाह्न) 24-3-86
35.	श्रामता वार सर् व ती	नवतार	44.117	24-3-86 (पूर्वाह्न)
	41.45.141		. -	(47.(4)

उपर्युक्त प्रधिकारी सहायक संचार प्रधिकारी के ग्रेड में की गयी इस तदर्श नियुक्ति के फलस्वरूप इस ग्रेड में नियमित नियुक्ति का दावा करने के हकदार नहीं होंगे और तदर्थ प्राधार पर की गई सेवा न नो इस ग्रेड में वरीयता के प्रयोजन के लिए और न ही ग्रगले उच्चतर ग्रेड में पद्रोजित की पानता के लिए नहीं गिनी जाएगी।

> वी० जयचन्द्रन उपनिदेशक प्रशासन

केन्द्रीय जल ग्रायोग

नई दिल्ली, दिनांक 27 जून 1986

सं० ए०-19012/1126/85-स्थापना-पाच-- प्रध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग श्री राम प्रोताद चटर्जी पर्यवेक्षक को प्रतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक इंजीनियर (इंजीनियरिंग) के ग्रेड में 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200/- रुपए के वेतनमान में 25-9-1985 के पूर्वाह्म से एक वर्ष की श्रवधि के लिए अथवा पद के नियमित आधार पर भरे जाने तक जो भी पहले हों पूर्ण अस्यायी तथा तदर्थ श्राधार पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० ए-19012/1144/85-स्था० पांच--प्रध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग श्री हरी ओम सोनी पर्यवेक्षक को म्रतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक इंजीनियर (इंजीनियरिंग) के ग्रेड में 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200/- रुपए के वेतनमान में 9-9-1985 की पूर्वाह्म से एक वर्ष की ग्रवधि के लिए प्रथवा पद के नियमित आधार पर भरे जाने तक जो भी पहले ही पूर्ण ग्रस्थायी तथा तदथं श्राधार पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त करते हैं।

दिनांक 3 जुलाई 1986

सं० ए-1012/1061/84-स्थापना पांच--प्रध्यक्ष, केन्द्रीय जन प्रायोग श्री प्रेम चन्द कुमार सिंह ग्राभिकल्प सहायक/पर्यं वेक्षक को ग्रीसरिक्त सहायक निवेशक/ सहायक इंजीनियर (इंजीनियरिंग) के ग्रेड में 650-30-740-35-810-६० रो०-35-880-40-1000-६० रो०-40-1200 रुपए के वेतनमान में 29-6-1984 की ग्रपराह्म से एक वर्ष की ग्रविध के लिए श्रयवा पद के नियमित श्राधार पर भरे जाने तक जो भी सहते हों पूर्ण ग्रस्थायी श्रयवा तदर्ष ग्राधार पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त करने हैं।

मीनाक्षी ग्ररोड़ा ग्रवर सचिव केन्द्रीय जल ग्रायोग

गेल्द्रीय भूमि जल बोर्ड

फरीदाबाद, दिनांक 30 जून 1986

सं० 3-745/86-मुख्य जल भू० (स्था०)--श्री वाई० लक्ष्मी कान्या रेड्डी को दिनांक 5-5-1986 (पूर्वाह्न) से श्रगले ग्रादेश तक केन्द्रीय भूमि जल बोर्ड में सहायक जल भूविज्ञानी के पद पर जी० सी० एप० समूह--ख (राजपितत) वेतनमान रुपए 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40 1000-द० रो०-40-1200/- में श्रम्थायी तौर पर नियुक्त किया जाता है ।

बी० पी० सी० सिह्ना मुख्य जल भूविजानी एवं सदस्य

केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण

नई दिल्ली-110066, दिनांक 26 जून 1986

सं. 7/86-फाईल सं० 22/2/85-प्रणासन-I(बी) (खण्ड-II)——प्रध्यक्ष, केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण एतद्द्वारा निम्तलिखित पर्यवेक्षकों को केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण में केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण में केन्द्रीय विद्युत इंजीनियरी (समूह "ख") सेवा में स्रतिरिक्त सहायक

िदेशात के ग्रेड में स्थानाक्ष शमता में 10 प्रात्त (००० के पूर्वीक्ष से अगके आदेश होने तक निश्चन करते हैं ---

- श्री जय किणोर्
- 2. श्री घाई० पी० सिंह
- 3. श्री बी० बी० मण्डल

यार० गेपादि अवर राचिय

उद्योग मंत्रालय कम्पनी कार्य विभाग कार्यालय, कम्पनी रिकस्ट्राय

ग्वालियर-4740001, दिनांच 26 गूर 1986

कस्पनी श्रधिनियम 1956 एवं मैं पूर्म एम० पी० फिल्म एक्सचेंज श्राइवेट लिमिटेड इन्टोर (म० प्र०)।

सं०: 958/मी० पी० /तिकपू०/303--प्रशाि अधि-नियम 1956 की धारा 445 उपधारा (2) के अन्तर्भत शूक्ति किया जाता है कि मैंसर्म एम० पी० फिल्म एम प्रांथ आ० दि० इन्ह्रीर को मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय खण्डपीठ, इन्ह्रीर के श्रादेश दिसांक 4-4-1986 के द्वारा प्रांथ स्वर्ध के प्रादेश श्रादेश दिया गया है, तथा श्राकारी प्रशांत, अद्भाव के प्रवर्ध के प्रवर्ध कम्पनी का समापक नियुक्त किया गया है ।

> एय० दारमाकर कम्पनी रिलस्ट्रार मध्य प्रदेश

प्रक्षप_{्र} बाह⁴् थी, एनः एस_ः - - - - -

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्याक्षय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण)

अर्जन नेंग-३, बम्बई

बम्बई-दिःतं व 12 जून, 1986

निवेश सं० अई-3/37-जी/2752/85-86—— अतः मुझे, ए**० प्र**साद,

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (चित्ते इसमें इसके पश्चात् (उकत अभिनियम) कहा गया है), की भारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का इन्न्य है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भीर जिनकों सं ० जनीय जो उद्ग्वार है नाध, विलेज, बालमाय, सिटी अर्थे नं ० 39 ते, स्पापाड़ (२), बन्बई में विश्वन है (श्रीट इससे उपाबड़ अनुसूची में श्रीर पूर्णकर न विजित है), प्रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारों के वार्यालय, बन्धई में प्रजिस्ट्री उप्ण अधिनियम, 1908 (1908 जा 15) ह प्रधीय, दौराख 25-10-1986

की पूर्वोक्त सम्मत्ति के जिथत आजार मूस्य से कम के दब्बमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्व हैं और मूओ यह विकास अरमें का कारण हों कि यभापूर्वोक्त संपृष्टि का उचित् धाजार मूस्य उसके दश्यमान प्रतिफल स, एसे दश्यमान प्रतिफल का धन्द्रह् प्रतिचत से अधिक हो और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय श्रामा गया प्रतिकृत निम्नितिविद उपुर्वेश्य से जावन अन्तरण मिन्नित मा साराविक का साराविक का साराविक स्थापन का सिवा स्थापन के लिए तम

- (क) मन्तरण संहर्ष किसी माय की बाबत उक्क बिधनियम के संधीन कर बाने के मन्तरक के दासित्व मा कमी करन था जसस अपन सा सुगतका का (जा), बार/बा
- (ण) ऐसी किसी नाय या किसी धन या अस्य आस्तियों का. जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, दा धन-कर अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1937 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती व्यास प्रकट नहीं किया करा या या किया जाना चाहिए था छिपाले में म्िर) भी जिल्ला

बतः जन, उक्त नीभिनियम की भारा 269-म को बन्दरण जो, मी, उक्त जिथिनियम की भारा 269-म की अपभारा (1) को अभीन. निम्नलिसित व्यक्तियों, अभित्रिः— (1) ग्रेगरी डिस्जा।

(अन्तरक)

(2) ला-पालोमा की-श्राप० हाउभिग सोसाइटो लि०। (अन्तरिती)

की यह स्वना बारी करके प्रांक्त सम्पत्ति के वर्जन के तिर् कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्बद्धि के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:----

- (क) इस सूचना के राज्यन के प्रकाशन की शारीच से 45 चिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तायील में '0 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति में से
- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की सारींस हैं 45 दिन के भी पर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थव्यक्तिरण :— इर पे प्रयूक्त शब्दों और पयों का, बां उच्छ अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभीषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विका गुमा हैं।

अनुस्पी

जमीन जो स्ट्रबचर के साथ विलेज वालनाय जिसका सी० एस० नं० 396, मालाड (प), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि॰ सं० एस-1444/83 भीर जो उप-रिजिस्ट्रार, बम्बई द्वारा विनांक 25-10-1986 को रिजिस्टडं किया गया है।

> ए० प्रम सक्षम प्राधिकार[।] सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण अर्जेन रेंज-3, **य**स्बर्ड

नारीख: 12-6-1986

प्ररूप कार्षे. टी., एन., एस्.,-----

जावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ण (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 20 जून, 1986

निवेश सं० अई-1/37ईई/8451/85-886--- अतः मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्स अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-इ के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1.,00,000/- रु. से अधिक है

ब्रॉर जमको सं० फ्लैट नं० 31, जो, रजन अन्तर्टमेंटस को०-हाउसिंग सोसाइटी लि०, माउण्ट, प्लीझंट रोड, बम्बई-6 में स्थित हैं (ब्रॉर इसमें उपाबब अनुसुची में क्रॉर पूर्ण रूप में विणित है), ब्रॉर जिसका करापनामा आयहर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीत, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिहारी के कार्यालय में राजस्ट्री हैं तारीख 21-10-1985,

को गूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित। की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिश्वात से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्योश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बाक्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है .--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सूबिधा के सिए; और/या
- (च) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जेक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया चा या किया जाना वाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

नतः कम, उनत निभिनियम की धारा 269-ग के नन्तरण में, में उक्त निधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के नधीम, निम्नलिखित न्यक्तियों, नर्धीत् ध- (1) कुमारी निमत आर० एव ० वास्तो ।

(अन्तर राज्

(2) श्री प्रदीप मजदेह।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरक ।

(वह व्यक्तिः, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

(4) अन्तरिती

(वह व्यक्ति, जिसके दारे में अधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हिनवड़ है)।

को यह स्थान जारा करके पूर्वोक्त सन्यांक कं अर्थन के लिए कार्यमाहियां करता हा।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ह---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों कर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजगंत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति ह्वारा अधेहस्ताक्षरी के ग्राम सिस्ति में किए जा सकींगे।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियमः, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लौट नं ० 31 , जो, रुजन अपार्ट मेंटम को ०-आप 2 हाउसिंग सीमाइटो लि ०, माउण्ट, प्लीझंट रोष्ड. बस्बई, 6 में स्थित है ।

अनुसुची जैसा कि ऋ० सं० अई-1/37-ई/7930/85-86 फ्रीए जो सक्षम प्राधिकारी, अम्बई द्वारा दिनां ए 21-10-1985 को रजिस्टड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्रायधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बस्बर्ध

तारीखाः 20-6-1986

हरमो :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

भारत तरकार

अवालक, सहामक जायकर जायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 जुन, 1986

हिस्त्रेज सं० लई-1/37ईई/8391/85-86-- **अतः मुझे,** ए० प्रकार,

रायकर क्षेप्रशिवन, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके १८९८ के किस अधिनियम कहा गया है), की धारा 260० के किसे अधिक राधिकारी को यह विश्वास करने का अधिक है किस बाजार मुख्य 1,00,000/- के से अधिक है

कार प्रकार के उचित बाजार मून्य से कम के दश्यमान प्रकार के व्याप्त की गई है और मृझे यह विश्वास के व्याप्त की गई है और मृझे यह विश्वास के विश्वास के विश्वास के विश्वास मूल्य, उन्हें इश्यमान प्रतिफाल से ऐसे ऐसे दश्यमान प्रतिफाल का पन्ने की विश्वास के अधिकार के अधिकार है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिकी (अन्तरिकीं) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तावक रूप से किथत नहीं किया गया है ह—

- (क) नत्तरण से हुन्द किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के बायित्व में अबी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ऑर/बा
- एगी किसी नाय वा किसी धन या जन्य जास्तियों को जिल्हों भारतीय जायकर निधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निधिनयम या धनकर अध्यासिक, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ निधिता ध्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्थिपने में सुविधा के लिए;

ा ार्ज विकास की भारा 269-म की, अनुसरण भीरा प्राप्त विकास की भारा 269-म की उपधारा (1) अप्रकृति विकासित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) इ० के० ि अस्ती।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स सरल ट्रेवलर्स प्रा० लि०।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरक।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के बिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्भीत के अर्जन के संबंध में काई भी नाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में स किसी व्यक्ति इवाराह
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

हम्बद्धीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियस, के अध्यार 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्वी

दुकान नं ० 1, जो, तल माला मारत न ० सी० प्लाट नं ० 962, एस० घाणेकर मार्ग, बम्बई-25 में स्थित है।

अनुसूची में जैसा कि कि सं अई-1/37ईई/7902/85-86-- और सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिशोक 15-10-1985 को रिजस्टई किया गया है।

> ए० प्रस द सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बस्बई

नारोख: 10-6-1986 मोहर: प्ररूप जाई. टी. एन. एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-अ के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्त आयुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेंज-1, बबम्ह बम्बई, दिनांक 10 जून 1986

निदेश सं० ग्रई-1/37-ईई/8495/85-86--ग्रतः मुझे, ग्र० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिपकी संव फलैंट संव 1, जो 15वीं मंजिल जयबंत भ्रागर्टमेंट दाद कर करवा उण्ड तुलसी बाडी ताडदेव रोड बस्भई-34 में स्थित है (और इसले उपाव द्व स्नुसूची में और पूर्ण रूप से विजित है) ऑल जिला करारनामा भ्रायकर श्रिधिनियम, 1961 की भ्राल 269 एख के श्रिधीन अस्बई स्थित सक्षम प्राधि-कारी के कार्यालय में जिस्टी है दिनांक 22-10-85

को प्रोंकत सम्पत्ति के उजित बाजार मृत्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाकत सम्पत्ति का उजित बाजार मृत्य, उसके द्रियमान प्रतिफल से एसे द्रियमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिकी (अन्तरितियों) के बांच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण िलिखत में धास्तिक रूप से किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय, की बाबत, अक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दावित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के [सए; बोर/या
- (क) ब्रेसी किसी आय या किसी धन या बन्य कास्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्स अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्रिपाने में सुविधा के सिए;

कतः अव, उत्तर अधिनियमं की धारा 269 म के अनुसरण बी, भी, उत्तर अधिनियमं की धारा 269 म की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखिय व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) मेसर्स जयवन्त डेव्हलापमेट का भोरेण । (श्रन्तरक)
- (2) श्रीमती हुंसा ए० गहा ऑए ग्रन्य। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति की अञ्चल की लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध म कोइं भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मीं प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्मग्यन्थी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की बनिष्य, जो भी अविधि बाद मीं समाप्त होता हो, की भीतर पृवेक्ति स्यक्तियों मीं से किसी व्यक्ति दुनारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र मा प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त म्यापर सम्पत्ति मी हित्बबूध किसी अन्य व्यक्ति ब्लारा अये हरताक्षणी की पास लिखित में किए जा सकेंग।

स्मव्यक्तिरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दी और पारों का, जो उक्त अधिनियमः, के अध्याय 20-क मी प्रिभाषित हैं, वहीं अर्थ हाना के उस उच्चात में दिया गया है।

अमुसुची

फ्लैंट सं० 1 जो 15वीं मंजिल जियवंत अपार्टमेंट दादरकर कम्पाउंड तुलसीवाडी ताउदेव रोड बम्बई-34 में स्थित है। अनुमूची जैसा कि ऋ० सं० अई-1/37-ईई/7999/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी अम्बई द्वारा दिनाक 22-10-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> य्र० प्रसाद ाक्षम वाधि गरी सहायक श्रायकर श्राकुत (किरीक्षण) श्रुकंन रेजि—1, बस्**बई**

दिनांक : 10-6-1986

प्रकार बाह्र , टी., एन . एस .-----

मायफार विधितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के वधीय सुजना

भारत शरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, बम्बई

यमबर्द, दिशां र 10 जूध 1986

निर्डोश सं० अई-1/37ईई/8531/85-86---अतः मुझे, अ० प्रसाद,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसक पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राप्तिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं ० फ्लैंट सं० 17, जो, 4थी संजिल, अस्मर प्रभा को०-अप० हार्डीक्षण सो सम्बद्धी लि०, प्रभादेवी सी बीच, बस्बई— 28 में स्थित है (श्राप इन एउसबड़ अनुसूची में आंद पूर्ण कप में बिणित है), श्रीप क्षिप एउसका अस्मर अधिनयम 1961 को धारा 269 एवं के अधीन बस्बई ख्यित सक्षम प्राधि-कारी के सार्यालय में संस्कृती है, बिता र 29-10-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुक्तें यह विद्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार बूल्थ, उजके दर्भभाग प्रतिफल में एमें दर्भमान प्रतिफल का पम्द्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितिशों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया जबा ब्रिटिफल निम्मितिशित उज्जादक्य स अस्त अंतरण कि कि को बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:---

- (क) मन्तरम संहुदि किसी बाम की भागत, उक्त मिनियम के ब्रधान कर पोने के भन्तरम के वामित्व में कभी करने वा उससे वसने में स्विथा के तिष्कृ अणि/या
- (वा) श्री जिला। ताथ या किसी भन पा अस्य वास्तियों को जिल्हा भारतीय आयकार अधिनयम, 1922 (1922 को 11) ना अन्तर अधिनयम, या भनकार स्पिनियम, या भनकार स्पिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोखनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया नया वा या किया जाना वाहिए था, कियाने में स्विधा खे किए।

क्षत्र: नाथ उनक अभिक्षित्रिय की वास क्षित्र में अनुभारण वा, जी, उक्क विभिन्निय की भारा 269-म की उपभारा (1) वो स्थार कु निष्मविक्क व्यवस्थित स्थाद के क (1) श्रीमती हेमलता वामणा मेट्टी

(अस्तरक)

(2) दिसक निद्रीट लिमिटेड

(अन्तरिती)

(3) अन्तरितियों

(बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)

को यह सूचना आर्थी करके पूर्वोक्त संपरित के व्यक्त के किस् अगर्यशिक्षिण करता श्री:

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीचा वें 45 दिन की अवधि मा तत्संवंधी व्यक्तियों पर सूचना की ताबीस से 30 दिन की सवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबार संपत्ति में हितवबुष किसी जन्म व्यक्ति इतारा अभोहस्ताक्षरी के पांच विवित में किए आ सकतें।

स्पत्कीकरण:--इसमें अयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उपका अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिना गया है।

मन्त्रची

प्लीट सं० 17, जो, 4थी मंजिल, सागर प्रभा को०-आप० हाउसिंग सोनायटी लि०, प्रभादेशो सी० बोच, अम्बई-25 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि अरु० सं० अर्थ-1/37र्ष्ट्/8034/85~ 86 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बर्ष द्वारा दिनांक 29~10~ 1985 को रजिस्टर्ड किया कया है।

> अ० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी आयकर आमुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेज-1, सम्बद्ध

दिनां ह । 10-6-1986 मोहर् ध

प्रकृत आहेल हो. पुरुष पुरुष प्रकृत

नामकार निधितियम, 1961 (1961 को 43) की धारा 269-म (1) के निधीन सचना

भारत तरकार

कार्याजय, तहायक थायकर बायकत (निद्रीवाज)

अर्जभ रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 10 जून 1986

निर्देश सं० अई-1/37-ईई/8577/85-86--अत: मुझे, अ० प्रसाद.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जन्स अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० कार्यालय नं० 22, जो, तोसरी मंजिल, राज-गिर चेवसं, 12/14, णहीद भगतिसह रोड, श्रोल्ड अस्टम हाउस के सामने, बस्बई में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुमूची में श्रोर पूजें रूप से विणित है), श्रीर जिसका करारभामा श्रीयकः अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजिस्ट्री है, दिसांक 31-10-1985.

को प्रॉक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए मन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथामूर्वोक्त संपित्ति का संचत बाजार मूल्य, उसके द्र्यमान प्रतिफल से, एसे द्रयमान प्रतिफल का बन्दह प्रतिशत से अधिक है और मन्तरक (अन्तरकों) और मन्तरिती (मन्तरितियों) के बीच एसे मन्तरक से लिए उस पाया यया प्रतिकृत्त, निश्वितिश्व स्वृत्वेष्ट से स्वत्त बन्तरक किंदिन में वास्त्विक क्य से क्षित नहीं किया गया है मन्त

- (क) नंतरण से हुई किसी भाग की दावत, उक्त वीधीनदम के अभीव कर दोने के कंत्यरक के दादित्य में कभी करणें या उसके क्यने में सुविधा के लिए; मोर/या
- (व) एसी किसी बाव या किसी धन वा बन्ध वास्तियों को, जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उसत अधिनियम, या धन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के योजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया वाना चाहिए था खियाने में सुविधा के लिए;

भारत वय, उक्त करिनियम की भारा 269-न की अन्तरक में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) को कथीन, निम्निलिसित व्यक्तियाँ, अर्थात् ∰—— (1) सेपर्स रिक्षती फारण्डेशनस

(अन्तर्क)

(2) भनमें आसोतिएटेड द्रांनपोर्ट

(अन्नरिसी)

को यह सुचना चारी करके पूर्वीक्षत सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

सकत संपत्ति के अर्जन के संजंभ में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की सर्वाप या तत्सेनंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविध, जो भी अनिध याद में समाल होती हो, के भीतर एवंकिस व्यक्ति में में किएने व्यक्ति देवरर?
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबव्ध किसी अन्य स्थितित के बार्ड अवाहस्ताक्षारी के बार्ड जिस्ता में किए आ सर्कने।

स्पष्टीकरण :—-इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याप (1)-क में परिभाषिक ही, बही अधे होगा, को जस अध्याय में धिया वसी ही।

अनुसुची

कायलिय मं० 22, जो, तीजरी मंजिल, राजिणर चेंबसं, 12/14, शहीद भगतसिंग रोड, श्रोलंड कस्टम हाउस के सामने, बम्बई में स्थित है।

अनुमुची जैमा कि फा० मं० अई-1/37ईई/8078/85-86 श्रोप जो मक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वापा दिमांक 31-10-85 को रिजिया गिता है ।

अ० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी महासक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जे भरेण-1, बस्धर्ष

दिनांक । 10-6-1986 मोहर । प्रारूप आई टी.एन एम - ----

ज्याप श्रातिसम 1961 (1961 का 43) रोगम २६९४ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कामंच्या, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ार्ज ने हरा, वस्बई

- °, ि १ र 10 जून 1986

িবিশি শ০ এ≒ – / ব7—ईई/8332/85—86**——अतः मुझे**, ४० प ^{*},

बायकर कार्नियं 1961 (1961 का 43) विक इसके इसके दरर 'ा गिरियम' कहा गया है), की धारा 209 में के नि मध्यम श्रीधकारी को यह विस्तास करने का कारण में कि स्थावह मध्यिन, जिनका उचित बाजार मस्य 1 प्रियम परिकार की की पूम अपार्टमेटम,

य ली न न जिन्न न जा पूर्व अपादम्यम्, य ली न न न जा पूर्व ह (म्रा इसव जावद अनुसूची मे प्रा क्रिक्ट क्रिक क्रिक्ट क्रिक क्रिक क्रिक्ट क्रिक क्रिक्ट क्रिक क्रिक्ट क्रिक क्रिक क्रिक्ट क्रिक क्रिक

क , त अवार भून्य से कम के स्वयम्य की अपन्य की एडं ही जीर मुन्ने यह विश्वास प्राप्त की अपन्य से एडं निर्मात का उचित वाजार प्राप्त के अपन्य से एडं स्वयम्य प्राप्त का प्रमुख्य की की की सम्परक (जन्मस्का) और संस्थिती (जन्मा के की सम्परक (जन्मसक्का) और संस्थिती (जन्मा के अपन्य के जिल्ह तम बाबा क्या मिन का अपन्य के जन्मस्क जन्मस्क जिल्ह तम बाबा क्या मिन का अपन्य की जिल्ह को बावस्था जिल्ह के बावस्था की की स्वयम्बादक स्वयं में निर्मा नहीं किया गया है ——

- (क, अन्तरण सं हुएं किसी बाव की बावस, उक्स बॉर्शनयब को बधीन कर दोने में बंदरक में दावितक में लगी कड़ने वा सबसे क्यमे में प्रिनश के जिस्ह बॉर/मा
- (क्षा एंकि किसी जाव वा किसी वन वा कर्य वास्तियों हा किहा भारतीय जावकार अधिनियम. 1922 का 1') वा उसर अधिनियम, या धन र अधिनियम, 1957 (1957 का 27) क्षेत्र कर्यां अन्तरिती ब्वास्त प्रकट नहीं किया कर्या वाना खाहिए वा, क्षियाने के

बन शब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की दिवभारा (1) के अधीन के लिखत व्यक्तियों, अर्थासु :---

(1) श्रीमनी मुझा कि उठ र पा श्री पातीलाल एम० व्यास

(अन्तर्द)

(2) श्रीमती विवता सी० मघतानी ग्रारशी चन्द्लाल एस० मघनानो ।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरितियो । (वह व्यक्ति, जिसके ग्रन्थिंग मे सम्पत्ति ह)

को यह सूचना बारी करके पूर्वीक्त सम्मन्ति के अर्जन के सिष् कार्यनाहिया करता हूं।

उक्त सम्मील के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाजेष:--

- (क) इब स्थान के राज्यन में प्रकाशन की राइरीख हैं
 45 दिन की बर्वीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 म्थान की तामील से 30 दिन की वर्वीध, को भी
 वर्वीध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृजेंबस
 ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वार;
- (क) इस न्यान के राषपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाया तम्पत्ति में हित-वष्प किसी जन्म न्यन्ति द्वारा नथाहस्ताक्षरी से पास सिसित में किस वा सकेंचे।

स्थादिकरणः - इसमें प्रयुक्त शर्ग और पर्दों का जो उसके अधिनियम, के अध्याद 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा को उस सध्याद में दिया गया ही

अनुसूखीं

फ्लैंट न ० डी/409, जो, प्तम अपार्ट मेटप, वरली, बम्बई-18 में स्थित है।

अनुसूची जैमा कि ऋ० स० अई -1/37—ईई/7846/85—86 स्रार जो सक्षम प्राविकारी वस्वई द्वारा दिनाक 10-10-1985 को रिज उई िष्या गया है ।

अ० प्रसाद मक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुवन (निरीक्षण), अर्जन रेज-1, बम्बई

दिनांक : 10-6-1986

मोहर

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर वायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-न, बम्बर्ध

बम्बई, दिशांक 10 जूभ 1986

भिदेश मं ० अर्ड-1/37-र्ड्ड/8439/85-86---अप: मुझे, अ: ० प्रमाद,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'लकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च को अधीन संक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00000 / रुपये में अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं ० फ्लैंट सं ० ए-11, जो, पहली मंजिल, चिनार इमापन, प्लाट सी ० एग० नं ० 336 श्रीर 506, दादार मायगांव दिविज्ञान, सिवरी काम रोड श्रीर प्रकोश की दबई रोड, वडाला, बम्बई, में स्थित है (श्रीर इम्में उपाबद्ध अनुभूची में श्रीर पूर्ण-रूप में वर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 के ब अश्रीत बम्बई स्थित सक्षम श्राधिकारों के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिसांक 17-10-85,

को पुर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृन्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृज्ये यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके ध्रथमान प्रतिफल से, एसे ध्रथमान प्रतिफल का पन्छह प्रतिकात से बिधक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए प्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्ट्य से उन्तर अन्तर्थ। लिखित बास्तिवक हम से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उक्त अधि-अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी अप्य या भन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा की सिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में. अवत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीर निकलिकित व्यवितयों, अर्थात उन्न

3-166GI/86

(1) भेनर्स िनेपलन्द्र विषयकुमाण ।

(अस्तरक)

(2) श्री लक्ष्मीचन्द भाभजी ।

(अन्यस्ति)

को यह स्थाना थारी करके पृत्रोंक्त सम्मित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाओप :---

- (क) इस स्थाना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारी का सं 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थाना की तामील से 30 दिन की जवधि, जो भी व्यक्तियों सं समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तिया;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्ववृध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास तिस्ति में किए आ सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इंसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विका गया है।

मगस ची

फ्लैंट नं ० ए-11, जो, पहड़ी मंजिल, चिभार इमारत, प्लाट सी० एम० नं ० 336 श्रीर 506, दादार नायगांव हिविजन, सिवरी कास रोष्ठ श्रीर रफीक किदवई रोष्ठ, बहाला, वस्त्रई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि घ० सं० अई—1/37—ईई/7949/85— 86 ग्रींर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 17—10— 85 को राजिल्डई किया गया है।

> अ० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (भिरीक्षण) अर्जभ रेज-1, बम्बई

दिमांक 10-6-1986

प्रकम बाह्र दो एन एउ ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-क (1) के अधीन स्क्रका

भारत सरकार

कार्यालय, उहायक आयकर आयुक्त (निर्दाक्षण)

भ्रजन रेंज-1, बम्बई बम्बई, विनांक 10 जून 1986

निदेश सं० श्रई--1/37--ईई/8468/85-86---श्रत: मुझे भ्र• प्रसाद

बायकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

अगर जिसकी सं० फ्लैंट सं० बी-11 जो पहली मंजिल चिनार प्लाट सं० सी० एस० सं० 336 और 506, दादर नावगांव डिविजन, सिवरी काम रोड और प्फ़ीक किदवई रोड वडाला बम्बई में स्थित हैं (ऑर इससे उपाबह अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा ग्रायकर प्रधिनियम 1961 की धारा 269 कख के प्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है दिनांक 21-10-85 का प्वॉक्त सम्पत्ति के जिसत बाजार मृल्य से कम के बर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह बिर्वास करने का कारण है कि यथाप्वॉक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मृत्य, उसके दर्यमान प्रतिफल से, एसे दर्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिफल से बिपक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और बंतरिती (अन्तरितियाँ) से भीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया नवा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उकत अन्तरण कि कत में बास्तिक रूप से कथिया नहीं किया नवा है है—

- (क) अन्तर्ण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के द्यायित्व में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियों का, जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्ति दिती इवार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में ह्विभा के सिए;

नतः सभ, उस्त विधिनियम को भारा 269-न के बनुसरण वें, में, उक्त अभिनियम की भारा 269-भ की उपभारा (1) के अभीन, निस्तिशिक्त व्यक्तियों, बर्भात छ → (1) मेसर्स दिनेशचन्त्र विजय कुमार।

(भ्रन्तरक)

(2) हंसा घिमंत शहा और घ्रन्य।

(ग्रन्तरिती)

को यह बुचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के विष्

बक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप ह—

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारी का की 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
 - (क) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्षित में किए जा सकींगे।

स्पद्धिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है 1

जन्सूचीं

पलट सं० बी-11 जो पहली मंजिल, विनार, प्लाट सं० सी० गुन० सं० 336 और 506, दादर नायगांव डिविजन, निवरी कास रोड और रफीक किदवई रोड वडाला बम्बई में स्थित है।

श्रनुस्वी जैसा कि कि सं श्राह्म-1/37—ईई/7976/85— 86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 21-10-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ग्र० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज−1 बम्बई

दिनांक : 10-6-1986

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) को मधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

प्रर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 जून 1986

निदेश सं० अर्ध-1/37-ईई/8358/85-86--श्रतः मुझे

म्र० प्रसाद

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उनत अधिनियम' कहा नया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० 50 प्रतिशत प्रविभक्त इंटरेस्ट पर्लंट सं० 2 में जो 6ठी मंजिल, सी० लाई-बी कफ परेड बम्बई में स्थित है (और इसमे उपावद प्रातुमूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा प्रायकर प्रधिनियम 1961 की धारा 269 कख के प्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 11-10-85

को पूर्वोक्त राम्पति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान श्रीफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अभिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक का निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में धास्तिक क्ष्म से किथत भारति किया गया है के

- (क) मृत्यरण से हुए भिन्नी माय की बाबुद्ध, उक्त सिंधिनियम के जपीन कर दोने के जप्तुरक के वाधित्य में करने या उससे बजने भी समिशा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः व्यव, उक्त विधिनियम की धारा 269-व क बनुसरण भी, भी. उक्त विधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) की बधीन, निस्तिविक स्वितियों, वर्षात हिन्स (1) श्री अरुण रामधन्द जमूजा ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री सुभाष दिवाण घन्द जसूजा।

(भ्रन्तिती)

(3) भ्रन्तरिती ।

(वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

की यह सुचना जारी करके पूर्विक्त सम्परित के अर्थन के विष् कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उनद सम्मृतित के वर्षन के सम्मृत्य में कोई भी बाक्षेप्:--

- (क) इस स्वना के राज्यन में प्रकाशन की तार्री हुई 45 विम् की सब्धि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामीस से 30 विन की वविष, जो भी वविष बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्ष व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यार ।
- (ख) इ.स. सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितवपूथ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सर्जांगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गमा है।

जन्<u>स्</u>ची

50 प्रतिणत श्रविभक्त इंटरेस्ट फ्लैंट सं० 2 में जो 6**टी** मंजिल सी० लार्ड-बी कफ परेड बम्बई में स्थित है ।

ग्रनुसूची जैंगा कि क्र० सं० ग्रई-1/37—ईई/7871/85—86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 11–10–1985 को रिलस्टर्ड किया गया है ।

श्र० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज−1, बम्बई

दिनांक : 10-6-1986

प्ररूप बार्ड्, टॉ. एव. एत. -----

नाथकर मीधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के नधीन स्थना

गाउत सरकात

कार्यालय, महायक जायकर जायुक्त (निर्देशका)

ग्रर्जन रेंज-1 बम्बई बम्बई, दिनांक 10 जून 1986 निर्देश सं० ग्रई-1/37-ईई/8272/85-86--ग्रतः मुझे, ग्र० प्रसाद.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें इसमें परकात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी पलैट सं० 2 जो हमारत सं० 2 पी० एस० बी० प्रपार्टमैन्टस बी० जी० खेर रोड, बंग्ली नाका बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विजत है), और जिसका करारनामा प्रायकर अधिनयम 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिक करी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 4-10-85

को प्रांक्त सम्पत्ति के उिषष नाजार मृत्य से कम के द्रायमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उिचत बाजार मृत्य, उसके द्रायमान प्रतिफल से, एसे द्रायमान प्रतिफल का पंदह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिक्त कि निम्निलिशत उद्दोष्य से उक्त अंतरण लिश्वित में वास्तविक रूप से कथिल नहीं किया गया है:——

- (क) बन्तरण सं हुई किसी आय की बाबल उकत अधिक नियम को बंधीन कार दोने के बन्धरक को दायित्व माँ कासी कारने या उससे बचने माँ स्विधा को लिए; बार/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करों, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 192? (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना नाहिए था, स्थिपने में सुविधा ने लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् :---

- (1) पी० एस० बी० कन्स्ट्रकशन कम्पनी लि०। (ग्रन्तरक)
- (2) श्री मनोहरलाल कन्हैयालाल और श्रीमती सुशीयादेवी मनोहरलाल की पत्नी । (ग्रन्तिस्ती)

को यह सूचना जारी करकं पूतांत्य सम्परित के अर्थन के निय कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्र किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्री के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण : — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याम 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

फ्लट सं० 2 जो 3री मंजिल, इमारत सं० 2 पी० एस० बी० ग्रपार्टमैं न्ट, बी० जी० खेररोड, बरली नाका, धम्बई में स्थित है ।

श्रनुसूची जैंसा कि करु सरु श्रई-1/37-ईई/7789/85- 86 आंर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाक 4-10- 1985 को एजिस्टई किया गया है ।

श्र० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंग्न-1, बम्बई

दिनांक : 10-6-1986

प्रारूप आह^र.टी.एन.एास.

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43 की धारा 269 घ (1) के अधीन स्वात

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज-1 बम्बई

बस्बई विद्योग 10 जुन 1986

निवेश सं० ग्राई-1/37-ईई/8275/85-86--ग्राई: मुझे, ग्रा० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिमका उचित बाजार मृत्य

1,00,000/- रा. से जिंधात ही

और जिसकी गं० कार्याच्य प्रिमायंग्य मं० 401/बी० जो पूत्रम
चैंबर्स जिंबनागर इस्टेट, डा० प्रती बेझंट रोड बरली बस्बई

18 में स्थित है (ओर इस्टे उनावह प्रत्यूची में और पूर्ण रूप
से बॉण्य है) और जिसका करारतामा प्रायकर प्रिधित्यम

1961 की धारा 269 कखं के प्रधीत बस्बई स्थित मक्षम
प्राधिकारी के कार्याच्य में रिजिस्ट्री है दिनांग 7-10-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृज्य स कम के दश्यमान

शतिक्रम के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास

करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित् बाजार

क्रिन, उनके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का

क्रिन, उनके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का

क्रिन, उनके दश्यमान प्रतिफल से एसे बश्यमान प्रतिफल का

क्रिन्त प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकॉ) और

क्रिन्तरिती (अन्तरितयॉ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय

पाया गया प्रतिफल, निम्तिलिखन उद्वेष्य से उक्त अन्तरण

किर्मिखन में बास्तिबक क्रम से किथित नहीं कथा गया है है—

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बायस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दान के अन्तरक के दायिस्थ के कभी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयक-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना धाहिए था, खिपाने में सुविधा से निष्

जतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरक को, माँ, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) । अधीत् , नर्नानिसित व्यक्तित्यों, अर्थात् , नर्नानिसित व्यक्तित्यों,

(1) मेसर्स इंदर्ग इंजीनियरिंग प्राइवेट लि०।

(भ्रन्तरक)

(2) मेसर्स सेफ बिल्डर्स ।

(श्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उनतः सम्परिः को अर्थन को सैंबीध में कोई भी आक्षोप हिन्न

- (क) इस स्वान के राजपत्र में त्रकाशन की तारींब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तिया;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित- अस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकाँगे।

स्पच्छीकरणः इसमें प्रयुक्त बन्दों और पदों का, भो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, ओ उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

कार्यावय प्रिमायसेन मं० 401/बी जो पूनम चेंबमैं शिव-मागर इन्डेट डा० ॲनी बेझंट केड बरली बम्बई-18 में स्थित है।

श्रनुसूची जैंश कि कर संर ग्रई--1/37-ईई/7792/85--86 और जो सक्षम प्राधिकारी वस्तई द्वारा दिनांक 7-10--1985 को रिजस्टर्ड किया गया है ।

> श्र० प्रभाद सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायक र प्रायुक्त (निरीक्षण) स्रजन रॉज~1 वस्बई

दिनांक : 10-6-1986

म्बन् नार्ं द्रार्दे पुन् पुन् क्रान्तान

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-मा (1) के अधीन सूचना

HIST TABLE

कार्याभय, सहायक वायकर वायुक्त (प्रिरोध्न)

श्रर्जन रेंज -1 बम्बई बम्बई, दिनांक 10 जून 1986 निर्देश सं० श्रई-1/37-ईई/8285/85-86--श्रतः मुझे, श्र० प्रसाद,

शायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिस् इसमें देशके परचात् 'उक्त विधिनयम,' कहा गया है"), की भारा 269-च के बधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/~ रह. से बिधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट सं० 112, जो, गॅरेज सं० जी-6 के साथ, श्रादर्श इभारत, जी० डी० श्रांबे कर मार्ग, भाईवाडा, बम्बई—14 में स्थित है (ऑर इससे उपाव स श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है) और जिमका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 7-10-85,

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, एसे रूपमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) बन्तरण से हुई जिन्हीं बाव की बावता । कन्तर अधिनियर के अधीन कर वेने की बन्तरक को कर्मित्य में कभी करने या उससे बच्चे में सुविधा में सिए; और/बा
- (व) एसी किसी आप या किसी भन ना बन्य असेस्वयों को जिन्हें भारतीय आपकार अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्हें अभिनियम, या भन-कर विभिन्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना आहिए था, कियाने में सुविधा में किए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) स्काल इन्ब्हेस्टमेंटस लिमिटेड ।

(भ्रन्तरक)

- (2) श्रीमती गौला जाल कोवसजी, श्री झाल जाल कुवसजी और श्री राहुल जाल कुवसजी । (ग्रन्तरिती)
- (3) भ्रन्तरितियों।

(बह व्यक्ति, जिसके <mark>श्रधिभोग में</mark> सम्पत्ति है)

को सह भूषमा जारी अस्के पूर्वोक्त सम्पर्तित के अर्थन के चिए कार्यशाहियां करता हुं।

रुवा बाम्यक्ति के बर्जन के संबंध में करेंद्र भी आसोप हिल्ल

- [क] इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की अविध, जो भी सविध नाम में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कर विस्ता में से किसी व्यक्तिय द्वारा;
- (क) इस मुक्ता के राजपत्र में त्रंकास्त्र की वारीस से 45 दिन के भीतर उत्तर स्थानर संपत्ति में हितबक्थ किसी अन्य व्यक्ति क्वारा अभोहस्ताकाड़ी के पास निकास में किए वा तकांगे।

स्त्रकाकरणः — इसमें प्रयुक्त सन्दों और पद्यों का, जो अक्द निश्वित्यम, के नध्याय 20-क में परिश्राणिक हैं। यही अर्थ होगा जो उत्त अध्याय में क्रिया स्वा हैं।

अनुसूची

फ्लेट सं० 112, जो, गरेज सं० जी-6 के साथ, इमारत-आदर्श, जी० डी० भ्रांबेकर मार्ग, भोईवाडा, बम्बई-14 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क्र० सं० श्रई-1/37—ईई/7801/85— 86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 7-10— 1985 को रिजिस्टर्ड किया गया है ।

ग्र॰ प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक : 10-6-1986

प्रकृत भार^कृती<u>. एव . एस</u>् ==========

जावकर जिथितियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

भग्नर्तिय, सहायक नायभर भायनत ((नर्राज्ञान)

ग्नजंन रेंज-1, वम्बर्ष बम्बर्षः, दिनांक 10 जून 1986

निवेण सं० अई-1/37-ईई/8295/85-86--अतः मुझे, ग्र॰ प्रसाद,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाधार मुख्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० पर्लंट सं० 2ए, जो नवल टच प्रपार्टमेंटस 23, वाय एम० सी० ए० रोड बम्बई – 8 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध प्रमुस्त्री में और पूर्ण रूप से विणित है) और जिसका करारनामा प्रायकर प्रधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के प्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, दिनांक 8-10-85,

को पूर्वोक्स सम्परित के अवित बाबार मूल्य से कम के क्रयमान श्रीतफल के लिए अन्तरित की गर्इ है और मूक्ते यह विश्वास करने की कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाबार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और जन्तरक (बन्तरकों) और धन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के किए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नसिवित उद्देश्य से उसत बन्तरण जिवित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया बवा है है—

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाब की जाबत, उक्त जीधीनवम के जभीन कर देने के बन्तरक कें वाक्तियाँ कमी करने या उसने वजने में सुविधा के लिए। जॉर/बा
- (य) एसी किसी आय या किसी धन मा बन्य व्यक्तितयों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जनत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) क अयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अयः, उक्त अधिनियम की भारा 269-म को, अनुसरण वैं, मैं, उक्त विभिन्नम की भारा 269-च की उपधारा (1) को वधीर,, निम्नसिखित व्यक्तियों, अर्थात ४—— (1) कुमारी फ़ेनी फ़ामरोझ टाचाका।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री ए० ए० बेकर, श्री जेड० ए० बेकर, श्रीमती एफ ० जेड वासी, श्रीमती जेड पी० धारीवाला, श्री एच० टी० खोराकीवाला, एफ० टी० खोराकीवाला श्री एस० टी० मर्चेण्ट, श्रीमती ए० एम० किकाबाई और श्री वाय० एम० हुसन।

(ग्र्र≉तरिती)

(3) म्रन्तरक ।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उत्त सम्पत्ति के नर्जन के सम्बन्ध में कोई बाक्षेप ए---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकासन की तार्रींच के 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की रामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, में भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हिसबद्ध किसी बन्ध व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पांच सिस्ति में किए जा सकांगे।

स्वकाकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, यो उससे अधिनियम के अध्याय 20-क में प्रिंशावित हैं, वहीं अर्थ होगा, यो उस अध्याय में विदा नदा हैं।

अनुसूची

फ्लैट सं० 2ए जो नवल टच श्रपार्टमेंटस 23 बाय० एम० सी० ए० रोड बम्बई-8 में स्थित है ।

धनुसूची जैसा कि कि सं प्रई-1/37-ईई/7810/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बध्बई द्वार दिनांक 8-10-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> श्र० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज-1, बम्बई

दिनांक : 10-6-1986

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज⊶1 बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 जून 1986

निर्देण सं० श्रर्ह-1/37-ईई/8314/85-86--श्रतः मुझे, श्र० प्रसाद,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विश्व इसमें इसके पश्पात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की भारा 269-- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्यात करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 1,00,000/- रा. से अधिक ही

और जिसकी सं० कार्यालय सं० 69 जो 68 मंजिल, मित्तल चेंबर्स, नरीमन पांडेट बम्बई-21 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध प्रमुस्ची में और पूर्ण रूप से विजित हैं) और जिसका करारनामा प्रायकर प्रधिनियम 1961 की धारा 269 कला के प्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री हैं दिनांक 9-10-1985

को पूर्वेक्ति संपत्ति के उषित वाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का यंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के दीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उष्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

लतः जब, उन्तत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अभीतः, विम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) सेनर्म कायेक्सो।

(ग्रन्तरक)

- (2) मेसर्स श्रवतार सिंग लष्टमनिंग । (श्रन्तरिती)
- (3) अन्तरिनीयों।

(वह व्यक्ति जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अजन के लिए कार्यवाहियां शुरु करता हूं।

जकत संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ः---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस भ 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यल्डीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभा-हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

प्रनुस् ची

कार्यालय सं० 69 जो 6ठी मंजिल मिनल चेंबर्स, नरीमन पांइंट बम्बई-21 में स्थित हैं ।

म्रानुभूची जैसा कि कि से प्राई-1/37-ईई/7879/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्धारा दिनांक 9-10-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

> श्र० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रेंजे-1 बम्बई

दिनांक : 10-6-1986

प्रारूप आई.टी.एन.एस.,------

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-1 अम्बई

बम्बई दिनांक 10 जून 1986

निदेश सं० म्राई-1/37-ईई/8326/85-86--- म्रातः मुझे, भ्र० प्रसाद,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाबार मृख्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

औ जिसकी सं० टेनमेंट सं० ए जो 10वीं मंजिल भ तथार प्लाट सं० 229 बॅंकबे रेक्जमेणन स्किम ब्लाफ 3, नरीमन पाइंट बम्बई-21 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं) और जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम 1961 की धारा 269 कख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी हैं कार्यालय में रजिस्ट्री हैं दिनांक 9-10-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अम्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का नारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) को बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्त्रविक रूप से कियत महीं किया गया है स्—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की, बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसरो अजने में स्विधा के लिए; और/या
- (अ) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविध्य केंलिए;

(1) तोलानी लिमिटेड ।

(भ्रन्तरक)

(2) तोलानी धिपिंग कम्पनी लिमिटेड ।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उन्त राम्परित के अर्थन के संबंध में कोई भी जालोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सैं 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिरियत में किए पा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ध

अनुसूची

टेनमेंट सं० ए० जो 10वीं मंजिल भक्तवार प्लाट सं० 229 बैंकबे रेक्लमेणन स्किम ब्लाफ 3 नरीमन पांइंट बम्बई— 21 में स्थित हैं।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-1/37-ईई/7840/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बस्बई द्वारा ृदिनांक 9-10-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> भ्र० प्रसाव सक्षम प्राधिकारीः सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज-1े बस्बई

दिनांक : 10-6-1986

मोह्नर :

प्ररूप आईं. टी. एन. एरा. -----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन मुचना

माइत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिभांक 10 जून 1986

निर्वेश सं० अई-1/37-ईई/8319/85-86--अनः मुझे, **अ० प्र**साद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्थाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति. जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रौर रिपकी सं० पलेट सं० 501, जो, 6ठी मंजिल, आगर विला, 242, ईल्ड सायन रोड, सायन, बम्बई-22 में स्थित हैं (ग्रोर इसने उपायड़ अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं), ग्रौर जित्तका कारपामा अध्यक्तर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कव के बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री हैं दिनांक 9-10-1985,

को पूर्ची नत संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्तित का उचित बाजार मूल्य, उसके क्थमान प्रतिफल से एसे क्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितों) के बीण एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिकित उच्चेश्य से उक्त अन्तरण विचित से वास्त्रिक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाव की बाबस, उक्त शिंधनियम के अधीन कर दोने तो अन्तरक के बायिस्य में कमी करने या उससे बचने में स्थित. वे लिए; बीर√सा
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन मा अन्य आस्तियों को, जिन्ही भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती ब्वार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, जिल्दाने में स्विधा औं लिए.

ं बतः वन, उक्त विधित्यम की धारा 269-ग के अन्सरण भं, में उक्त किमिनयम की धारा 269-च की उपधारा (1) क वधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, वर्षात् :—— (1) मेसर्स आगर डेव्हलीपर्स।

(अन्तरक)

(2) श्री हीरासिह जयसलिसह सेहगल।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :----

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 बिन की अवधि या तत्सं तथी क्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 बिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्य व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इत सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए का सकोंगे।

स्पथ्दीकरण: --- इसमें प्रमुक्त शब्दों और पवां का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

वन्सूची

फ्लेट सं० 501, जो, 6ठी मंजिल, आधार विला, सायन ईस्ट रोड, सायम, बम्बई-22 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि से अई-1/37-ईई/7834/85-86 भीर जो सक्षम प्राधिकारी बस्बई द्वारा विनांक 9-10-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> अ० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक: 10-6-1986

प्रकप बाहै, दी. एक. एस ----

ब्याकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कायालय, सहायक श्रायकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जभ रेंभ-1, अम्बई

बम्ब्ई, विभाक 10 जून 1986 भिदेश सं० अई—1/37—ईई/8318/85—86——अतः मुझे, अ० प्रसाद

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 209-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीप जिपकी संव फ्लैट संव 601, जो, छठी मंधिल, आगरी विला, ईस्ट मायप रोड, सायप, बन्बई—22 में िया है (ग्रीप इमते प्रावद अनुसूची में ग्रीप पूर्ण रूप संविष्यत है) ग्रीप जिसका करापपामा आयाप अधिपियम 1961 की धारा 269 पख के अवीध बन्बई स्थिप मक्षम प्राधिपारी के जार्यालय में रिपर्स्टी है, दिनों के 9-10-1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित वाकार मृत्य से कम को बच्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई और मृत्रे यह विच्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके बच्यमान प्रतिफल से एेरो द्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिदात से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अम्बरितियों) को बीच एेसे अन्तरण को जिए तथ पाग गया प्रतिफल, जिम्मिलिखित उद्दूष्टिय हैं स्वत्त अन्तरण निश्चित में वास्तिक रूप से विधिक नहीं किया गया हैं:---

- (क) जन्तारण संहुदं किसी भाव की वावत, उत्तः मधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तारक के दायित्य में कभी करने मा उससे वचने में सुविका के लिए; शीर/या
- (५) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था छिपाने में स्विभा के लिए;

कृत: अब उक्त अभिनियम की भारा 269-म के अनुसरण का भारा 269-म की अपभारा (१) को अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अभीत् :---

(1) मेसर्स आगर डेब्हलोपर्स ।

(अन्तरका)

(2) श्रीमती रामकार हीरासिह सेंहगल।

(अन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पृथीक्त सम्मत्ति के अर्थन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेत्र कुल्ल

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस बं 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियाँ प्रमु सूचना की तामील सं 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के ऱाजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित-अव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहरताक्षरी के शस सिखित में किए जा सकोंगे।

स्पट्टीकरण:---ध्समें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषितः हैं, वहीं बर्थ होगा, थीं उस बध्याय में दिया दिया गया हैं।

पन्मूची

फ्लैट सं० 501, जो, 6ठो मंजिल, आशर विला, ईस्ट सायत रोड, सायत, बम्बई--22 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि कि० सं० अई-1/37-ईई/7833/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 9-10-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

अ० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण**)** श्रर्जन रेंज-1, बस्ब**र्ध**

नारीख: 10-6-1986

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

जासकर आधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण). अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 जून 1986 निर्देश सं० अई--1/37-ईई/8384/85-86--- अतः मुझे, अ० एसाद,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें परचात् 'उथत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के निधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करन का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है

भीर जिसकी सं० कार्यालय सं० 43, जो, 4थी मंजिल, फी प्रेस हाउस, प्लाट सं० 215, नरीमन पाइंट, बम्बई—21 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिजियम, 1961 की घारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, विनांक 15-10-85,

को पृत्रेकिंग संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्वयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करन का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्वयमान प्रतिफल से, एसे ध्वयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और उस्त-रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्योध्य से उक्त अन्तरण लिखित में भाग्तिफल निम्नलिखित उद्योध्य से उक्त अन्तरण लिखित में

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयक्तर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना माहिए था, खिपाने में स्थिभा के लिए।

बतः इता, उकतं अधिनियमं की भारा 269-गं के अनुसरण कों, ं, उकतं अधिनियमं की भारा 269-घं की उपासरा (१) दे अधीन, जिस्निजिखित व्यक्तियों, अधीन् हिस्स (1) अधेस्थेटीक बिल्डर्स प्राइवेट लि०।

(अन्तरफ)

(३) पगरजूल फर्टीलाय अर्स एण्ड केमिकल्स लि०। (अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पृथिक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (ख) इस सूचना की राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोगे।

स्यव्हीकरण: -- इसमें प्रथमत शब्दों और पर्दों वा, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाजित है, यही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में विभा गया है।

अनुसूची

कार्यालय सं० 43, जो, 4थी मंजिल, की प्रेंस हाउस, प्लाट सं० 215, नरीमन पाइंट, अम्बई-21 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क० सं० अई-1/37-ईई/7896/85-86 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 15-10-1985 को राजिस्टर्ड किया गया है।

> अ० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक : 10-6-1986

प्रक्य भाष्ट्रं.टी.एन छ : -

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की এবং 26 কে () क স্থান ও বং

भारत सरकार

कार्यालय सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जभ ने ज—1, बभ्बई

बम्बई, दिनार 10 जून 1986

निर्वेश स० अई-1/37-ईई/8290/85-86--अतः मुझे, अ० प्रसाद,

भायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-भ क अधान सक्षम शाधकारी को यह प्रिनास करने का कारण है दि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसको में विस्तित्व में 12 (श्री-2), जो, विग-मी, मितल टावर, प्लाट से 210, जरीमध पाइट, बम्बई-21 में स्थित है (श्रीर इत्तर उत्तबद्ध अपुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विज्ञात है) श्रीर जिस्ता जा प्रणामा स्थित काश्री व्यम, 1961 की धारा 269 स्व के असी वम्बई विधित सक्षम प्राधिकारी वे कार्यालय में रिष्ट्री है, दिनाक 7-10-85

का पूर्वाक्त प्रश्नित के उर्वित बाबार भूल्य स काम के दरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त सर्गात का गिष्ठ जाका प्रस्ट, उसके दरयमान प्रतिफल से एसे दरयमान प्रतिफल के पन्सह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंसिडिती (अद्यारणिं) के लीए के एसे ग्रास्ट्र के किए सर पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य स उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुंकि किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के कामित्व में कमी करने मा उठस वयन में कानवा अस्तर्भ कार्य, कार/मा
- (क) एसी किसी बाय या किसी भन या बन्य बास्तियों की, जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उन्ना अभिनयम, या धन अस्तियम, 1957 (1957 को 27) की अमेजनार्थ बन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया नया आ या किया जाना भी हुए था, दिशान में मृत्तिभ की किया जाना भी हुए था, दिशान में मृत्तिभ की किया

जतः अथ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के, अनुसरण में, में, अक्त अधिनियम को धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन,, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) मेसर्म भारती काण्या

(अन्तरक)

- (2) श्रीमती स्रमरीत ए० गहा, श्रीमती प्रभा एम० गहा, श्रीम बन्दी एम० यहा, ग्रीप लाहा वि० यहा । (अन्तरिती)
- (3) अन्तरको

(बह व्यक्तिः, जिसके अधिभोग में सम्बन्धि है)

का शह स्थलः जारा करके पृत्रीका पर्याणा । जारा । ः कार्यवाहियां करता हा।

उन्नत संपरित के वर्जन के संबंध में को हैं भी नाहोत:---

- (ख) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सं
 45 दिन की जनिष या तरसन्ती ध्यक्तियाँ वर
 स्पना की तामीन से 30 दिन की ननिष, को औ
 अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृश्लेका
 पन्तितयां में से यि सी व्यक्ति स्वारा;
- (द) ६व का एक एक भी प्रकाशन की ताराध न 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी बच्च व्यक्ति द्वारा अधोहस्तकारी के पास निक्षित के किए प्रा सक्तें।

श्यष्टोक्षरणः--इसमे प्रयुवत शब्दों और पदों का, जो उपक्त विभिनियम के अध्याय 20-के भे परिभावित ह, टोर्स १८ हाला उपराय शामय में विद्या गया है।

अनुसूची

ार्यालय स० 12 (प्रश—2), जो, विग—सी, मित्तल टावर, प्लाट स० 210, ब्लाव स० 3, नरीमन पाइंट, बम्बई— 21 में रिथत हैं ।

अनुसूची जैना कि कि० स० अई-1/37-ईई/7805/85--86 भ्रौर जी सटाक प्राधिकारी,13 बम्बई द्वारा दिमाक 7-10-1985 को र्राजस्टई दिया गया है।

> अ० प्रसाद नक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अजन रेज-1, अस्बर्ध

विभाक 10-6-1986 मोहर: अक्य बाइं. टी. एक एस. ४ - - ----

भाषकर किंपिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-म (1) के मधीन स्कना

भारत सहकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायकत (निरीक्षण) ग्राजीन रेज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 10 जून 1986

निर्वेश सं० अई-1/37-ईई/8216/85-86--- प्रतः मुझे, प्र० प्रसाद,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वाल उन्तत की धिनियम अहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/ रह. संअधिक है

और जिनकी पंज पर्नेष्ट पज 12, जो, 5 हो निवन, ने हार्ज बहुयू को०-भाष० हाउपिंग सोपायटी लि०, 126, एम० के० रोड, बम्बई-2, में स्थित हैं (और इससे उपावद्व अनुसूची से और पूर्ण का से विणान हैं), और जिपहा करारतामा आयकर अधितिम, 1961 की धाण 269 कब के अधीन बम्बई में स्थित पश्चम अधिकारी के कार्यात्रय में रिजिन्द्री हैं, दिनाक 1-10-1985.

को पूर्विकत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रूपमान प्रतिफल को लिए अंतरित की गर्य है और मृभ्ये यह तिश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्पत्ति का उभित बाजार मृत्य, उद्देश स्त्यमान प्रतिफल सं, एसे रूपमान प्रतिफल का पंद्रह इतिकत र विभिन्न हैं और बन्तरक (अन्दरका) और अन्द्रिषी (अन्तर रिविंग) के बीच एसे पन्तरण को लिए त्रव पाया गया अतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण सहूप किसी आयकी नायत, उक्त आधिनियम के अधीन गर दर्ग के अन्तरक के दायित्थ में कमी कर्षिया उससे अपने में स्विधा के जिए आहु/वा
- (क) एसी किसी थाय या किसी थन या अन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनयम, 1922 (1922 का 11) या सक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोज-नार्थ जन्मदिती हुवारा प्रकट नहीं किया गमा था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा औ सिक्ट;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुमरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन,, निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात् ६—— (1) श्री गिरीशवन्द्र पुरुगोत्तम साध, श्री मुनील जी० साध, श्रीनती स्थानादेवी एउ० साध और श्री रोहित एस० साध।

(ग्रन्तरक)

- (2) श्री मुरेश डी॰ पारेख और श्री सलिल एस॰ पारेख। (श्रन्तरिती)
- (3) श्रन्तिनियों । (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

का यह सूचना जारी करकं पूर्वोक्त सर्पत्त कं कर्जन के लिय कार्यवाहियां सूरू करता हु।

उक्त सम्परित् के बर्जन के संबंध में कोहां भी बाक्षप :---

- (क) इस सुषपा के राजपत्र में प्रकाणन की तारीस सं 45 दिन की अविधि या तत्राप्त्रन्थी व्यक्तियों पर सुषना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिन प्राप्त,
- (क) इस स्थना के राजपन में प्रकाशन की नारीश में 45 किन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्र बंदुष किसी जन्म व्यक्तित क्यार अधाहरताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिरण — इसमें प्रभूवत शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में पीर्शिविध हाँ, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया जया हाँ।

मन्सूचीं

फ्लैंट सं० 12, जो, 5वीं मजिल, दि कोर्ट व्हयू को०--ग्राप० हाउिभग सोमायटी लि०, 126, एम० के० रोड, अम्बई-20 में स्थित है ।

भ्रनुसूची जैसा कि कि के सं० श्रई-1/37-ईई/7734/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाक 1-10-1985 को प्रजिस्टर्ड किया गया है।

> श्र० प्रसाद मक्षम प्राधिकारी महायक आयक्रर आयुक्त (निरोक्षण), श्रार्जन रेंज—1 बम्बई

दिनांक : 10-0-1986

प्रक्ष बाह् , डी. एड्ड एड्.-----

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाष 269-च (1) की बचीन स्वना

बाइत संद्रकात

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंड-1, बम्बई

बन्बई, विनांक 10 जून 1986

निर्देश सं० प्रई-1/37-ईई/8445/85-86--धत. मुझे, अ० एसाद,

भावकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (विश्वे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- व के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विकास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लेट मं० 1, जो तल माला, उद्यान दर्शन इमारत, सयानी रोड, प्रभादेवी बम्बई—25 में स्थित हैं (और इसमें उपाबद्व श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं) और जिमका करारनामा श्रायकर श्रिधितयम 1961 की धारा 269 कद्ध के श्रिधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्टी हैं दिनांक 17—10—85

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का बरण है 'क यच्यपूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे एसे श्रव्यमान प्रतिफल का पन्स्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों (अन्तरितियों) की बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेश्य से उक्त अन्तरण लिखित वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण संहुर्च किसी बाय की नावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक औ अधितय में कमी करने या उसने जवने में स्विधा अधित्य संक्रिया
- (ष) एसी किसी आब या किसी भन या कत्य प्रास्तियां की, जिन्हें भारतीय जायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रबोजनार्थ अन्तरिती ब्वास प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुसिधा के किया।

जत: भव, उक्त अधिनियम की भारा 269-न के अन्सरण तो, में स्थल समिनियम की भारा 269-च की स्पभारा (1) के अधीर ्रीस्टिस स्मक्तियों, क्यांत र---- (1) वेसर्स फेरानी डेव्हलोपर्स ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती सिना सुधाणू नाईक।

(भ्रन्तरिती)

की यह सुमना करने कहके पूर्वीचल संपरित भी अर्थन में सिए कार्यवाहियों करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप 年

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी स्यक्तियों पर स्त्रना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारील से 45 विम के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बसूध किसी कन्य स्थावत द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकेंगे।

स्थळीकरण:----इसमे प्रयुक्त सन्ती और पर्वो का, थी वर्षक्र विधिनियम के वध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं वर्ध क्रोगा जो उस अध्याय में स्थिय नवा ही।

अनुसूची

पलेट सं० 1, जो तल माना उद्यान, दर्शन इसारत, स्यानी रोड, प्रभादेवी बम्बई-25 में स्थित है।

भ्रनुसूची जैसा कि क० सं० श्रई-1/37-ईई/7955/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 17-10-1985 को रजिन्टर्ड किया गया है।

> श्र० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-1 बस्बर्ष

दिनांक : 10-6-1986

प्रस्य काष्ट्र⁴, शी एन, एस, गण्यास्थान

साधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 प (1) के अधीन सुकरा

भारत सूरकार

कार्थालय, महायक श्रायकार आय्वत (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1 बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 जून 1986

निर्देश सं० भई-1/37-ईई/8497/85-86--म्रतः मुझे, म्र प्रसाद,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें मिले पहलात 'उक्स अधिनियम' कहा गया है), की थारा 269- व के सभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि: स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाबार मूक्य 1.00.000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लेट सं० 1, जो पहली मंजिल, नटराज-ए प्लांट सं० 404, लक्ष्मी नारायण लेन, माटुंगा बम्बई— 19, में स्थित है (और इपसे उपाबद्ध प्रनुमूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा ग्रायकर प्रधिनियम 1961 की धारा 269 कख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधि-कारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है विनांक 22-10-85

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकाल के निए अन्तरित के नई हैं और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकाल से, एसे द्रियमान प्रतिकाल का नमूह प्रतिकाल से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतिरितिकों) के लोज एसे असरण के सिए का पान एवा प्रतिकाल का निम्मतिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्ति में बास्तिक क्या से सम्भाव निस्ति के वास्तिक का निम्मतिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्ति में बास्तिक क्या से किया नमा है कुन्तरण निस्ति में बास्तिक

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाग की वाश्वत सकत क्षिप्त नियम में अधीन कर दोने में अन्तर्क में दायित्व में सबी महाने वा बतने नुषाने में सुनिधा को जिल् भार/या
- कि। तांकी किन्सी आम कर रिक्यों एक का आम क्राकार की, जिल्हों भारतीय कारकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती इवारा प्रकट महीं किया गया था मा किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा ध्री दिन्द्र,

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण मे, मंग, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्तनिकित व्यक्तियों, अर्थात :---- (1) नटराज बिल्डर्स ।

(भ्रन्सरक)

(2) श्रीमती निर्मेला प्राणलाल वोरा और घ्रन्य (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए फार्यभावियां करता हुए।

उथर सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:---

- (क) इस स्वता के राजपण में प्रकासन की लारीय से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वता की तामील में 30 दिन की लबधि, जो भी अवधि वृद्धी में समाध्य होती हो, के भीता प्रविध व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर उच्च स्थावर संपत्ति में हितः विद्या किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरित

स्थाधनीकरण:---इसमे प्रयूक्त शब्दों और गर्दों का, को उक्स अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ द्वांगा को उन्हें अध्याय में दिया पना हैं।

अनुसूची

फ्लेट सं० 1, जो पहली मंजिल, नटराज-ए, प्लाट सं० 404, लक्ष्मी नारायण लेन, माटुंगा बम्बई-19 में स्थित हैं। ग्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० ग्रई-1/37-ईई/8001/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी धम्बई छारा दिनांक 22-10-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

श्र० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज–1, बम्बई

दिनांक : 10-6-1986

भाहर 🖫

एकप् बार्ड्टी, एनः एस् _{अवस्थानस्थानस्थानः ।}

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा २69-व (1) भी कभी सम्बन्ध

भारत सरकार

कार्यालय, सहारक बायकर बायक्स (निरक्षिण)
प्रार्जन रेंज-1, बम्बई
बम्बई दिनांक 10 जन 1986

निर्देश मं० अई-1/37-ईई/8355/85-86--अन: मुझे, अ० एसाद

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निस्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्तिः जिसका उचित याजार मृख्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० कार्यालय मं० 3ए, जो 6टी मंजिल, न्यू एक्सेलिमिश्ररइमारत वाल्सेस स्ट्रीट फोर्ट, वस्वई-1 में स्थित है) और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण एप से विजित है) और जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम 1961 की धारा 269 कख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजिस्ट्री है, दिनांक 11-10-1985

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्वर्यमान प्रतिफल से एसे द्वर्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वरिय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से अधित नहीं किया गया है:----

- (क) जुन्तरण से हुई किसी जास की बाबस, उपस जिथितियम के जभीन कर दोने के जन्तरक के खिरण मों कमी करने या उससे बचने में सुविधा जी जिए: जोट्र/या
- (क) ऐसी किसी आयु या किसी धम या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकर लिजियम, का धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 2) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खियाने भी सुविभा के लिए;

भत: अन, उनत अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण ने, मी, उनत अधिनियम की भारा 269-म की इपुधारा (1) के अधीन, निम्निक्षित व्यक्तियों, अधीत् :---5—166G86 (1) नीरज फाइनान्स कारपोरेशन।

(अन्तरक)

- (2) इंडियन आयितिक केमिक्टल लिमिटेड । (ग्रन्थिती)
- (3) ग्रन्ति तियों।
 (यह व्यक्ति जिनके ग्रधियोग में
 सम्पत्ति है)

को यह सूचमा जारी करके पूर्वक्ति सम्पत्ति के अजन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

सकत सम्परित के बर्धन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविध सा तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की बचिध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में ते किसी व्यक्तित व्यक्ति व्यक्तित हो।
- (क) इस सूचना के राष्प्रच में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितनबुभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहरतक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

अनुसूची

कार्यालिय मं० 3ए, जो 6वीं मंजिल, न्यू एक्सेलिसिग्रर इमारन, वाल्नेव स्ट्रीट फोर्ट, बम्बई-1 में स्थित है।

श्रतुसूची जैपा कि का० मं० श्रई-1/37-ईई/7868/85: 86 और जो सक्षम प्राधिकारी, वस्बई द्वारा दिलांक 11-10-1985 को रुजिस्टर्ड किया गया है ।

> अ० प्रणाद सक्षम प्राधिकारं। महायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंग-1, बस्बई

तारीख: 10--6--1986

प्रकथ सार्व दी । एवं । एसं . -----

बायकर आंधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा बादा 269-व (1) के अभीन सूचना

शारत स्टब्स्ट

कार्याभव, सहायक बायकर नायुक्त (निरीक्षण)

प्रजीन रेंज-1, बम्बई

बम्बई दिनांक 10 जून 1986

निदेश मं० ग्रई-1/37-ईई/8588/85-86---ग्रनः मुझे, 2 ग्रा

कायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसके इसके पश्चाल, 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ज के अधीन सक्षम प्राधिकार, की, यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका स्थित जानार मुख्य 1,00,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी मं० पर्लंट मं० 102-बी, जो अटलास अपार्टमेंटम को०-आप० हाउसिंग मोतापटी लि०, 11, जमनादान शेहता रोड, बम्बई-56 में स्थित हैं (और अपने उताबद अतुसूची में और पूर्ण कर से बिलत है) और जिनका करारकामा आयहर अधिनियम 1961 की धारा 269 कछ के अधीन बमबई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यान्य में रिजिस्ट्री में दिनांक 31-10-1985.

को पूर्वोक्त सम्मित्त के उधित बाजार मृत्य से कम के दरणमान शीसफन के निए कर्तारित की गढ़ें हैं बार मुओ यह विद्यास् करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का उधित बाजार मृत्य, उसके दर्यमान प्रतिफल से ऐसे दर्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिचत ये अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (वन्तरितियां) के दीच ऐसे अन्तरण के चिए सम शाया गया प्रतिचक, निम्मित्तिस्स उद्देश्य से अस्त अन्तरम किस्सित

- (क) अध्यक्ष से शृद्ध किसी आय श्री शक्त, सक्त अधिनियम के अधीन कर वीने की अन्तरफ में अधित्य में कमी करने या समने नचने में ्रायधा के सिए; और/वा
- [क] हुनी किसी बाक वा किसी वव वा कुल आहिताकों को, जिन्हों भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, १९22 प्रत्कार अधिनियम, १९ १९७७ का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बुवारा प्रकट नहीं किया का या या किया जाना चाहिये था. कियार में मुनिधा की निए;

कतः जब, उक्त जोधनियम की भारा 269-म के अनुसरण मों, मो, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखत व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्रीमती पेम सहानी और श्रीमती निना सहानी । (ग्रन्तरुक्)
- (2) श्रीकेवल फुण नोहरिया औरश्रीमती सुदेण नोहरिया (ग्रन्तरिती)
- (3) क्राम्प्टन ग्रेव्हण लिमिटेड । (बह व्यक्ति जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

को वह स्थान जाडी कडके प्यामित सम्पारत में अर्थन में लिए कार्यनाहियां कडता हों 'ए

उपन सम्बद्धि के वर्षम् के सम्बन्ध में कोई भी बार्कापु:--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब हैं
 45 दिन की बनिश या तत्क्रम्यां व्यक्तियों दर
 सूचना की तामीब से 30 दिन की बन्दिन, को सी
 बन्दि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर
 ध्वित्रामों में से किसी व्यक्ति हुनाराई
- (ब) इस भूषना के राधपत्र में अकाशन की तार्राब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित्बव्ध किसी बन्द काकित हवारा मुश्हेस्तासदी में वास निस्त में किए जा सकेंगे।

स्यक्दिकरण:---इसमें प्रयुवत शक्दों और पर्वो का, जो सक्द अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं कर्य होगा जो जस अध्याय में विका गया हैं 10

अनुसूची

पर्लंट मं० 102--बी, जो, प्रटलाम ग्रपार्टमेंटस् को०--ग्राप० हाउसिंग मोसायटी लि०-II जमनादाम मेहता रोड, बम्बई में स्थित है।

अनुमूची जैसा कि कि सं० अई-1/37-ईई/8087/85-86 और जो मक्षम प्राधिकारी में द्वारा दिनां के 31-10-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> ग्न० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी गहाय ह आप हर आशुक्त (तिरीक्षण) श्रजीत रेंज-1 बस्बई

दिगांक : 10-6-1986

प्रक्रम बाइ. टी. एग. एस.-----

वायकार अधिमियम 1961 (1961 का 43) की भारा 269-प (1) के वृथीन स्पना

ATTEN SECTION

कार्यालय, सहायक आयुक्त अप्रकृत (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज-1, बम्बई बम्बई, दिनाक 10 जून 1986

निदेश स० अई-1/37-ईई/8556/85-86+-ग्रतः मझे,

भ्र० प्रसाद

कासकर जिथितियन, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनाम' कहा गा है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और फिसकी संव कार्यात्य संव 49ए, जी, थ्यी मंजित, करीमत भवन प्रिमायके काव-श्राह्य गातिकटी विव, 227, करीमत पाँडट बरबई—21 में रिथल हैं (ऑप डसमें उपावह श्रनुसूची में ऑप पूर्ण कर स विधित हैं) और फिसका करारतामा श्रायक श्रिष्ठियम 1961 की धारा 269 कख के अधीर बस्बई स्थित सक्ष्म प्राधिकारी के कार्यांका में रिजिस्ट्री हैं दिनाक 29-10-1985

का पूर्वाक्त गम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाबर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पद्रह प्रतिशत से अधिक है और अतरक (अंतरका) और (चन्तरित्मा) के बीच एसे अन्तरण के लिए स्य गया गंधा प्रतिफल, निम्निणिसिय उद्वेदय से उक्त जन्तरण लिसिस बास्तिविक रूप स का थत नहीं स्थित गया है:---

- (क) अन्तरण सं हुए किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर बंगे के अन्तरक के द्यायहरू भी स्मनी करते या उसके अधने में भूजिया के जिए; नौर/या
- (ख) एसि किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कीं, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

नतः अथ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, टक्त अभिनियम की धारा 269-म की उपभारा /१) के ज्ञीन निम्नलिखित व्यक्तियों नगाँत :-- (1) श्री भ्रजनदास देवीदास ।

(श्रान्तरक)

(2) मेलमं जगतीयानी इंजीनियरिंग कसलटेन्सी एण्ड सर्विभेग प्राइवेट निरुत

(भ्रन्तरिती)

(अ) अन्तरितियो ।

(बह व्यक्ति जिसके श्रधिभोग में समात्ति है)

(4) श्री श्रमाणंकर ए० पुरोहित ।
(बह व्यक्ति जिसके बारे में श्रधोहम्पाक्षरी जानता है कि बह सम्पत्ति
में हिनबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के वर्जन क लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

चक्त सम्परित को अर्जन के लंबंभ में कोड़ भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीज से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त म्यांक्तियों में स किसी व्यक्ति सुत्रारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हितबद्ध अद्ध कि.सी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्साक्षरी के अस सिंचित मों किए का सकेंगै।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त दर कियम के अध्याद 2(-ठ में परिभागित हैं, बही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया पर्ण हैं।

अम्युको

कार्यात्त्य सं० 19ए, जा, 1यी मंजित, नारीमत भवन प्रिमायसम को०—ग्राप० से(नायटी ६७, 227, तरीमन प्रेडट वम्ब**र्ड**—21 में स्थित हैं ।

श्रनुसूची जैमा कि फ० स० श्रई-1/37-ईई/8059/85-86 आर जा सभाग पाधिकारी बम्बई द्वारा दिनाक 29-10-1985 की रिक्टिई किया गया है।

> श्र० प्रसाद सक्षम प्राक्षिकारी सहाय क श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज–1, बम्बई

रित्र : 10-6-1986

मांहर

and remain the state of

वस्य मार्च, श्री . एव . एस

आयकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा भारा 269-म (1) के मधीन स्थना

नाउत पहुन्त

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-1, बम्बई
बम्बई, दिनांक 10 जुन 1986

निर्देश सं० स्रई-1/37-ईई/8476/85-86--श्रतः मुझे, स्र० प्रसाद,

नायकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रथात 'उक्त निभिनियम' कहा गया हैं), की नारा 269-ज के नभीन सदाय प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका संजित वाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

आाति (तो रं) वे तिं पांजान (जो, काझी सैयद स्ट्रीट, श्रानन्द इमारन, 82/84, सयप काझी स्ट्रीट बम्बई-3 में स्थित हैं (आंर इससे उपाबद श्रमुस्ची में ऑर पूर्ण रूप से वर्णित है) ऑर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961की धारा 269 कख के श्रधीय बम्बई स्थित रक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 22-10-85,

का पृत्रोक्ष सपरित के उचित याजार मृस्य से कम के उध्यमता प्रितिकत के जिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विध्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उजित याजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रीतिकत से एसे दश्यमान प्रतिकत के पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया विकास निम्निसित उद्दर्भ से उक्त मन्तरण निश्चत में वास्तावक कप सा कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण संहुई किसी मान की वायत, उक्त अधिनयन के अभीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के सिए; और/या
- (थ) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य बास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वास प्रफट नहीं किया गया था या किया बाना बाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

कतः अव, उकत जीभनियम की धारा 269-ग को अनुसरण में, में, उकत अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--- (1) श्री भौलेश गुलावराय बदलानी ।

(भ्रन्तरक)

(2) मेर्स्स भूपेन्द्र कुमार धिरजलाल ।

(अन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके प्योंक्स सम्मत्ति के कर्जन के विष् कार्यवाहियां करका हो।

उक्त सम्पत्ति को अर्थन को संबंध में कोई भी बाक्षेप उन्न

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अवधि या तत्से वंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्ट व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस मुजना के राज्यपण में प्रकाशन की तारीस स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी कें गस लिसित में किए जा सकरेंगे।

स्पब्दीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिल्लियम, के बध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गरु ३%।

अनुसूची

बेसमेंट गोडाउन जो. काझी सँयद स्ट्रीट, श्रानन्द इमारत, 82/85. मैंयद काझी स्ट्रीट, बम्बई-3 में स्थित है। श्रानुसूची जैसा कि ऋ० ई/ईई सं० ग्रई-1/37-ईई/7982/85-86 आँर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 22-10-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

श्र० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-1, बम्बर्ध

दिनाक : 10-6-1986

प्रकप भार्च दी . एन . एस . ------

जायकर मिपिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के वभीन सुचना

भारत चन्नकार

कार्यालयः, सहायक जायकर जायुक्त (निरक्षिण)

म्रर्जन रेज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 10 जून 1986

निदेश सं० ग्रई-1/37-ईई/8437/85-86---भ्रतः मुझे, भ्रः प्रसाद,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-श के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00.000/- रहा से अधिक हैं

आर ि:सकी सं० पर्लंड सं० 5, जो. पहली मंजिन, रारम्बती निकेतन कांणिनाथ, धुरू रोड बम्बई-28 में स्थित हैं (और इससे उपान्द्व श्रनुसूची में और पूर्ण रूप संवर्णित हैं) और जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 कख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय रजिस्ट्री में हैं, दिनांक 17-10-1985

को पृथोंकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपयमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गर्द हैं और प्रकृत यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोंकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके क्रयमान प्रतिफल से, एसे रूप्यमान प्रतिफल के पन्नह प्रतिधात से अभिक हैं और अंतरिका (अंतरितयों) के बौच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निचित उद्देष्य से उक्त बन्तरण लिचित में बास्तविक रूप से कथित किया गया हैं:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिस्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ जन्तरिती ब्बारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा वै सिए;

जतः सव, उक्त अभिजियम की भारा 269 ग के अनुसरण मो, मों, उक्त अधिजियम की भारा 26१०-च की उपधारा (1) के अभीत. निम्नीजिखिक व्यक्तियमों, सभित् क्ष--- (1) श्रीमती एष० गुलाबीबाई।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री शहा चंद्रकांतराव गोडसे ।

(भ्रन्तरिती)

(3) भ्रन्तरक ।

(वह व्यक्ति जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह स्थला जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उनत संपत्ति के अर्ज्जन के संबंध में कोई भी जाक्षेण :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी सनिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रकेतिक व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति :
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वित-बय्भ किसी व्यक्ति दवारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोगं।

स्पष्टीकरण '— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, भी उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाणित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में जिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट स० 5, जो, पहली मिजल सरस्वती निकेतन, काशि-नाथ धूच रोड, बम्बई–28 में स्थित है।

श्रनुसूची जैंगा कि कि स० श्रई-1/37—ईई/7945/85— 86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 17—10—1985 को रजिस्टर्ज किया या है ।

ग्र० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रजैन रेंज-1, **बम्बई**

दिनांक : 10-6-1986

प्रकर् आहं 🗊 टी्. सुन्, एव . 🗝 🖛 - 🗝

वायकर विधिनियम, 1961 (1961 कर 43) की पाछ 269-थ (1) के विधीन सुपना

भारत सरकार

कार्याजय, तद्वायक मायकर माय्क्त (निरीक्तण)

ध्रर्जन रेंस 1 बम्बई बम्बई, दिनांक 10 जून 1986

निवेश सं० अई-1/37ईई/8448/85-86-- म्रतः मुझे ग्र० प्रसाद,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- इस के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु से अधिक है

और जिसकी मं० दुकान नं० 8, जो, श्री ओम चेंबर्स, 12 श्राँगस्ट क्रांति नार्ग, केम्पम कार्नर, बम्बई-26 में स्थित हैं (और इनमें उपाबद श्रमुम्ची में और पूर्ण क्रप में बिणत हैं), और जिमका करारनामा श्रायकर श्रिधिनयम 1961 की धारा 269 के के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजम्ट्री हैं। तारीख 21-10-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उत्तित बाजार मृत्य से कम के इष्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गर्ट है और मुके यह विश्वास का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मृज्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे इष्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ए ते अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित दृद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त्रिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्स स्थितियम के स्थीन कर योचे के सन्तरक के बाँकरक में कभी करने या असमें अपने में जुनिया के लिए; सीर/मः
- (थ) होती लिसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1921 (1922 का १1) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा औ लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्मरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखिस व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) मेसर्स होलाल स्टोर्स।

(ग्रन्तरक)

(2) मेसर्स भारतीय कान्फेक्शनर्स प्रा० लि०।

(भ्रन्तरिती)

(3) अन्तरक ।

(वह व्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है)।

का यह स्वता जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति भी वर्षन के तिल् कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सन्पत्ति की वर्णन के सन्वन्ध में काई भी वाक्ये हा--

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की सारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, वो औं अविधि बाद में समाप्त होती हो, वो भीतर पूर्वों कर प्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ह्वाराह
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाव रसम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य ध्यक्ति द्धारा कथांहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेगे।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थं होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

दुतान नं० 8, जो, श्री जोम चेंबर्स, 123 श्रांगस्ट-क्रांति मार्ग, केंस्परा कॉर्नर, बस्बई-26 में स्थित है।

श्रनुमूची जैसा कि कि० सं० श्रई-1/37ईई/7957/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी वस्बई द्वारा, दिनाँक 21र10-85 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> श्र० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1 वम्बई

तारीथ . 10-6-1986

प्रकल कार्ड, टी. एस. एस. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाद्य 269-व (1) के बभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यास्यः सहायक सायकर सायकत (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 10 जून 1986

निदेश गं० ग्रई-1/37ईई/8382/85-86-- श्रनः मुझे, श्र० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की भारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित गणार

1,00,000/- रु. से अधिक **है** और जिसकी सं० कार्यालय नं० 43, जो 4थी मंजिल, फी-प्रेग ह(उस, प्नाट नं० 125, नरीमन पाइंट, बम्बई-21 में स्थित है (और इससे उपाबद्व अनुसूची में ऑर पूर्णक्य से वर्णित है), ऑर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 कख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजिष्ट्री है तारीख 15-10-85 को पर्वोक्स सम्परित के अधित बाजार मुख्य से कम के इध्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विक्यास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यभान प्रतिफल स एसे दश्यमान प्रतिफ़ल कं पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच उसे, अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकतः, निस्तिनिकतं उद्यवेषयं से उक्त अन्तरण लिखित में मास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) मन्तरण सं हुए किसी बाब की बाबत स्वत मधि-निषम को धर्मान कर दन का जनारक के दाधित में कमी करने या उससे नचने में सुविधा की जिन्ने: 哪裡/紅巾
- (ख) एंसी किसी आय या किया धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हीं भारतीय बागकर अधिनिण्य, 1927 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम., या अन कर जिपिनियम, 1957 (1957 को 27) र प्रश्वितार्थ कर्नास्ती एत्रास स्टब्स्ट नहा हिया स दामाकिया जाना चाहिए भा छिपाने में सहिका 🖷 सिए:

बत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बनुसरण में, में, उक्त अधिनयम की धारा 269-घ की उपधारा (1) क बचीत, निक्तिलिकत व्यक्तियाँ, कथांच कररू

(1) ग्रलेली एण्ड कम्पनी प्रा० लि०।

(अन्तरक)

(2) ग्रयेस्थेटीक चिल्डमं प्रा० नि०।

(अन्तरिती)

को यह स्थाना बारी ऋहके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां कहता हुई।

उक्त सम्पृत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप 🌫

- (क) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितवबुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोष्टरताक्षरी के पास निवित में किए था सकरी

प्यब्दीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, और उक्ता अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ≀

अनुसूची

कार्यातय नं० 43, जो. 4थी मंजित, फ़ी प्रेंस हाउस, ट (12 ७० २४५ नरीमान पाइण्ट, बस्बई-२४ में स्थित है।

अनुपूची जैंपा कि कल्मं० अई-1/37ईई/7891/85-86 आरजो प्यम्प्राधिहारी, बस्बई हारा दिलांक 15-10-1985 की रिनिधर्ड किया गया है।

> গাত সংগ্ৰহ सक्षम प्राधिकारी न्हायस्यास्य सामकतः (निरीक्षणः) श्रजीन रेज-1 बमबई

तारीच : 10-6-1986

मोहर 🖫

प्रकप बाद् .टी.एन.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-1 बम्बई
बम्बई दिनांक 10 जून 1986

निवेश सं० श्रई-1/37ईई/8385/85-86-- ग्रतः मुझे, ग्र० प्रमाद,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है।, की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कार्यालय नं० 44, जो 4थी मंजिल, निर्माना-धीन इमारत, फ़ी-प्रेप्त हाउल प्लाट नं० 215, नरीमन पाइण्ट, बम्बई-21 में स्थित है। तारीख 15-10-85

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे धास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/मा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हें भारतीत आय-कर रिधिनयम, 1972 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृष्यिभा के लिए;

भर अर्थ, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्सरण मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिण्डित व्यक्तियो, अधीत :--- (1) प्रयेम्थेटीक बिल्डर्स प्रा० पि०।

(भ्रन्तरक)

(2) नगरजूना फायनास्स लि० और म्रन्य।

(ग्रन्तिन्ती)

(3) िर्माणाधीन इमारत।

(वह व्यक्ति जिनके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)।

मा यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के जर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति को कर्जन को संबंध में कोई भी काक्षेप :----

- (क) इस सूचना को राजपंत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविध या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वों कर स्थितियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए चा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो अवस अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं कर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कार्यालय नं० 44, जो० 4 थी मंजिल, इमारत फी प्रेस हाउस, निर्माणाधीन इमारत, प्लाट नं० 215, नरीमान पाइण्ट बस्बई-21 में स्थित हैं।

स्रनुसूची जैमा कि ऋ० म० ऋई-1/37ईई/7897/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 15-10-85 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> श्र० प्रशाद सक्षम प्राधिकारी महायक **ग्रा**यकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रैंज-1 बम्बई

तारीख: 10-6-1986

प्ररूप बाह्र ही. एन. एड.

बायकर बिधिनयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बधीन सुखना

धारत भरकार

कार्यालय, सहायक आएकर आयुक्त (निरक्षिण)

ग्रर्जन रेंज-1_. वम्बई बम्बई, दिनांक 10 जून 1986

निदेश सं० अई-1/37ईई/8310/85-86-- अतः मुझे, अ०प्रसाद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके प्रकात 'जबत अधिनियम', कहा गया है, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० कार्यालय, प्रिमायसेज नं० 113, जो 11 वीं मंजिरल, मित्तल चेंबर्स, ग्रार० कार पार्किंग जगह, नरीमान पाइण्ट, बस्यई-21 से स्थित है (और इसमें उपावद्व श्रनुसूची में विणत है), और जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। तारीख 9-10-85

का प्रांचन सम्मित के लिखत अजार मृत्य संक्षम के दुश्यान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वांचत संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके क्रथमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तर प्रतिकत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अनारण के लिए तय बाया गया प्रतिफल, निम्निसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि दित में वास्तिक रूप से किश्त नहीं कि या गया है :---

- (क) जन्तरण से हुइ किसी आय की आबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में मुविधा के निए। और/या
- (व) ऐसी किसी बाद में किसी धन या अन्य आस्तिएों को जिस्से अस्तिकार नीधिनिग्रस, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनिग्रस, शाधनकर अधिनिग्रस, 1957 (1957 का 27) के असे कर किया गाम पा किया जाना चाहिए था. कियाने में सुनिया और किया जाना चाहिए था. कियाने में सुनिया और किया जाना चाहिए था. कियाने में सुनिया और किया

हत: व्यतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-स के अनुसरण वाँ, मीं उक्त अधिनियम की भारा 269-त की उपधार (१) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

6-166 GI/86

(1) मेयर्स स्तूमा एडवन्टाइजिंग प्रा० विका

(M-775)

(2) मेसर्स केसेंट एकनपोर्टरा निज।

(ग्रन्ति)

(3) ग्रन्तरक।

(वह व्यक्ति, लिलके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन क कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्मति के बर्धन के अस्त्य ए लाएं मां सार्फ 🗻

- (क) इस स्थान के राजपण भी प्रकाशन नी शर्मार में 45 दिन की अनिश्चित प्रस्कार के प्राचित्र सूचना की तामील से 30 दिन की राजीय, भार नविध बाद में समाप्त होती हो, भी लीतर प्रति द बाबितवाँ में में किया क्विक्त क्वरत

लक्ष्टोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्व है। है एक अधिनियम के अध्याय 20-क में विश्व विशेषका है। कि कि स्वार्थ के कि स्वार्थ के कि स्वार्थ है।

अनुसूर्थां

कार्णात्रय प्रिमायमेज नं० 113, जो. 12वीं मजिजः मित्तल चेंम्बर्स, और बेंसमेंट में कार पार्टिंग त्यार्, युग्ट तंथ 228, ब्लाक नं० 3, नरीमान पाइण्ट, बम्बई-21 में स्थित है

ग्रनुसूची जैसा कि क० मं० ग्रई-1/37ईई/7.825/95-8 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिन्तंक 9-10-1935 को रजिस्टर्ड किया गया है।

्ष्ट्र १८०० हिन्द्र स्थायक ग्रायकर आयुक्त (सिरीक्षण) व्यक्ति केंद्र-१ सम्बद्ध

तारीख: 10-6-1986

प्ररूप आइ टी एन एम -----

काशकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

गारत सरकाड

कार्यालय, सहायक बायकर बायक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-1 वस्दई वस्वई दिशाल 10 जुन, 1986

निदेश स० अई-1/37ईई/8446/85-86--- अन मझे, ए० प्रसाद,

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रिकारी को, यह निरमस करने का आरण हैं कि स्थावर सम्य स, जिस्का उचित अधार सृष्

श्रार जिसकी स० फ्लेट न० 67-बी, जा ए+स्टरहरेट, बी-ब्लाक, ए०के० मार्ग बस्वई-3 में स्पित है (ग्रा इसमें उपाबद अनुसुची में ग्रा पूर्णरप नविणाहै) ग्रा जिन र क्यारनामा आयकर अधिनियम 1961 की बा। 2 9 कख 5 के अधीन बस्वई विचास्य प्राविष्टर। राज्ञिं में राजिस्ट्री है तारीज 1, 10- 365

का पूर्वेवरा सम्पत्ति के उचिन वागर मृत्य स कम के दश्यमान पितफल के लिए अन्तिर का गई है और मुक्त हूं एक प्रवास करन के कारण है कि यथाणवा कत सपात्त का जीवत बाजार मृत्य हसके दश्यमान प्रतिफल र एसे उद्याद प्रप्रीतए के निर्माण के निर्माण

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबस, नक्स बिधिनियम के बधीन कर दोने के बन्तरल के दिखित में कमी करन या उसम बचने में न्योपना खेंकिए; और/वा
- (ड) एसी किसी बाब वा किसी जिस कर कर कर करें, जिन्हों भारतीय कार कर कर कर कर्म किया के (1922 का 11) वा उक्त कर्म किया के अवस्थ का किया का 1957 (19,7 का 27 के अवाजनार्थ कन्तरिती द्वारा प्रवट नहीं विषय गया था या किया जाना दाहिए था किया के लिए।

कराम कब, उक्त विधिनियम की धारा 269-म औं अनुसर्भ को, नी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की नपधारा (1) औं अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिसयो, अर्थात :—

() दिला : तेतन्य तिनाती।

(अन्नरक)

(2) त्रशद नमजीसाई गहा प्राप्त अन्य। (अन्तरिती)

का यह सूचना जारा करके पाक्त सम्पत्ति के अर्जन के बिए कायताहिय करण हो।

बक्त भव्यति के अकन के सम्बन्ध में कोइ' भी बाक्षेप :---

- , क्षा हो राज्यक हा प्रकाशन की तारीब से किस को स्वाप्त की तारीब से किस किस की कार्या पर किस की कार्या की साम की साम की साम की कार्या के भीतर पर्वोक्त कार्या के साम की कार्या के भीतर पर्वोक्त कार्या के साम की किसी व्यक्ति हो। के भीतर पर्वोक्त कार्या कार्या कार्या कर की कार्या कर कार्य कर कार्या कार्य कर कार्या कर कार्य कर कार्य कर कार्य कार कार्य कर कार्य कर क
- (क) तम सवना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबह्ध विकास । तिया प्यास वाहरताक्षरी के पास नियम मा विकास का सकींगी।

पान्ताकारण - -डमल प्राप्ता कर्जी नरि पशे का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याद ह हिया गया है।

ग्रन् स्वी

फ्लेटन०३ -जी जो एस्सायर इस्टेट, **बी-ब्ला**क, ए०के० मार्ग, व व^{र्ट-}३१ गणभा है।

अनुनुची नै ॥ १ ॰ क० स० अई- 1/3/ईई/795 ९/85-86 ग े सम् साधानि । निहा दिना 17-10-1985 को जिस्टई यि प्राप्त है।

> ग० प्रभाद वक्षम प्राधिकारी सहाय प्रथाय र आपुक : (विरीक्षण) वर्जन रेज-1, बम्बई

तारोच. 10-⊷-1986 माहर.

AND MINE ET . NO. ----

भाषकार आभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ, (1) के अभीत सुबंध

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिलां र 10 जून, । 1986

निदेश सं० **अई**-1/37ईई/8485/85-86— अतः मुझे, ए० प्रसाद,

वानकर बाँधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें धतके परणाय जिले वाधिनियम कहा परा है), की भाष 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारों को ग्रह विश्वास करने का कारण है कि स्थापर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृष्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लेट नं० 4, जा अलना अलर्ट मेंट, 2री मंजिल, 124/126, बालकेण्यर रोड, बस्वई-6 में स्थित हैं (और इससे अलबढ़ अनुसुवी में और पूर्णस्य ने बिणित हैं), और जिन्हा क्रारनामा आयक्षर एधिनियम, 1961की धारा 269 एख के अधीत, बस्बई स्थित पत्रम प्राधिकारी के क्षयी-लय में रजिस्ट्री हैं कारील 23-10-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित आफार मृख्य संकाम के उत्पक्ता । प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई और । सुझे यह विश्वास

मृत्र यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार पृत्याः उत्तके दश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशास से अपिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिश्ची (अन्तरितियों) के बाच एर अध्यक्षण के अञ्चर विस्तित में बास्तिक में, विश्वनिविद्य उन्नदेश प्रकृष कर्न क्लारण सिचित में बास्तिविज्ञ अप सुकृष्य अभिकास क्षां

- (क) कन्तरण से दुर्द किसी जाम की बावता, अवस विभिन्तिक के विभीध कर वॉने के शस्त्रक की इसिक्ट में कभी करने या उसके विभी में सुविका के किए; जोब/मा
- (क) एकी किसी बाय या किसी भग या अस्य जास्तिकों सो, जिक्के कारतीय अस्य-जार स्वीपीतिकत, 1922 (1922 का 11) या उनक विभिन्नित, का भव-कार जीविजियस, 1957 (1957 को 27) सो प्रयोक्तियों अस्तिरती हुनाएं। प्रकाद वहीं दिवसी क्या का जा जिला बाता जाहिए जा, कियाने को स्विका से विस्तु:

सः अष्य, उपल आंधितियम की धारा 269-म के अनुसरण , मैं, उपत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात:--- (।) चिमग লাল सी० চঘারিয়া

(अन्तरक)

(2) कमलेश जितेन्द्र शहा श्रौर श्रीमती बीना के० शहा (अन्तरिती)

को यह कुमना बारी करके गुव्हेंकर कम्पत्ति से वर्षण से हिल्ला कार्यवाहियां करका है।

क्कर सम्मति के सर्वन के संबंध में काई की बाबीर र----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी ब्यक्ति ध्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजयत्र में प्रकाशन की सारिक के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हित्बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्तक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पध्दीकरण : — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

पलेट तंत 4, जो. अल्ला अलाई मेंट, 2शी मंजिल, 124/126 बालेस्बर रोड, बम्बई-6 में स्थित है।

अनुसुची जैसा कि कि० सं० अई-1/37ईई/7991/85-86 फ्रीए जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 22-10-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (मिरीक्षण) अर्जन रेंज, बस्बई

ारी**ख** : 10-6-1986

मोहरः

क्षम् भाषां हो तुन एक , व्याप्त व्याप्त

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की शहरा 269-क (1) के मुधीन सुक्ता

शारत बरकार

कार्यालय, सहायक धायकर धायक्त (निरीक्त्र) अर्जनरें ज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 जून, 1986 শিदण सं० अई-1/37ईई/8434/85-86—— अतः मुझे, ए० प्रसाद,

ाधकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें भ्रमके पश्चात् 'उक्त अधिनियम,' कहा गवा हैं), की भारा . 59-ख के अधीन, सक्षम प्राधिकारी को यह विस्तास करने का अर्थ है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृष्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

चाए जिसका सं व यू (भट नं व 13, जो, न्यू सभ मिल्स कम्पनी प्राव हैन व नित्र माले हिं, सन मिल कमाराउण्ड, लोअरनरेल, चन्त्रई-14 में स्थित है (प्रांत इसमें उपाबद अनुमुची में प्रौर पूर्ण कर के विश्व है), प्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनयम, 1931 की धारा 269 कख के अधीन, बम्बई सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 17-10-1986

का प्वांकत संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के ध्रथमान का कि का बंतिरत की गई है और मृभ्ने यह विश्वास कारने का कारण है कि स्थाप्नोंकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृद्ध, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह भद्दे प्रतिशाश से अधिक है और अंतरक (अन्तरकां) और अंतरिती अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रात्मल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में गुस्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क्ष) अशाहक सं हुए किसी नाम की नानक, उक्स अधिनियम के अप्रीक्ष कर वाने की अकारक की दाशित्य में कनी करने या उससे नजने में चुनिया के लिए; और/या
- ्था, स्ती किसी नाव या किसी भन या अन्य आसित्वों को, जिन्हु भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अभिनियम या भन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुनिधा को जिए;

अप्तः अब , उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण क्षों, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ज को उपधारा (1) को अधीन, निस्निसिस व्यक्तियों, अधीत ु⊶

- (1) श्री आई०एस० चाबला श्रीर अन्य। (अन्तरक)
- (2) मेसर्स बालकृष्ण सेल्स एजेन्सी (अन्तरिती)

को यह तुचना जारी करको पूर्वोक्स सम्मत्ति को अर्जन को लिए कार्यशाहियां करता हुं।

उनत सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर भूषा की तामील से 30 दिन की नवीध, जो भी अवधि नाव में समाप्त होती हो, के भीत्र पूर्विक्त स्वविक्तमों में से किसी व्यक्ति पूर्वारा;
- (क) इस स्वना के रावपन में प्रकासन की तारीय वें

 45 दिन के भीतर उथत स्थानर संपृक्ति में द्वित्रवृष्ट किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिक्ति में किस् जा सकों में।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया मृक्ष हैं।

जगुमुची

यूनिट नं० 13, जो, तल माला, न्यू सन मिल्स कम्पनी प्रा० लिं० के तल माले में घम मिल कम्याछण्ड, लोखर परेल, बम्बई 13 में स्थित है।

अनुसुची जैसा कि ऋ० सं० अई-1/37ईई/7942/ 85-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 17-10-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (भिरीक्षण) अर्जनरेंज, बम्बई

तारीख: 10-6-1986

म्‱र:

प्रक्ष आर्थ . ही . इन . पुस . -----

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) को भारा 269-घ (1) को बभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षक) अर्जन रेंल, अम्बई यम्बई, दिलांड 10 ज्ल. 1986

निदेश सं० अई-1/37ईई/8185/85-36-- अतः मुझे, ए० प्रताद.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' बहा गया है), को धार 169-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह दिश्याप कार है कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार महा वाजार मृह्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर विश्वती मं ० पलेट नं ० ८०३, जो, इठा मंस्टिस वी-विग, भुर्य अन्तर्देमेंट को ०-आग० हा इसिंग से द्वावटी लि ०, 53, वार्डन रोड, वम्बई ८० में न्थित है (जो पड़ाने एउपावद अनुसूची में श्रीर पूर्ण कर से बिणार है), प्रीति विश्वता एउपार-नामा आयत्तर अधिनियम, 1961 की धारा 269 जख के सधीन वम्बई स्थित प्राधिकती के तकीवन में प्राप्तिही है तारीख 22-10-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति है होगा हाई। हुए से एक हा स्वार करने प्रतिकल को लिए बन्तरित की गई हो के कुछ हुई देई दिस्ताल करने का कारण है कि यथा पूर्वोकत सम्तित का डिल्ट्स प्रतार मुख्य, उसके स्वयमान प्रतिकल से, गाँवे व्यामान प्रतिकल के के हैं है प्रतिकल से अधिक है और संतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितिकों) को बीच होने अंतरण के निष्क क्ष्म से अधिक है को स्वार के निष्क का साम है कि साम का साम है कि साम से अधिक एक्टों किया गगा है कि साम से अधिक एक्टों किया गगा है किया

- (क) जन्तरण स हुइ किसी सम्ब ा बाबत , इंक्ट जिथिनियम के कार्यन कर तोर के उन्तरक की वायित्व में कमी करने या तक्यों यजने में अधिका के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी बन ता अन्य वास्तियां कां, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 19?? (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का अनकर अधिनियम, का अनकर अधिनियम, का अनकर अधिनियम, कि अनकर अधिनियम, कि प्रांचनार्थ जन्ति द्वारा प्रकट नहीं किया तथा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के निए:

कतः कर, उस्त हर्शितिकः कः ततः १८०-४ क्षे अवस्कतः मी, मी उपः यश्मितिकः कौ भारा २६९-५ की स्पनारः (1) % अर्थानः निकासिक्त व्यक्तियों, अर्थात् ह—

- (1) श्रीमात ए(मला वेप एप० नहार श्रीए जन्य। (अन्तरः)
- (2) और देहमगुल्या इस्माईता उटेल फ्रीर अन्य। (अन्तरिती)

को यह सूचना भारी करके पृत्तीकर सागीत के सर्थन के शिक्ष कार्यशास्त्रिया करता हो।

ए हा अपने प्रभावन की अबाद मा कांड्र भी नाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर जना की निर्माल के उठा दिन की अविधि, जो भी अधि काद के समान्त हलेती हो, के भीतर पूर्वीका प्रांतिकों के विकास के विकास स्वाप्त हलेती हो, के भीतर पूर्वीका प्रांतिकों के विकास क्षेत्र ह्वारा;
- (अ) इश सूचना क राजपत्र में प्रकाशन की तारीख क 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिसबहुक किती अन्य व्यक्ति इतारा अभोहस्ताक्षरी के पास व्यक्ति मा किए जा सकति।

स्पर्धावरणः -- प्रत्यो अव्या शब्द वोद पर्दो का, जो उक्त पर विक्रम, के अध्यक्ष 20-क में परिभावित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गर्भ ही।

अन्सची

पलेड नं ० ५००, नि, ८ठी मंजिल, वी-धिम, सुर्य अवार्ट-मेंटस, को ०-छत्प ० ह. प्रतिकारी पाइटी जिं०, 53 वार्डन रोड, कन्सर-३० में रेका है।

अनुसूची केंद्रा केंद्र कर ते । सदी /37ईई/7992/ 85-86 की केंद्रिश आदि करों, सम्बद्ध द्वारा विमांक 22-10-1935 की किस्सुई जिसा गया है।

> ्० प्रसाद समस्प्राधि गरो सहस्य राजासको स्थापक (सिरीसणा) अर्जस रेंज, बस्बई

ए। जीख : 16-6-1**98**8

मोहरः

प्रकप् कार्यः ३१. ६६. एसः न्यः

अग्रकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-क (1) के स्भीट सूचना

शारत बच्छार

कार्यावय, सहायक वायकर आध्वत (विरीक्षक)

अर्जनरेंज, बम्बई अम्बई, दिमाक 10 जून, 1986

निदेश मं० अई-1/37ईई/8441/85-86-- अन: मुझे, ए० प्रमाद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इत्में इसके वश्वात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-इ के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का इति है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रहा से अधिक है

श्रीर जि.को स० पलैट नं० 3, जो, तल माला, इमाप्त-उद्यान दर्शन, समानी रोड, प्रभादेवो, बम्बई-25 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप स विणित है), श्रीर जिसक करापतामा आयकर अधिन्यम, 1961 की धारा 269 तख के अबीए, बम्बई स्थित प्रथम प्राधि-कारी के कार्यालय में रिष्ट्री है वारीख 17-10-1985

को पूर्वोक्त सम्मित के उचित नाजार मूल्य से कम के स्थ्यमान प्रितिफल के सिए मंतरित की गई है और मूके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित नाजार मूल्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफल से, एसे स्थ्यमान प्रतिफल का स्वेह प्रशिक्तत से किथक है जौर जन्तरक (जन्तरकों) और अन्तरिती (जन्तरित्यों) के दीच एसे जन्तरक के निए तय प्रथा गया शितफल, निम्मितिश्वित उद्दर्श्यों से उनत अन्तरण जिल्कित है जास्त्रिक क्य से किया गया है :---

- (क) एंसी किसी जाय या किसी भन या जन्य जास्तियां का जिल्हें भारतीय नाय-कार विभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त व्यभिनियम, या धरं कर विभिन्यम, या धरं कर विभिन्यम, 1957 (1957 का 27) वे प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया का या किया जाना चाहिए था. जिल्हों दे सुनिया के लिए;

बक्षाः जय, उपत वीधीनयम की धाल 269-ग के बनुसरण में, मैं: उपत विधिनियम की धारा 269-ग की उण्भारा (1) के बचीश, निकासिवित व्यक्तित्वों, ज्ञाति क्ष--- (1) भत्सं फेरानी डिवलपर्स ।

(अन्तरकः)

(2) श्री प्रभाकर जीव पाथारे और अन्य।

(अन्तरितो)

को यह स्वना जारी करके प्योंबत सम्पत्ति के वर्जन के निष् कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के सर्वन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस म्बना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिस की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सबना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जविधि बाद मा समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वीकरा गरिकत्या म से तिसी व्यक्ति बुवारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच वें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधाहस्ताक्षरी के पाद्ध जिलाका मा निर्माण सकेये।

स्वयद्योकरण:—हसमें प्रयुक्त शब्दा जीर पहाँ का, थां उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं. अही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया नगर हैं।

अनुसूची

फ्लेट नं० 3, जो, तल माला, इमारस उद्यान **ादर्शन,** समानी रोड, प्रभादेवी, बस्बई-25 में स्थित **है।**

अतुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-1/37ईई/7954/85-86 ग्रार जो पक्षम प्राधिकारो, अम्बई द्वारा दिनांक 17व10च85 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद यक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर **प्रा**युक्त (निर्राक्षण) अ**जै**त **रेंज, बस्बई**

मारीख: 10-6-1986

धक्य बाह्र . टी. एव. एस. --

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-प (1) के वर्धीत स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहादक आयंकर आयंक्त (निरीक्षण)

अर्ज भ रेंज, बम्बई बम्बई, दिनां रु 10 जून, 1986 निदेश सं० अई-1/37ईई/8549/85-86-- अतः मुझे, ए० प्रसाद,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त आधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के सभीन सक्षम प्राधिकारी को यह निष्नास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी मं० पलेट न० 18 जो अर्ग मिल्ल, स्तराईत इमारत, 78-बेबी योड, वर्ली, बम्बई-18 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुभूची में ग्रीर पूर्णच्य भे विणित है) भीर जिसका करारतामा आयकर अधिक्यिम, 1969 की धारा 269 कख के अधीम, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 29-10-1985

को पृथानिक सम्पत्ति को उपित बाजार शृस्य सं कम को दश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित को गई हो और मुझे यह विश्वास करने का कारण हो कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति को उपित राजार बृक्य उसके स्थ्यमान प्रतिफल से एसे स्थ्यमान प्रतिफल को स्थाप को स्थाप को स्थाप को स्थाप को स्थाप को स्थित स्थाप को स्थित स्थाप को स्थाप को स्थाप को स्थाप को स्थाप को स्थाप को स्थाप की स्थाप को स्थाप को स्थाप की स्थाप

- (क) वन्तरण संहुई किसी शायकी नावत, उक्स विभिनियम के जभीन कर दन्ते के सन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे वचने में सुविधा वे निष्; औह/वा
- (क) एसी किसी जाय या किसी भन या प्रन्य आस्टियां को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधितिसम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज नार्थ अस्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया का या किया जाना बाहिए था, छिपाने मो मुन्यित क निए:

जितः गर्वा, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुमरण को, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (१) के बुधीं ृिनिम्निजिदिष व्यक्तियों. अर्थास् :---

(।) श्रो चन्दूर्यू० थडानी।

(अन्तरक)

(३) श्रीमति श्रेमलताबी० खांडके ग्रीपश्रीमति हेमलता एस० कंबल ।

(अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के बर्डन की जिल्ल अर्थनाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी बाक्षेप ६--

- (क) इस सूचमा के राजपणी में प्रकाशन की तारीख ते 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों प्र तृष्णा की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हा, के भीत्तर पूर्वोक्त व्यक्तियों में ही यि.सी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास निविद्य में किए जा सकींगे।

स्पट्टीदरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गवा है।

अनुसूची

पलेट नं० 18, जो, 3रो मंजिल, सनसाइन इमारत, 78-बी, डा० एनी बेसेंट रोड, बरली, बम्बई#18 में स्थित है । अनुसूची जैसा जि ऋ० मं० अई-1/37ईई/8052/85- अगजनुची कुऋो। जिल्दाण्य सच० अईबा/37ईई/8052/86 ब्रो: जो पक्षा पाधि जरी, बम्बई डारा दिनांक 29-10-85 को रजिस्टई किया गया है।

ए०प्रसाद **सक्षम प्रा**धिकारी स**हायक आयकर** आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, बम्बई

तारीख: 10-6-1986

LOW STY OF UR IN

ार्यास भ' नियम (१९६० (१९ १ तर ४२) को रू. १,१ इ. १ स्वर्ध करा

VIET STATE

हावानन, न्या मलदा का का (fotters)

ूर्ज , त्य^{चर}

बायर्ड, दिशास 10 1983

निदेश स० अई- 1/37-ईई/83 '7/25-8 --- मुझे, ए० प्रमाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसम इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गगा है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम पाधिकारी हो, यह विद्याह करने का कारण ह कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मन्य 1 00,000/- र से अधिक है

ग्रारिन ती सार पलेट सर 77, जो लि मिन से हारा-एच, बा, 5, वक्षे रेवल भेषा उकारेड वार्यों में स्थित हे (ग्रार इन न डावड अन सुची से ग्रांग पूर्ण का पर्वात हे), ग्रोर कि ना उरारतामा प्रायक्ष कि स्माप्त पर्वात की धारा 269 क्या के अधीष तम्बई स्थित अस प्राधिकारों के प्रांलय मे रजिरद्री है, दिशा 10-10-1985,

को प्रोंक्त मम्पत्ति के उचित बाकार पत्य सान मा ता प्रयान वित्तिफल के लिए अन्तरित की गई है और नुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफत का खंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) गृंद अति की अला रात्यों) के बीच एसे अंतरण के लिए तर राष्ट्रा की अला रात्यों। के बीच एसे अंतरण के लिए तर राष्ट्रा की अला निम्निचित उद्देश्य में उक्त नत्रण कि प्रांत का स्थार है।

- (भ) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त करि नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक व राधिक - अमा करने भे असे वर्ष भ । भ ।
- (ख) एसे किसी आय गा किसी धन पा न ग न पास्तर तो, जिन्हों भारतीय नायवर विधानवर १०८१ (1922 का 11) या उक्त कार्णालयक, ४० धन-कर अधिनियम, १६७० वर्षा के प्राप्तनाथ अन्तरिती इनारत १००१ किया वर्षा

क्ष. वब, उक्त अधिनियम की भाग 264-र ने अनगरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा इ. अर्थ . निम्हिन्दिश क्षित्रमें, बर्मात् हे

- () । तिमाद प्राफ पार शीमत सम्ता यूस्फ (त. १९ लॉम्- ट्रस्ट)। (२०--)
- () । हा । हा विकास (अन्त्राती)
- (३) भाको।

(प्रह्मांकिः पिनके अधिभोग में म ति है)

(4) रिडर र उद्भलेशिमें स्विनयं प्राइवेट लि० (व व्यक्ति, मिके बारे में अधी-साम्परी अना है कि बह सम्मति में निवन है)

त यह भच्या पर्व रङ्गान र प्रशासिक स्वान के लिए भागिता भर करता हो।

जनव सम्माःत के नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप .--

- (क) इस सूचना के राजपत्र म प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सकता की तामील में 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद सें समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंकत स्वित्तरों के ने किसी व्यक्ति दवारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन के भीतर तकत स्थावर संपत्ति में हिन- बद्ध किसी जन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखन में किए जा सकती।

स्पटीकरण:—इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्यान 20-क मे ारिभाषित इं. वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया

प्रनुम् बी

पलेट स० 72 जो, 7वी मजिल, मेनर टावर "एच, इलाड़ 5, बाने रेक्ला, राम, प्रोड, वम्बई मे रिश्वत है। मनुद्धी जै रिक्र० स० अई-1/3/-ईई//841/85-८ रार पो स्क्ष्म प्राधि, री वम्बई द्वारा रिका 10-10-1985 पो रिक्रटई रिया गया है

> अ० प्रसाद सक्षम प्राधिजारी स्टायण आगकर शयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेजना, वस्वई

39 - 1

मोहर '

The state of the s

中門 网络沙丘门姆 经企业

अन्य विधित्तवस् । 1961 (1961 का 43) की शासा ।
 269-व (1) वा अधीर सामा

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

যজিন উটা, বসাচী বন্ধারি, বিচারি গ্রুড়ার 1936 দিবলৈ বাঁও আই-1/375ই/2073/85-39—সভা

मुझे, ए० प्रसाद,

ग्रीर जि.की सं विशेषिण पूर्ति गं 23., बो, उरी मंत्रिल, अध्यार इन्डॉन्ट्रवा इन्हेंड, ता विल उप्पाइण्ड लोखर परेल, बन्धई-१० में व्यित है (बोर इएते प्रश्वक अनुसूची में बोर पूर्वका जिल्लिक है), योर विरा प्रकार समा आयार बोबाक्सम, १००० की देश १००० उन विश्वपाद सम्बद्ध स्थित स्थाम प्राचित्राकी के विश्वति से विस्तृति है सारील 30-10-1905

प्रिं प्रशेषिक सम्पत्ति के लिएन हाएगा पूजा ने तम ने अस्तमान विकास के निए जंतरित नी गर्रा है और एक धन रिकास फारते का कारण है हुए अधारतित देते हैं और एक धन राजा । प्रत्या, जनक दूरा है निक्क प्रतिकास से जो बाद है और इंडाइन (क्रायमां) को एक मान (बन्दरित्यों) के एक एक का प्रतिकास का अधारक विकास प्रतिकास, निरमित्रिक्ष अनुस्थान में असा अधारक विकास भीवसास, निरमित्रिक्ष अनुस्थान में असा अधारक विकास भीवसास के सामक्षित एक में किया करा है

- (क) अंतरण से हुई किसी जाय की बाबत. उक्त किए-नियम को अधीत कर दाने को बंतरक के दाधित्व में कभी करने था उससे बचने में स्विधा के निए; खर/का
- (क) एमी किया गार था किसी घम दा तथ प्रास्तियों र कि स्वयं अवस्ति अस्ति क्षां क्षां विद्या या घन-रिट्र अव ११ था उक्त कियामस्य, या घन-र १९६० वा १८० वा १८० व्या प्रयोजनार्थ अंदरिकी इवारा प्रकट नहीं किया गया था दा किया जना मारिए था, कियाम में क्षां क्षां के लिए।

बत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 260-ध की उपभाग (१) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--- (1) भिसं हो हो जा

(अन्तरक)

(2) नेदर्स (य प्रशाम प्रिटिग प्रेन ।

(अन्तरिता)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवादियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) का सूचना के शाजपत्र में प्रकाबन की तारीच के 45 विन की जनिध या तत्सम्बन्धी न्यक्तियों गर सूचना की सामील से 30 दिन की जनिध, जो भी जनिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर निष्टी नगीका हतारा
- (क) ६३ सूचना कं तालपभ मं प्रकानन की तारी है के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास जिल्हि में किए वा स्केंचे।

न्यक्षिकर्गः — वसुमें प्रगुल्त तस्यों भीर पदों का, को उद्य अधिनियम के अध्याद 20-क में परिभाषित हैं, नहीं अर्थ दोगा को उस अध्यास में विद्या सवा हैं:

जनसूची

श्रोधोगिक यूनिट नं० 336 जो, 3रो मंजिल, अध्यार इन्डरिट्रयल इस्टेंट, सन मिल अम्पाउण्ड, लोअर परेल, बम्बई-13 में स्थित है।

अनुसूची जैया कि कर सं० अई-1/37ईई/8074/85-86 ग्रोरजो अक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विराक्ति 30-10-985 को विस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधि नरी सहायक आयकर ायुवत (भिरीक्षण) अर्जन रेंज-I, बम्बई

वानिव: 10-6-1986

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, बहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) ध्रर्जन रेज~I, बम्बर्ध बम्बर्ड, दिनांक 10 जून 1986

निर्देश सं० अई-1/37ईई/8572/85-86—-अत: मुझे, ए० प्रसाद,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायन संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीप जिसको मं० पलेट नं० 4, जो, तल माला, दालामल कोर्ट, दालामल को०-आप० हाउमिंग मोनाइटो, 7/18, वरलो मो फीम, अब्दुत गफारखात रोड, बम्बई-18 में स्थित हैं (श्रीप इसमें उपावड़ अनुमूचों में श्रीर पूर्ण रूप में विणित हैं), श्रीर जिमाल प्राप्तामा आयहप अधिनयम, 1961 की धारा 269 एख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है। तारीख 30~10~1985

को पूर्वेक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके १९१यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में आस्तरिक रूप में किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; लीर/धा
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कों, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) क प्रणाजनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना श्राहिए था, छिपाने में सविधा के लिए।

बत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुमरण थं, माँ, उक्त एपिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के बचीन किक्किक स्वित स्वति स्वति स्वित स्वित स्वति स्

7-166 GI/86

(1) श्रो एख० बी० सिहोर्स ।

(असार्क)

(2) भेपर्स राजेश माल्वेण्यल्स प्राठ लिए।

(अन्तिति)

(3) अन्तरितियों ।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्भक्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिइ कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वार;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र ं प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भौतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति दुवारा, अधाहस्ताक्षरी के पास निक्षित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—-इसमं प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन् भृची

फ्लेट नं० 4, जो, तल माला, दालामल कोर्ट, दालामल को०-आप० हाउमिम सोनायटी , 7/18, वर्गी मी०फेप अक्टून गफार खान रोड, बस्बई-18 में स्थित है।

अनुसूची जैमा कि ऋ० सं० अई-1/37ईई/8073/85-86 सौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा विनाम 30-10-1985 को रिनस्टई गिया गया है।

> ए० प्रशाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयाजर आयुक्त (निरीक्षण) स्रजैन रेंज, बस्बई

तारीख: 10-€-1986

मोहर

प्रक्य वार्षः टी. इन . **एस** ..-----

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के वभीन सुचवा

भारत सरकार

कार्याराय, सहायक जायक र वायुक्त (निरीक्ज) अर्जन रेंः:मा, बस्बद्ध

बम्बई, दिनांग 10 जून 1986 निर्देश सं० अई-1/37ईई/8581/85-86—अन. मुझे, ए० प्रशाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें प्राचात् 'उक्तं अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के सबीन सक्ष्य प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाप्य गंगीस जिल्लाका उचित वाजार मृत्य

1.00,000/- रा. में अधिक हूं ग्रोप जिल्ली संव फ्लेट नंव 35, जो उसी मंजिल विकास-असर्टमेंटन, गोलले रोड, (दक्षिण), दादर, बस्बई-28 में स्थित है (श्रीर इसने उस्तब्र अनुसूचों में श्रीप पूर्ण रूप संवर्णि है), श्रीप जिल्ला असरकामा अधकर अधिन्यम, 1961 को धारा 269 एख के अधोन, वस्बई स्थित सक्षम प्राधि नरीं र सर्यालय में प्रिस्ट है। तारीख 31-10-85

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए उन्तरित की गई है और मूझे यह विस्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उमके स्थमान प्रतिफल से ए'से स्थमान प्रतिफल का गंग्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ए'से अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिक्ति उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिकित में सास्त्विक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अलग्य स हुई किसी बाय की बाबत, उक्त प्रधितियम के अभीन कर दोने के बंतरक के दावित्य में कसी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; आर/वा
- (च) एसी किसी बाय या किसी भन या अन्य आस्तियों फो, जिन्हें भारतीय आयंकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अभिनियम, या के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया का या किया जाना वाहिए था, फिपाने में सुविधा भी सिस्;

जत. जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को, की. उपत अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) को नधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् :---

- (1) कुमारी आशालना आए० तेड्लिक्ट। (अन्तर्क)
- (2) श्रीम चित्राती विजय आडाएकर ग्रांर श्री विजय ए० প্রারেকে ।

(अन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हो।

जबह सारित के वर्षन के संबंध में कार्य भी बाबोप उन्न

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की जबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सुचना की तामीन से 30 दिन की बबिध, जो भी नविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्छ खबितवों में से किसी व्यक्ति इंगारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीक थे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबब्ध किसी बन्य विक्त द्वारा अधोहस्त्याक्षरी के पास लिक्ति में किए वा सकोंगे।

स्पष्टिकरण:---इसमें प्रभुक्त कब्दों और पक्षे का, जो उक्त जिथिनियम, के जध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिधा क्या हैं।

अमुस्ची

फ्लेट न ० 35, जो, अशी मंित, विक्रम अपार्टमेंटम, गोखले रोड (दक्षिण), दादर, वस्क्रई-28 में स्थित है। अनुसूची जैगा जि क० मं० अई-1/37ईई/8082/85-86 श्रीप जो सक्षम प्राधिकारो, बस्बई हारा दिनांक 31-10-1985 को प्राधिकारों किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सह्य क्षिपक्रमायुक्त (निरीक्षण) सर्जन रेज—ा, क्रकाई

तारीख: 10-6-1986

शक्य आहे.. ही.. एम्.. पुष्क = -- •

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ को अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जभ रेंज-I, बम्बई बम्बई, दिनांक 10 जूः 1986

भिवेश सं० अई-1/37ईई/8533/85-86---अत: मुझे, ए० प्रसाद,

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रथात् 'उक्त मधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के नधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजास मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

क्रींग जिनकी से पर्लंड ने 605, जो, 62ो मंजिल, इमाधा उद्यान दर्शन, रयानी रोड, प्रभादेखी, दम्बई-28 में स्थित है (प्रीरादमस उपाबड़ अनुसूची में प्रीप्त पूर्णक्य से बर्णित है), प्रीप्त पितान उपायतमा आयक्त अधि-नियम, 1961 की धारा 269 क्या के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिस्ट्री है। कारीख़ 29-10-1985

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य स कम के रहसमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गर्द है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापृशेंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके रहसमान प्रतिफल से एसे व्यथमान प्रतिफल का मन्द्रह प्रतिचत से अधिक है और बंतरक (बंतरकों) और बंतरिती (अतिरितियों) के वीच एसे बन्तरण के निए तय पामा ज्या प्रति-फल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण सिक्ति में बास्तिकिक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) बन्तर्भ संहुई किसी बाय की बाबत उक्त बहिय-नियम से बभीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कभी करने या उत्तर्ध बचने में सुविधा के जिए; बहि/पः
- (क) ऐसी किसी बाब या किसी धन वा सन्य बास्तियों का, जिन्ही बारतीय कायकार विधिनियंत्र, 1922 (1922 का 11) या उच्छ विधिनियंत्र, वा धूबंद कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था का किया जाता चाहिए वा, छिनाने के बृत्यि। वे बिहा:

बतः स्व, उत्तर वीशीनवन की नाडा 269-म वी अनुवर्भ में, में, उत्तर अधिनियम की धारा 269-म की उपभादा (1) कुं अधीन, निम्नसिखित स्यक्तियों, अधीत ∴--- (1) मेपर्स फेरानी डेंग्लोनर्स ।

(श्रन्सरक)

(2) श्री इकबाल मारा श्रीर अन्य।

(अन्धरिती)

को बहु बुषना बारी करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्णन के लिए कार्यवाहिमां करता हुं।

वक्त बम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की जबिथ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की ताबीन से 30 दिन की विविध, को भी अवधि बाद में स्वाप्त होती हो, को भीतर प्रामिक व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब है 45 बिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिल- बब्ध किसी बन्य स्थाबत बबाय, अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए वा यक्षेत्रे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभागित हैं, वहीं अर्थ होंग जो उस अध्याय में दिला गया है।

अनुसूची

फ्लैंट नं० 605, जो, 6ठी मंजिल, इमार: 'उद्यान, दर्शन, स्थानी रोड, प्रभादेती, बस्बई-28 में स्थित है। अनुसूची जैसा कि फ्र० मं० अई-1/37ईई/8036/ 85-86 ऑंप्रजो [सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिनांक 29-10-1985 को रुजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद नक्षम प्राधिकारी सहायक आयणर आयुक्ः (निरीक्षण) अर्जन रेंज-•, बम्बई

नारीख: 10-C-1986

माहर:

क्षण आहैं है है स्मृत प्राप्त — यायकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

बाउच् अअच्छा

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-4, बम्बई
बम्बई, दिनांक 10 जून 1986
निदेश संघ अई-1/37ईई/8274/85-86-- श्रतः

मुझे, ए० प्रसाद,

णायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हूँ), की धार 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मन्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रोप जितको मं० फ्लॅट नं० 72, जो, इमापत नं० ए, सी लार्ड जपार्टमेटस, 117, लफ परेड, 7वी मंजिल, बम्बई-5 में स्थित है (श्रीप इससे उपाबद्ध अनुसुची में श्रीर पूर्णरूप संवर्णित है), श्रीप जिसका करारनामा श्रीयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम श्राधिकारी के कार्यालय में एजिस्ट्री है। तारीख 7-10-85

को प्वेंक्त सम्मन्ति के उपित बाजार मृत्य ते कम के स्वयमान अतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुम्में यह विद्वास करने का कारण है कि यभाप्नोंक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रांतक्षत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित अं बास्तिक रूप से किथात नहीं किया नवा है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की धावत, उसते विशिषम के वधीन कर दोने के अन्तरक के वाजिए में कारी करने या उसते अपने में वृधिका के लिए; जीर/वा
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी भन या अन्य जास्तियों की, जिन्हें भारतीय जायकर जिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिन्हें किया गा धन कर अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खियाने में सुविधा के लिख;

सतः सव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अमृसरण कों, में, धक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) को अधीर ित्रप्रिक्षित व्यक्तियों अर्थात् :---

- (1) श्री जगदीश चन्द्र प्रहलाद दास पमारी । (अन्तरक)
- (2) श्री विष्णु कुमार एच । भीमराजका ग्रीर अन्य। (अन्तरिती)
- (3) अन्तरितियों। (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति हैं)

की यह स्थना चारी करके प्योंक्त सम्पत्ति के अर्थन के निय् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सक्यति को कर्णन को सम्बन्ध में कोई भी जाक्षीय .---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच ते 45 दिन की जनिंध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पड़ तूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में साध्यान स्थित द्वारा;
- (ब) इस सूचना को राजपण में प्रकाशन की तारीं श्रें 45 विन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य स्थावत द्वारा, स्थाहस्तासरीं को पास लिखित में किए वा सकोंगे।

स्पव्यक्तिहरू : -- इसमें प्रयुक्त कर्कों और पद्यों का जो उक्क्ष् अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं कर्थ होगा जो उस अध्याय में दिशा गया है।

अनुसूची

पर्लंट नं ० ७२, जो, इमारत नं ० ए० सी० लाई श्रपार्ट मेंटस, ११७, कफ परेड, बम्बई-5 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि० सं० अई-1/37ईई/7791/ 85-86 आंप जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई हारा दिनाक 7-10-1985 को प्रजिस्टई किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्र आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज-I, बस्बई

सारीख: 10-6-1986

प्ररूप नाई. डी. एन. पुरुख्------

नावकर विधितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के जभीन सूचना

भारत बरकार

कार्याक्षयः, तक्ष्मयक आयकर व्ययुक्त (निरीक्षण)

अर्ज भरें ज,-बम्बई

बग्बई, दिनांक 10 जून, 1986

भिवेग मं० अई-1/37ईई/8221/85-85-— श्रातः मुले, ग्०प्रमाद,

भायक र अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, वह विक्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिस्का उचित बाजार मृज्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भ्रीए जिनकी संव पलैट नंव 2, जो, 1 को मंजिल, इमान्त नंव 5, सोव एसव नंव 868/1/868, बरली डिबीजन बस्बई में स्थित है (श्रीर इसने उपबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्वेष्ट्य से बिणा है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 को धारा 239 क्ल के अधीत, त्म्बई स्थित अभि श्रीष्ट जरी के नार्यात्रय में राजिस्ट्री है। कारील 1-10-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार बृत्य, उसके क्रयमान प्रतिफल से एसे क्रयमान प्रतिफल का पढ़ प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (बन्तरितियों) के बीचा एसे बन्तरण में लिए तय पाया गया प्रतिकात निम्निक्षित उक्षेयेच्य से उच्त अन्वरण निम्निक्त में धास्तिक रूप से कथित नहीं क्रिया गया है :—

- (गि) अन्तरण से हुन्द किसी शाय की वायत, उन्तर निवस के अभीम कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कसी करने या उसते बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ल) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

शतः अस, उस्त जीधीनयम की धारा 269-ग के बन्सरण में, मं-, उसस जीधीनयम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन मिक्सिसिक क्षामितमों. स्थान क्र— (1) बी० बाय बिल्डर्स प्रा० लि०।

(अन्धरक)

(2) श्रीमिति ज्ञिलोचिता के० दोशी श्रीट श्रीमिति एस० शहा।,

(म्रा≒िश्ती)

को यह स्चना जारी करके प्वेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र मा प्रकाशन की तरिक्ष के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य क्यक्ति द्वारा अक्षेहस्ताक्षरी के पास तिबद्ध में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकर्ण:---इसमे प्रगृथ्त शब्दों और पदो का, जा उक्स अधिनियमः, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ हांगा जो उस अध्याय में लिया गया है।

अनुसुची

प्लौट न० 2, जो, 1 मिलिन, इसारिन नं० 5, सी० एय० नं० 868/1/868 वरली क्विंजिल, बस्बई में स्थित है।

अतुसूचो जैया कि कर्ष मंद्र ऋई-1/37ईई/7739/ 85-96 श्रीर जो क्षिम प्राधिकारी, बम्बई हारा दिनांक 1-10-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी महासक आयक्तर झायुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज, बस्बर्ध

टार्राख : 10-6-1986

प्ररूप कार्ड, टी. एन: युस., ------

बायफर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की थारा 269-थ (1) के बधीन सुचना

भारत धडुकाड

कार्यालय, सहायक बायकर जायकत (निरक्षिण) अर्जन रेज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 जुन 1986

निवेश सं० अई-1/37-ईई/8277/85-86--अत:, मुझं, अ० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें इसके परपाल 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम शिभकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं ० फ्लैंट नं ० 902, जो, 9वीं मंठिक ग्रांर गैरेज नं ० 3, तल माला, समुद्र सेतु, भुलाभाई देपाई रोड, बम्बई-26 में क्थित हैं (ग्रीर इमसे उपाबढ अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विकास हैं), ग्रौर जिसका करारतामा आयकर अधियम, 1961 की धारा 269 कुछ के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्टी है, दिनांक 7-10-85

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित कीं गई है और मूं यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया नमा प्रतिफल, निम्नसिवित उद्वेश्य से उच्च अन्तरण निवित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया नया है —

- (क) शतरण सं हुई किसी बाय की बाबस, उक्त किमित्यम के कभीन कर दोने के अंतरक को दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और√या
- (ब) शंसी किसी आय या किसी धन या बन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय जायकर अधिन्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिथिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ जन्तरिसी ब्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए भा, खिपाने में सुविधा के लिए;

सतः सवः उक्त समिनियम की भारा 269-न से सनुसरम् वे, में उक्त अभिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के सभीतः, निम्टलिसित स्विक्तियोः, वभार क (1) श्री धरमिंदर जी० कपूर, संजीव डी० कपूर ग्रांर श्रीमती अंजनाडी० कपूर।

(अन्त्र ह्)

(2) में मर्स इंडा सायमन एजेसी।

(अन्तरितो)

की यह सूचना कारी करके पृथीक्त सम्परित के वर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हु।

उक्त सम्पत्ति के कर्णन् के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस त्वान के रावपण में प्रकाशन की तारीय है 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचन की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेतित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वार;
- (थ) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबब्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, अधेहस्ताक्षरी के शास लिखित में किये जा सकींगे।

स्पष्टीकरण :----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियमः के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा को उस अध्याय में दिय। गया है।

अन्स्ची

"पर्लंट सं० 902, जो, 9वीं मंजिल श्रीर गैरेज सं० 3, तल माला, समुद्र सेतू, भलाभाई देमाई रोड, बम्बई-26 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-1/37-ईई/7794/85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 7-10-1985 की रिजस्टर्ड जिया गया है ।

> अ० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयज्ञर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रोज~1, बस्बई

दिनां ह : 10-6-1986

हरू वार्<u>ष</u>्टी<u>, एन . एव .</u>::------

(1) मेयर्स फेरानी डेव्हलोन्स ।

(अन्त्रकः)

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा भारा 269-न (1) के निधीय सूचना

(2) श्री बसंग ही अनिकर श्रीर अन्य।

(अन्मिर्गि)

भारत परकार

कार्याजन, सहायक बायकर बायूक्त (विकासक)

अर्जभ रेज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 जून 1986

निदेश सं० अई-1/37-ईई/8454/85-86--अत: मुझे, अ० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें धूसके प्रस्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकरी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाचार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिनको सं पलैट सं ० 405, जो, 4थी मंजिल, श्रीर गैरेज मं ० 4, उद्यान दर्भन इमारत, सयानी रोड, प्रभादेवी, बम्बई -25 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबढ़ अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विजित हैं), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधितियम, 1961 को धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधि• कारी के कार्यालय में राजिस्ट्री हैं, दिनांक 21-10-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास अरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का जिलत बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल हो, एसे अध्यमान प्रतिक्रक का पन्नह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पावा गवा प्रतिफ ल्लीम्नलिखित उद्वेद्य से उच्ते अन्तरण किविक्त के वास्तविक रूप से कथित नहीं किवा गवा है क्रिक्न

- (क' अन्तरण वे हुई किसी आप की बाबद, उपक अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दामित्व में कमी अन्तर्गया उससे बचाने में सृविचा के सिए; और/या
- (क) एरेरी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन्न भनकर अभिनियम, या भन्न भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ उन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, स्थिपाने में सुविधा के सिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के दर्भक्ष, निम्नलिखित व्यक्तियों, अभीत्:— को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पर्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

अबत संपत्ति के बर्जन के संबंध में को**दंभी वाखेग**ः— र

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तिमों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वाय;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्भावर सम्पत्ति में हिल्बब्ध किसी जन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के वाल निष्ठित में किए वा सकोंगे।

स्वधाकिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम के अध्यान 20 के में परिभाषिक है, वहीं वर्ष होंगा जो उस अध्याय में विका यथा है।

नमृत्यो

क्लैट मं० 405, जो, 4थी मं तिल, श्रीर गैरेज सं० 4, उद्यान दर्भन इमारन, नवानी रोड, प्रभादेशी, अम्बई-25 में स्थित है। अनुसूची जैसा कि ऋ० मं० अई-1/37-ईई/7963/85-86 ग्रीर जो मक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिसाँक 21-10-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

अ० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी महायक आयक्तर आयुक्त (किरीक्षण), अर्जन रेज-1, बम्बई

दिनां ह . 10-6-1986

मोहर 🖫

प्ररूप आहें. टी. एन स.-----

क्याबर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की मा 269 व (३) के अधीन मुखन

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर अध्यक्त (निरीक्षण) अर्जन्द रेज-१, वस्वई

बम्बई, दिनां ह 10 जून 1986

निदेश सं० अई-1/37-ईई/8537/85-86-अत:, मुझे अ० प्रसाद,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके एक्टल (उक्त अधिनियम) कहा गया हैं, की नारा 260-ग के अधीन पश्च प्रतिपादी थीं, यह पिरवास करने का कारण हैं कि स्थावर ग्रंथित, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. सं अधिक हैं

श्रीर जितको सं ० वेशमेंट जी, 2 कार धारिण स्थेस के साथ इमारत, टर्फ बहुनू, हार्न बी वेलगाई, बरली, बस्बई—18 में स्थित है (श्रीर इसते उनावड अनुसूची में बार पूर्ण कर से बणित है) श्रीर जिला करारवामा आयार अधिनियम, 1961 की श्रीरा 269 क ख के अधीन वश्वई जिला अभाशाधारी के लायात्य में पिएटी है, दिनांक 29—10—85

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार शुक्य स कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए बल्तरित ही गई है और मुक्ते यह बिहवास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सस्पति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) बार अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय बाबा प्रतिफल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं पाया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आप या जिसी जन या अन्य आस्तियों (1922 का 11) या उस्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) अ प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया भारति से अधिन कर अधिन कर अधिन कर स्वीतर कर से क्या कर से अधिन कर से अधिन कर से कर से अधिन कर से अधिन

खतः मध, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण की, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभाग (1) ए प्रधीय, निम्मिलिक्त व्यक्तिकों, अर्थात :--

(1) ऑरबीट कारपारेगाः ।

(왕대자)

(2) विटेस ट्रेडिंग प्राइवेट लि०।

(अन्तरिती)

का यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के मिन्। कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त मध्यति को अर्जन को संबंध में कोई भी अक्षंप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख भी 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, खो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्योक्त प्रविचयों में ते विकती राष्ट्रित हुनारा:
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी कर्य 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाड तिस्ति में किए वा सकेंगे।

स्वव्यक्तिरण:--इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होंग जो तथ अध्याय में दिया स्रम है।

अन्स्ची

बेनमेंट जो 2 कार पाकिंग स्पेम के साथ, इसारत टर्फ व्हयू, इतार्की वेतार्ड, वरली, वस्वई-18 में स्थित है।

अनुसूची जैला कि ऋ० सं० अई-1/37-ईई/8040/85-86 श्रोर जो सदम प्राधि धरी, बस्दर्ध द्वारा विद्यांत 29-10-1985 क. रजिस्टर्ड िया गया है ।

> अ० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-1, बम्बई

दिनांक : 10-6-1986

प्ररूप आहू . टी . एन . एस . -------

निगम 1061 (1061 का 43) करी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिसंक 10 एन 1986

निदेश सं० अई-1/37-ईई/8575/85-86-- अतः मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उजित बाजार मूल्य 1,00,000/- रुपये से अधिक है

ग्रीर जियकी सं० फ्लैंट सं० 103, जो, पहली मंजिल, इमारत उद्यान दर्शन, स्थानो रोड, प्रभादेवी, बस्बई—25 में स्थित हैं (ग्री॰ इससे उपाबत अनुसूची में ग्रीर पूर्णें कर में वर्णित हैं),/ श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 को धारा 269 कला के अधीन बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में राजिस्ट्री हैं, दिनंक 30—10—1985,

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्ब से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिचात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयकी बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य बास्तियाँ को, जिन्हें भाररतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922) का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के निए;

अतः अव उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारार (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :---8—166 OI/86

(1) मेनमं फेराती डेव्हलीयस ।

(अस्तरक)

(2) श्रीमती भारता एस० २० ग्रीश अन्य

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की जविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सांपरित में हितबक्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वाररा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकों।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैंट सं० 103, जो, पहली मंजिल, इमारत उद्यान दर्शन, सयानी शेड, प्रभादेवी, बम्बई-25 में स्थित हैं।

अन्सूची जैमा कि ऋ० मं० अई-1/37-ईई/8076/85-९६ और जो सक्षम प्राधिकारो बम्बई द्वारा दिनांक 30-10-85 को रिज्स्टिई किया गया।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेजि—1, बम्बई

दिनांक : 10-6-1986

मोहर 🛭

शक्य बार्ड हैं , इन . एस

बाक्कर विश्वित्वतः 1961 (1961 का 43) की बारा 269-व (1) के बचीन स्थन।

ज्ञारत सरकार कार्यासय, सहायक आयंकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई बम्बई, बिनांक 10 जुन 1986

निवेश सं० अई-1/37-ईई/8237/85-86--अनः मुझे, ए० प्रसाद,

भायक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च को अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित आजार मून्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं० फ्लैट सं० !, जो, 5वी मंजिल, बान अपार्टमेंट, ए-इमारत, काशिनाथ धुरू रोड, बम्बई-28 में स्थित है (ऑप इसमें उपाबद्ध अनुभूची में और पूर्ण रूप में विणित है) /ब्रोर जिसका करारनरनामा आयकर अधिनियम, 1961 को बारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित मक्षम प्राधि वारी के नार्यालय में रिजस्ट्री है, दिनांक 3-10-1985,

की पूर्वीक्त रूप्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के हरायान प्रतिफक्ष के सिए अस्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार सुल्य क इसके दरयमान प्रतिफक्ष से, एसे दरयमान अतिक अस्त पस्द्रह प्रतिशत से अधिक है और मंतरक (अंतरकों) और लेख-दिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे मंतरण के लिए तम पासा गरा प्रतिक्रम निम्मुकिस्ति स्कूबिय से उक्त भंतरण सिकित के वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) बुस्तरण ते हुई फिसी माथ करें बाबत . हराहर बीचित्रवा के बुधीन कर दोने को अन्तरात के वास्तिक में कभी करने या उसमें अवस्थे के पूर्वण : के बिद्ध: ब्रिटिश्वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय नायकर अधिनित्म, 1922 (1922 को 11) या अक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, स्थितक वे सुविधा के सिए;

बत् बब, बब्त अभिनियम की भारा 269-ग के अन्मरक में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन. निम्मलिसित व्यक्तियों, अधीत :—— (।) श्री सूभाष वि० कामध ।

(अन्तर्क)

(2) श्रीमनी निराम और भोगों श्रीप सन्य । (अन्तरिती)

#ां यह सुखना जानो करके पूर्वीवत संगिक्त के अर्थन के लिए कार्यगाहियां शुख्य करता हो।

अबस सम्प्रांतर के कर्णन के कागत्व हो और भी साक्षेप .

- (ल) इस स्वना के राजपत्र में एकाशन की शारीब से 45 दिन की व्यविध एक तरसम्बन्धी व्यविदायों पर स्वना की ताबीस से 30 दिन की व्यविध, जो भी अविध नाम में स्वाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तिया में से किसी व्यक्ति हुनारा;
- (क) इस स्कता के राजपण मो प्रकाशन की तारीब स् 45 दिन के भीतर उसत स्थावर सम्पन्ति में द्वितवर्ध किसी जन्म व्यक्ति व्वारा जभोद्वस्ताक्षरी के गक्ष विभिन्त में विक्र वा सक्ति।

स्थळीकरणः ----इसमें प्रयूषत याच्यों और पर्यों का, यो उत्तर विधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही वर्ष होगा, यो उस अध्याय में दिया

अनुसूची

फ्लैट सं० 1, जो, 5वी मंध्रिल, यान अतार्ट मेंट, ए-- इमारत, काशिनाथ घम रोड, बम्बई-- 28 में स्थित हैं।

अनुमूची जैशा ि ऋ० मं० अई—1/37—ईई/7755/ 85-86 श्रीर जो अक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3-10-1985 को अजिस्टर्ड स्थित गया है।

> ए० प्रसाद गक्षम प्राधिकारी, गहायक आयकर आयुक्त (भिरीक्षण), अर्जन रोज-1, बम्बई

दिनां ह : 10--8-1980

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-1, बम्बर्ड बम्बर्ड, दिनांक 10 जुन 1986

निदेश सं० अर्ह-1/37-ईई/8291/85-86--अाः मुझे, अ० भगद,

अय्यक्तर अपिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके वसके पश्चात् 'उचत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विकास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी मं० फ्लैट नं० बी-21, जो, दूसरी मंजिल, लिनार इमारन, प्लाट सी० ए५० सं० 336 श्रीर 506, दादर नायगींव डिविजा, सिथरी काम रोड श्रीर एको ए जिवक रोड, वडाला, वस्बई में स्थित है (श्रीर इसने उपावड अनुसूची में श्रीर पूर्ण-स्था ने विणय है) /श्रीर जिन हा करायनामा आयकर विविचम 1961 की श्रीरा 289 रूख के अधीन वरवई स्थित सक्षम श्रीधिरारी के एखीला में प्रजिस्ति है, दिनाक 7-10-1985,

का पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के दशायान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि सथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित आजार मृत्य, उसके रश्यमान प्रतिफल से, एसे रश्यमान प्रतिफल के गंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतर्कों) और अंतरित (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के सिए स्य पाया गंगा शिफल निम्नितिबत उद्देश्य से उस्त बंतरण मिषित से शास्तिक क्यू से कियत नहीं किया गया है

- (क) अन्सरण से हुइ किसी आज की धावर, उच्चर शिधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक जे दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/मा
- (का) एसी किसी आय या किसी भन या क्ष्य आंस्त्रकों को, जिन्हों आएतीय आग-कर अभिनियम 1922 (1922 को 11) या उक्त अभिनयम, मा भन-कर अभिनियम, मा भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 को 27) भे प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया आगा चाहिए भा, छिपाने में सुविधा सुविधा के स्थिए;

कत: अतः, उक्त किंधिनियम की भारा 269-न के बनुकरण में, में, उन्त अभिनियम की भारा 269-च की उण्धारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—— (1) भेगर्स दिनेशचन्द्र विजयकुमार ।

(अन्तरक)

(2) भेतर्भ भाकोडाजी टैक्सटाईल्स प्राइवेट लिमिटेड । (अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्विक्स सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यभाष्ट्रिया सूरः करता हुं।

उन्हर सम्परित से सर्वम के संबंध में कोई भी बाक्षेप हुन्य

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकासन की धारीज के 45 दिन की जनभि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की धामील से 30 दिन की शवधि, जो भी अवधि साद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अर्थन्तियों में से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (क) उस स्पना कं राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निर्मित में किए जा सकैंगे।

स्यक्तः स्वरणः ---- इसमी प्रयुक्त शब्दों कौर पदौं का जो उक्क अभिनियम को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, सही कर्य होगा, जो उस कथ्याय में दिवा गया है।

अमसची

फ्लैंट सं० बी-21, जो, दूसरी मंजिल, चिनार इमारस, प्लाट सं० सी० एस० सं० 336 श्रीर 506, दादर मायगांव डिविजन, सिवरी काम रोड श्रीर एफीक किदवई रोड, वडाला, बम्बई में स्थित है।

अनुमूची जैसा कि ऋ० सं० अई-1/37-ईई/7806/85-86 ग्रांर जो पक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक, 7~10-1985 को रिजस्टर्ड जिया गया है।

> ए० प्रसाध मक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जंभ रेंज-1, **बम्बई**

বিলাম : 10-6;1986

प्रकल् नाइ े टी प्रकृत प्रकृतकारमञ्ज्य

भाषकड निर्मित्वन, 1961 (1961 का 43) की पाड़ा 269-प (1) के न्भीय सूत्रना

STATE SERVICE

कार्याचर, बहारक वार्कर वार्क (रिन्द्रीक्ष्)

अर्जन रेंज-1, बम्बई बम्बई, विनांक 10 जून 1986

निदेश सं० अई-1/37-ईई/8251/85-86--अत: मुझे, ए॰ प्रसाद,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारज है कि स्थावद संवीत्त विज्ञा उचित्र वासार बुज्य 1,00,000/- रह. से अधिका है

ग्रीर जिसको स० फ्लैट सं० 12, जो नियोजित दिव्य प्रभा इमारत, टेरेस के साथ, 12ए, जनरल भोसले मार्ग, कुलाबा, बम्बई-5 में स्थित हैं (ग्रीर इसमें उपाबद अनुसूची में ग्रीर पूर्णे रूप से वर्णित हैं), /ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधि-नियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री हैं, दिनांक 4-10-85,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्यमान प्रित्तिक के सिए बन्सरित की गई हैं और मुक्ते यह विकास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाबार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तृह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उब्वेष्य से स्थत अन्तरण लिखित में वास्तिवक कप से कथित नहीं किया गया हैं :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मों कमी करने या उससे बचने मों सृविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया कुम्प भा या किया भाना भाहिए भा छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में,, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को उपभारा (1) के बभीत निम्नीलिक्त व्यक्तिकः अर्थात् प्र-- (1) श्री सुरेश डोसाभाई पारेख।

(अन्त क)

(2) श्रो नन्दिकिशोर नालभाई मेहता।

'अन्तरितों)

(3) अन्तरिता ।

(बह ध्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जबत सम्पत्ति को भर्जन को संबंध में कोई भी बासोध है-

- (क) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की हारीच ते 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जबीध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच सं 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास मिचित में किए चा सकेंगे।

स्वकाकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दा नीर पदों का, जो उबत विश्विमयम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस सध्याय में विया भवा हैं।

व्यूची

पलट नं ० 12, जो, नियोजित विग्य प्रभा इमारत, हैरेस के साथ, 12ए, जनरल भोसले मा,र्ग कुलाबा, बम्बई—5 में स्थित है ।

अनुसूची जैमा कि कि० सं० अई-1/37-ईई/7768/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 4-10-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जम रेंभ-1, बम्बई

दिनांक: 10-6-1986

मोहर 🗓

रक्त बार्ड . टी . एन . एस . ------

वार(शर निपिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाषा 269-च (1) की नभीत स्चना

बारत सरकार

धार्वसिथ, सहायक बायकर बायुक्त (निर्दाक्षक)

अर्जन रेंज-1, बम्बई बम्बई, विनांक 10 जून 1986

निदेश सं० अई-1/37-ईई/8271/85-86---अत: मुझे, अ० प्रसाद,

गायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ह°), की धरा 269 च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृज्य

1,00,000/- रा. से अधिक **ह**ै

भीर जिसकी सं० पलैट सं० 2, जो, 5वी मंजिल, इमारत स० 2, पी० एस० बो० अपार्टमेंटस, बी० जी० खेर रोड, वरली नाका, बम्बई में स्थित हैं (भीर इससे उपाबद्ध अनुद्वी में भीर पूर्ण रूप संविधित हैं), /भीर जिसका करारनामा आयकर अधि-नियम, 1961 की धारा 269 वख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्रो है, दिनांक 4-10-1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के श्रायमान प्रशिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके श्रथमान प्रतिष्ठक से, एसे श्रथमान प्रतिष्ठक का एन्स्ट्र प्रतिचत से अभिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तब पावा गवा प्रतिक्षम, निम्निनिचित्त उद्देशका से अन्त बंतरूव किवित में कास्त-विक स्प से कथिए नहीं विकास कथा है 8—

- (क) जन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त श्रीध-निवस के जभीन कर दोने के अस्तरक के दायित्व में कमी भारने या उससे बचने में बुजिश के जिए: जहिं/बा
- (ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करे, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनिरम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा वे किए;

अप: अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम को धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) पी० एम० बी० कन्स्ट्रक्शान कम्पनी लि०। (अन्तरक)
- (2) श्रीमती मंजूला देवी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना धारी कारके पूर्वोक्त कुम्परित के सर्चन के सिह् कार्यनाहियां करता हुं।

क्त बम्परित के कर्षण के सम्बन्ध में कोई भी बाक्रोप:--

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन को सार्गेख से 45 विन की वर्गीय या तरकम्बली व्यक्तिकी हैं है है किया की तामील से 30 विन को जनाभ, था भी अवाभ वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यारा;
- (ब) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- क्ष्म किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए वा सकीने।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैंट सं० 2, जो, 5वो मंजिल, इमारत सं० 2, पी० एस० बी० अपार्टमेंटस, बी० जी० खेर रोड, वरली डनाका, बम्बई में स्थित हैं।

अनुसूची जैसा कि का० सं० अई-1/37-ईई/7788/85-86 क्रांर जो सक्षम प्राधिकारो, बम्बई द्वारा दिनांक 4-10-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-1, बम्बर्फ

दिनांक : 10-6-1986

आयंकर अधिनियम., 1961 (1961 का 43) की की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक वायकर बायक्त (निराक्षण)

अर्जन रेजन्य, यस्वर्ड वस्वर्ड, विन'होरा गृप्त १९८८

निदेश सं० अई-1/37-ईई/827/3/85-80---- अतः सुझे, अ० प्रसाद.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वत करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उक्ति बाजार मुख्य 1.00.000/- रहे से अधिक है

- (क) जंतरण से हुई किसी लाय की बावत., डक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/शा
- (स) एसी किसी आय या किसी धन मा अन्य थास्तिय।
 को; जिन्ह भारतीय प्रायकर प्रक्षिनियम 1922
 (1922 का 11) या उक्त प्रधिवियम, था अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
 के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती खुवारा प्रकट नहीं जिला
 गया का जा जिला जाना बालेंग में स्विता प्रकेट नहीं विवा
 ाया का जा जिला जाना बालेंग में स्विता प्रकेट नहीं

बार: ज्वा, त्वा बाधिनयम का गारा 269-म का कार्यदा में, में, उक्त बाधिनयम की भारा 269-म की उपास (1) के अर्थात, विमानिक्ति व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) पी० एक्ष० बी० जन्स्ट्रक्रमभ कमानी लि०। (अन्सएक)
- (2) एतानत्त्व अन्हैयालाल और एतपनाल कर्ण्यालाल द्वारा मागाप राव राजेन्द्र कुमार ।

(अन्तरितो)

का यह सूचना जारी करके प्रवीक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं

 तक्क वित्र की अवाध या तत्सवंगी व्यक्तियों एवं
 सूचना की तामील से 30 दिन की खबिध, वो भी
 अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (त) ६२ गूडना अं राज्यम ने प्रकाशन की तारीब ने 45 दि: के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किशी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के एस लिखित में किए जा सक्तेय:

स्यव्यक्तिस्य:—इसमा प्रयुक्त शब्दों सार पदौ का, जो उक्त क्षांभृतित्वमं, के प्रध्याद १००० मा स्थः पानभा । हैं, वहों सर्थ होगा जो बास कळाण भी जिला स्या हैं।

अनुसूची

प्लेट सं० 4, जी, वहा माला, इमारत सं० 2, पी० एस० बंग् अपार्टमेंटप, बो० जी० खेर रोड, वरलो जाका, अम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैमा कि ऋ० सं० अई-1/37-ईई/1790/85-86 ग्रीर जो अक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनां ह 4-10-1985 की रिलस्टर्ड िया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर अध्युक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनों हें : 10--d--1936

माहर :

संस्था आहे. ही. युक्त पस. 🗸 😘 🚾

वासा सरकार

कार्याक्षय, लडाए र लाप हर आपूरत (सिपीक्षण)

ंर्जन हीं:-1, तस्बर्ध तस्बर्ध, दिनांस 10 एम 1986

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों की, यह विश्यास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिस्मका उचित बाबार मृल्य 1.00,000/- रा से अधिक हैं

ग्रीर जिल्लो सं ० फ्लैंट सं ० 72, जो 7की मंजिल, मे का टावर-एच, ब्लाफ, 5, बक्बे रेक्समेशत कफ प्रेड, बम्बई में ज्यित हैं (श्रीर इस्ते उपाबंड अनुभूची में श्रीर पूर्ण कर के बिलत है), श्रीर जिल्ला करारतामा आयक्तर अधिविधम, 1961 की धारा 269 कल के अधीन बम्बई स्थित क्क्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रिजस्ट्री हैं, दिशांक 10-10-1985,

को प्रोंक्त सम्पत्ति के उसित बाबार मृत्य में कम के शरमान ब्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि मथाप्र्वेक्ति सम्पत्ति का उसित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का बंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितिमाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय प्राप्त प्रतिक्रित कल निम्निसित्ति उद्देष्य से उक्त संतरण लिखित का वास्तिक हमानि कल निम्निसित्त उद्देष्य से उक्त संतरण लिखित का वास्तिक

- (क) अन्तरण **से हाई किसी बाव की बावत** उक्त स्थित नियम के अभीम कर दोने के अन्तरक के दायित्य म कमी करने का उन्नरों बावस में सुविक संस्था
- (ब) एसी किसी आय या किसी धन रा जन्य अपिस्का की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम. 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27), के प्रयोक्ताओं अस्तरिती ब्लारा उट्ट नहीं किया का या पर किया जाना साहिए था, कियाने को यकि । के किया

जितः जल, उक्त जिथिनियन की धारा 269-क के अनुसरण में, में, 'उक्त अधिनियम की धारा १६० पर संस्कृत कर से के के अधील, निम्तिरिक्क स्वितियमें, जर्मात् ॐ---

- (१) १८८ पोहम्यद पूल्फ प्रीण श्रीमती सामृता यूग्फ (सम्बन्ध साफ सामृत हस्य) ।
 - (2.445 2)
- (৫) প্রিন্ত প্রথা অধ্যক্ত জ্যান

(अन्त्रति)

(उ) अन्तरको ।

(बहु व्यक्ति, जिलके अधिभोग में तम्।ति है)

(4) बिल्डिंग में जि डेक्सलीयमेंट अधिमाज प्राक्षेत्र लि० (बहु व्यक्ति, जिसके बारे में प्रधी-हस्ताक्षरी लागता है कि वह सम्पत्ति में हितबड़ हैं)

को सम्भाष्ट्र अपनि अन्ति पुष्याकल अध्यक्ति का **अर्जन को लिए** अपनि विद्या गुरु करता हो ।

जनत सम्मारत को अर्जन को सम्बन्ध माँ कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर गण्या की तामील के 30 दिन की अविध, जो भी अविध अवि में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त प्रित्तरों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन के भीतर उत्तस स्थावर संपर्तित में हित- सूच किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मो ारिभाषित हुँ, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिशा

अनुसुची

पलेट सं० 72, जो, 7वी मंजिल, मेकर टाबर "एच, ब्लाक 5, बाबे रेक्लफेशन, कफ परेष्ठ, बम्बई में स्थित है। अनुशुची जैसा कि फ० सं० अई—1/37—ईई/7841/85— 80 शंस तो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा विभाव 10—10— 1985 को रिवस्टड मिया गया है

> अ० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयंकर शृधुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेजि-1, बग्बई

feety : 10 -- - 1986

प्रकल बाह्य है हो है पुन्न पुरु हुन्-----

जायकड जिथ्मित्यम, 196 / (1961 वर्ष 43) की भारत 269-ज (1) के जभीन स्वना

गाउप पुरस्का

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 10 जून 1986

निदेश सं० अई—1/37—ईई/8430/85-8---अतः मुझे, अ० प्रसाद,

धायकर विभिन्नियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269 स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रू. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० फ्लेट सं० एफ-4, जो, छठी मंजिल, पाम स्प्रिंग्ज, 157 कफ परेख, कुलाबा, बम्बई-5 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबब अनुसुची में श्रीर पूर्ण रूप से बंजित हैं)/श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीम बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्थालय बम्बई में रजिल्ही हैं, सिमांक 17-10-1985,

को पूर्वेक्त सम्मिति के उचित बाजार मृत्य से कम के इसमान प्रतिफल के सिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उत्तके इस्यमान प्रतिफल से, एसे इस्यमान प्रतिफल का पंदाइ प्रतिशत से अधिक है और अस्तरक (बन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्मितियाँ उद्देश से उक्त अन्तरक जिल्ला में वास्तिक रूप से अधित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई फिली आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससंबचने में सुविधा के निष्; और/बा
- (च) एंसी किसी जाय या टैक्सी थम या अन्य आरिसयों को, जिन्हों अर्थतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा खे हैंसए;

बतः अव, उक्त जीभीनयम की भारा 269-ग के अनुसरण कें, उक्त जीभीनयम की भारा-269-म की उपधारा (1) के अभीन,, निम्नलिबित व्यक्तियों, सथित् :---- (1) श्रीमती बेट्टी एस० लाल ग्री अन्य।

(अन्तरकः)

(2) श्री दिलीय जी० झांगियानज ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त बम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधी, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टोकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह³, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुजी

फ्लेंट सं० एफ०--4, जो, 6ठी मंजिल, पाम स्त्रिंग्ज, 157, कफ परेड, कुलाबा, बम्बई--5 में स्थित है

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० [अई-1/37-ईई/7938/85-86 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 17-10-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है

अ० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अजन रेंज-1, बस्बई

दिनांक: 10-6-1986

शक्ष बाइं.डी.एन.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की की धारा 269 ध (1) के अधीन मचन

ारत हरकार

कार्यालय, गहायक मायकर मायक (निरीक्षण)

अर्जन रंज-1, वस्वई वस्वई, दिशांक 10 ज्न 1986

निदेश सं० अई-1/37-ईई/8321/85-86--अत: मुझे, ग्र॰ प्रसाद,

कायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

र्श्वार जिनकी सं० फ्लेट सं० 402, जो, तथी मंजिल, आशर विला, 242, सायन ईन्टरोड, सायन, बम्बई-22 में स्थित हैं) (श्रीर इपसे उपाधड़ अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप ो विणित हैं), श्रीर जिसका करारभामा आयकर अधिलियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्टी हैं, दिनांक 9-10-85,

या पूर्विकत सपिता के उत्तित काजार मुन्य में कम के दहसमान प्रितिफल के लिए अंतरित की गई है जार मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्स, उसके दहसमान प्रतिफल का पन्द्रह शितशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तस पासा गमा प्रतिफल, निम्निविखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तर्भ से हुई किसी शाय की बाबत्, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के जन्तरक के दासिस्य में कभी करने या उससे अचने में स्विधा के लिए; शौर/या
- ंश्री किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्ही भारतीय काम-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) दा उक्त अधिनियम, वा धन-श्रेट अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ह्वारा श्रुट नहीं किया गया था या किया जाना चारहेए था, छिपाने के सुविका की लिए:

(1) सेशर्स आधार डेव्हलोपर्स

(अन्तरक)

(2) श्रोमती सतपाल कपूर मनमोहन पिग सहगल। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

बक्त सम्पत्ति को अर्थन को सम्बन्ध में कोई भी जाओप :--

- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की जबिंध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की अविंध, को भी अविंध नाम में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उपत स्थावर सम्पत्ति में हितवद्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए था सकेंगे।

स्यव्यक्तिरण:----इसमे प्रवृक्त कथ्यों बौर पद्यों का, श्रों क्ष्या विभिन्नम के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा वी उस अध्याय में दिका द्या हाँ [8]

अन्सूची

पलेट मं० 402, जो, 4थी मंजिल, आशर विला, 242, ईस्ट सायम रोड, सायन वस्बई-22 में स्थित। अत्युवी जैसा कि ऋ० सं० अई-1/37-ईई/7836/85-

86 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारो, अम्बई हारा दिनांत 9-10-1985 को रजिस्टर्ड फिया गया ।

> अं० प्रसाट सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक : 10-6-1986

क्का बाह्रोध कीं± स्पन्न सुर्_{क्षण}ः-व-व-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाज 269-प् (1) चे प्रात्त क्रम्प

बाउव प्रकार

कानीययः सहायक वायकर भागूनत ([नरीक्षक)

भ्रजीन रेंज-1; बम्बई बम्बई, दिनांक 10 जुन 1986

निदेश सं० ऋई-1/37-ईई/8320/85-86-- प्रतः मुझे, अ० प्रसाद,

शायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवाद 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, वह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावत सम्बद्धित, जिसका स्वित बाबार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लंट सं० 401 जो 4थी मंजिल धाणर विला 242 ईस्ट सायन रोड सायन बम्बई-22 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं) और जिसका करारनामा धायकर प्रधिनियम 1961 की धारा 269 कख के प्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री हैं दिनांक 9-10-85

का पूर्वांवध संपत्ति के जीवत बाकर सून्य से कद के ध्वकान अंतिप्रथ ने निए अन्धिरित की वर्ष है जीर पूर्व यह विकास करने का कारण है कि यवापूर्वोंक्त स्वयंति का स्वित वाजार सुन्य उसके ध्ववान प्रतिप्रश के, एसे दस्यवाच प्रतिप्रथ का वन्त्रह प्रतिवाद से विध्यक है और वंतरक (बन्त्रहकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे बन्तरूप के किए तथ सर्था व्या मृतिष्यक दिन्तियाँक क्ष्मचेद से उपन अंतर्ज जिल्हा के विश्व तथ

- (क) अन्तर्भ संसूर्ध किसी आल को बान्ता स्थल अभिनित्त्व की अभीत कर दोने की अन्तरक औ पावित्य में कमी करने वा उन्नत बन्ते में सुविधा की किसा अकिंगा
- (व) एसी किसी साथ था किसी सन वा कप बास्तिकों को, जिन्हों भारतीय कारकर वीचित्रियम, 1922 (1922 का 11) था उत्तर वीचित्रियम, वा समस्यर वृच्चित्रम्, 1957 (1957 का 27) के प्रकृतिकार्थ भन्तरियों ब्वारा प्रसट नहीं किया नवा वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: असं, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण हैं, मैं, उक्त विधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के जधीन, निस्तिवित व्यक्तियों, वर्षात् :— (1) मेसर्स द्यागर डेव्हलोपर्श।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री मनमोहनसिंग जयमलसिंग सेहगल । (श्रन्तिती)

को यह सुभना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के वर्जन के लिए कार्ववाहियां सुरू इंदर्श 🖒 🗎

उनत् सुन्तरित के वर्षन के शस्त्रन्थ में कोई भी वाश्रीप थ---

- (क) इस सूजना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीस से 45 विष की अविभ या तत्संबंधी व्यक्तिया पर चूजना की सामीस से 30 विन की व्यक्ति को भी अविभ नाम में समाप्त होती हो, के भीता पृथािक व्यक्ति में से किसी व्यक्ति तुवारा;
- (स) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की शारीन से 45 दिन को भीतर जनत स्थावर सम्भूत में हित-बद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, अध्य स्ताझरी के गस शिवित वे किए जा सकेंचे।

स्वाक्षेत्र प्रमुक्त सन्दां और पर्वा श, को उपक्ष अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस स्थाय में विका गया है।

अनुस्ची

फ्लेंट सं० 401 जो 4थी मंजिल ग्राणर विला 242, ईस्ट सायन रोड सायन बम्बई-22 में स्थित है ।

श्रनुसूची जसा कि क० सं० श्रई-1/37-ईई/7835/85-86 ओर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 9-10-1985 को रिजिस्टर्ड किया गया है :

> भ्र० प्रसाद गक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, वम्बई

दिनांक : 10-6-1986

प्ररूप आई.टी.एन.ए% ------

नाभकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के जधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज-1, बम्बई

बम्बई, दिनाक 10 जून 1986

निदेश सं० श्रई-1/37-ईई/8363/85-86--श्रतः मुझे, अ० प्रसाद

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त गिंधनियम' कहा गया हैं) की भारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मूल्य 1,00,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी स० फ्लैट सं० 2-बी जो नवलटघ ग्रपार्टमेंटस 23 वाय० एम० सी० ए० रोड बम्बई-8 में स्थित हैं (और इसमें उपाब इ प्रनुसूची में और पूर्ण रूप में विजत हैं) /और जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रधियम 1961 की धारा 269 कख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजरेडी हैं दिनांक 11-10-1985

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्य एन प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अनसरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अंदरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य के उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के कभीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे अवशे में सृष्टिभा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ष्टिपाने में सूर्विभा के लिए:

अतः अव उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) क अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री ए० ए० बेकर पी० ए० बेकर श्रीमती पी० होड वासी श्रीमती होड पी० धारीवाला श्री एच टी० खोराकीवाला श्री एक० टी० खोराकीवाला । (ग्रन्तरक)
- (2) श्री एस० टी० मर्चेट श्रीमती क्षेड० एम० किकाभाई और श्री वि० एम० हुसेन, श्री मोहम्मद ए० इब्राहीम बेग और श्रीमती फरझाना एम० श्रफझल बेग ।

(भ्रन्तिनिती)

(3) ग्रन्तरको ।

(वह व्यक्ति जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति हैं)

को यह स्थाना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी वाक्षेप ए---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाश्यम की तारीख से 45 दिन की अविभि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की व्यक्ति जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इत सूचमा के राजपण में प्रकाशन की सारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति वृतारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए वा सकोंगे।

स्यव्यक्तिरण:---इसमें प्रयुक्त सन्यों और पर्यों का, जो उक्क अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विगय गया हाँ।

अनुसूची

पलैट सं० 2-ए जो नवलटच प्रपार्ट मेटस 23 वाय० एम० सी० ए० रोड बम्बई-8 में स्थित है ।

श्रनुसूची जैसा कि क० सं० श्रई-1/37-ईई/7876/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाक 11-10-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

> श्र० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज−1, बम्बई

दिनांक : 10-6-1986

मोह्नर 🖫

सक्त जाद<u>े ही ए</u>न एस ------

बायकर जभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के बंधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (विराक्षिण)

श्रर्जन रेंज~1 बम्बई बम्बई दिनांक 10 जून 1986

निदेश सं० अई-1/37-ईई/8299/85-86---श्रतः मुझे, ग्र**०** प्रमाद,

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त बिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269--क के अधीन-सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर समंत्ति, विसका उचित बाजार मृख्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

आंर जिसकी सं० फ्लैट मं० 1, जो, 8वीं मंजिल, इमारत नं० 5 प्रापर्टी जिसका सी० एस० नं० 868/1/868, जरली, बम्बई में स्थित है ओर इपत उपाबद्ध प्रतुमूची में और पूणं रूप से विणित। है) /और जिसका करारतामा प्रायकर ग्राधितियम 1961 की धारा 269 कख के ग्रधीत बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यायय में रिजस्ट्री है, दिनांक 8-10-1985,

को पूर्विकत संपरित के अचित बाजार मूल्य से कम के क्रयमान प्रतिकाल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्विकत सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके क्रयमान प्रतिकल से एसे क्षयमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिक्रत से विभक्ष हैं और जन्तरक (अन्तरका) और जन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पामा गया। प्रतिकल, निम्नलिधित उद्विष्य से उस्त जन्तरण कि किया गया हैं क्ष्म

- हुंक) अन्तरण से हुर्ष किसी बाय की बाबत, अवस अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक औ दावित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के निष््⊬ और∕या
- (क्ष) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों क' जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अव, स्वतः अधिनियम की भारा 269-ण के अनुसरक्ष कों में, उसतः अधिनियम की भारा 269-ण की उपधाय (1) के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, खर्थात् ॥—— (1) बी० वाय० बिल्डमं प्राइवेट लि०।

(भ्रन्तर्क)

(2) ष्ठा० ग्राजा० ए० अंडयाल और श्रन्य।

(श्रन्∄ितो)

(3) ऋन्तरकों

(वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्षन के निष् कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कीई भी वाक्षेप ह—-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबष्ध किसी बन्य व्यक्ति ब्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सम्में गें।

स्पष्टिकरण:---हसमें प्रयुक्त शब्दों और पदी का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची .

फ्लंट सं० 1, जो, 8त्रीं मंजिन, प्रापर्टी जिसका सी० एस० मं० 868/1/868, बरली, बम्बई मे स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि ऋ० स० ग्रई-1/37–ईई/7814/85–86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बहै द्वारा दिनांक 8-10–1985 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ग्र० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रजन रेंज-1, बम्बई

दिनांक : 10-6-1986

मोहर 🗓

प्रक्ष बाइ", टी. एन, एस. -----

काषधर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाउ। 269-घ (1) में मुधीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रजंन रेंज-I, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 जून 1986

् निदेश सं० ग्रई-1/37-ईई/8580/85-86--श्रतः मुझे, श्र० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित काजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जियकी सं० फ्लैंड सं० 01, जो, तल माता, इमारत सं० 2, फ्लैंट सं० 1, तल माला, इमारत सं० 4 फ्लैंट सं० 2 ता माता इमारत सं० 4 पी० एय० बी० श्रपार्ट सेटम बी० जी० खेर रोड वरली बम्बई—18 में स्थित हैं (और इससे उपाबद श्रनुसूची में ऑर पूर्ण रूप से विणित हैं) और जिसका करारतामा श्रायकर श्रधितियम 1961 की धारा 269 कख के श्रधीन अम्बई स्थित स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है दिसांक 31—10—85,

को पूर्वोक्त सम्मित के उचित बाजार मुख्य से कम के दिश्यात प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तर प्रतिक्त से अधिक हैं और अंतरकाँ) और अंतरिती (अन्तिरितात से अधिक हैं और अंतरित (अंतरकाँ) के बिख एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, रिम्मिजिखित उद्वोद्य से उक्त अन्तरण लिखित के वास्प्रीवक रूप से किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, छक्त अधिनियम् के अधीन कर् दोने के बन्तरक के दारित्व में कमी कर्डने वा उससे व्यने में सुविधा के सिए; बॉर/मा
- एसे किसी बाव या किसी धन वा अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा बै लिए।

अत. अंब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण भे, भे, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) अं अध्भेग, निम्निलिखित व्यक्तिकाँ अधारि ■——

- (1) पी० एस० बी० कन्स्ट्रकणन कम्पनी लिमिटेड। (श्रन्तरक)
- (2) वि मेमन को० भ्राप० वंक लिमिटेड । (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिमां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति की अर्जन की संबंध में कोई भी माक्षेप :-

- (क) इस सूचना के राजपन में जाताश की तारील स 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीयर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृतारा;
- (स) इस मूचना के राजपण में प्रकाशन की तारील स 45 दिन के भीतर क्ष्मिंत स्थावर सम्पत्ति में द्वित-बृद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के वाल लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण :—इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदां ता, जा उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गता हैं।

नन्स् ची

प्लैट सं० 1, जो, तर माला, इमारत सं० 2, फ्लैट सं० 1, तर माला इमारत सं० 4, पर्लैट सं० 2, तल माला, इमारत सं० 4, पी० एम० बी० श्राटमेंटम बी० जी० खेर रोड, वरली, बम्बई-18 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि ऋ० मं० ग्रई-1/37-ईई/8081/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिनांक 31-10-1985 को रजिस्टडं किया गया है ।

> न्न० प्रसाद नक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज-1, वस्बई

दिनांक : 10-6-1986

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

अग्यकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ के अभीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर बायुक्त (निरक्षिण)

अजॅन रेंज-I, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 जून 1986

निदेश सं० अई-1/37-ईई/8482/85-86--अतः मुझ, अ० प्रसाद,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें - इमके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1.,00,000/- रु. से अधिक है

ग्राँर जिसकी सं० फ्लेट नं० 24, जो, विक्रम को-ग्रॉप हाउमिंग सोसायटी इमारस, वाली सीफेस, प्लॉट नं० 48 (इ), बम्बई-18 में रिष्यत है (ग्रॉप इसमें उपाबद अनुसूची में ग्रॉप पूर्ण रूप में विणित है), ग्रीप जिसका करार-नामा आयकर ग्राधिनियम 1961 की धारा 269 क,ख के अबीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है, दिनांक 27-10-1985

को प्रवेक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए इन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास फरने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, असके क्ष्ममान प्रतिफल से एसे रहयमान प्रतिफल का पेइह प्रतिशत से बधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नविधित उद्देष्य से उक्त अन्तरण जिल्हा में बास्तियक रूप से किथत नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयः की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; बौर/या
- (का) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 19 57 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना वाहिए था, छिपान में स्विभा के लिए:

बतः गव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बनुसरण भें, भें,, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) कें अधीग,, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः— (1) धिरेंद्र पी० पारीख।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती दिन् अदी निकालसन श्रीर बोमन आदी निकालसन।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरीतीयों।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोर्ड भी आक्षेप ए---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

फ्लैंट नं० 24, जो, विभस को-ऑप० हाउसिंग सोसायटी, बरली सी फेम, प्लॉट नं० 48 (इ), बम्बई-18 में स्थित हैं ह

अनुसूची जैमाकी कर्नार अई-1/37-ईई/7988/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बस्बई द्वारा दिनांक 27-10-1985 की रजीस्टर्ड किया गया है।

> अ० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (मिरीक्षण) अर्जन रेंज-I, बम्बई

तारीख: 10-6-1986

प्ररूप आर्द . टी . एन . एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 जून 1986

निदेश सं० अई-1/37-ईई/8383/85-86--अत: मुझे, अ० प्रसाद,

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी स० कार्यालय नं ० 44, जो, 4थी मंजिल, फी प्रेस हाउस, प्लाट सं ० 215, नरीमन पॉइंट, अम्बई-21 में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है). श्रीर जिपका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में राजिस्ट्री है, दिनांक 15-10-85,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार जूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे ध्रथमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों (अन्तरितियों) के धीच ऐसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य मों कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, डिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) अलेली एण्ड जम्यनी प्राइवेट लि॰।

(अन्तरक)

(2) अये स्थेटीक बिल्डर्स प्राइवेट लि०।

(अन्स**िस**ि)

को यह सूचना जारी करके पूर्योक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टोकरण:--इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विधा गया है।

अन्स्ची

कार्यात्रिय मं० 44, जो, 4यी मंजिल, भी प्रेस हाउस, प्लाट सं० 215, नरीमभ पाइंट , बम्बई-21 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-1/37-ईई/7895/85-86 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिशांक 15-10-85 को रिजस्टर्ड किया गया हैं।

> अ० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (मिरीक्षण), अर्जन रोंज-I, बस्बई

दिनांक: 10-6-1986

प्रकृष बाहु<u>र, टी. एव. एव</u>ु-----

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत शरकान

कार्यासय, सहायक आयकर बायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज—I, बम्बई बम्बई, दिनांक 10 जून 1986 अर्थ—1/37—ईई/8535/85—86——अतः मृह

िदिण सं० भई-1/37—ईई/8535/85-86—अतः मुझे, अ० प्रसाद,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इतको पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हु") की धारा 269-च के मधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य

1,00,000/- रत. से अधिक हैं

श्रीर जिल्ही मं० फ्लैट स० 301, जो, तीसरी मंजित, बच्ली पागर दर्शन प्रिमायने। को०-अन्तर सोस.यटी लि०, 8, बच्ली मंफिन, बम्बई-25 में रिष्या है (श्रीर इसने उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण इस ने बाजित है), श्रीर जिस ज करारनामा आज-कर अधिनियम, 1961 की धाला 269 एख के अधिन सम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, दिनाक 29-10-1985,

को पृथिष्य सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान शिरपाल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि सथापृतींवत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, असके दश्यमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का इन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे बंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निवित में शास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण सं हुइं किसी भाग की बाबत, उक्त क्रिंशितयम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में अभी करने या उससे ब्यने में सुविधा के लिए; शरि/या
- न) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ का, जिन्हा भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उनत अधिनियम, वा धन-अन्य अस्मित्रका, 1957 (1957 की 27) वा ह्रवोजनार्थ जन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया पया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में मुविधा के लिए;

कतः कव, उक्त वर्षिनियमं की भारा 269-गं के बनुसरण के, में, टक्त अधिनियमं की भारा 269-णं की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री धनंजय दिवाकर प्रदेशे।

(अन्तर्क्)

(2) श्री रिविकुमार टंडन ग्रीर अन्य।

(अन्तरिती)

(3) জাল্লাখন ।

(वह व्यक्तिः, जिसके अधिभोग में समानि है)

का यह सूचना जारी करके पृथींकत संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु-।

उक्त सम्मत्ति के अर्जन के गम्बन्ध में कार्ड भी बाहाप :----

- (क) इस स्वता के राज्यक में प्रकासन की तारींक से 45 दिव की अवृधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर प्रकार व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वाराह
- (क) ्स सूचना के राजपत मों प्रकाशन की लागीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्ति मो हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मो किए पा सकेगें।

स्पद्धीकरणः ----इसमें प्रयुक्त जब्दों और पदों का जो उबसे विधिनियम के बच्याय 20-क में परिभाषित हैं, पहीं वर्ष होगा, जो उस अध्याय में दिया गया

सवसर्थी

फ्लैट म• 301, जो, तीसरी मंजिल, वस्ली सागर दर्शन प्रिमायसँग को० –आप० सोसायटी लि०, 8,वप्ली सिफेग, बम्बई– 25 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि कल्मं० अई-1/37—ईई/8038/85— 86 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बस्बई द्वारा दिनांक 29-10— 1985 को रिजल्टिई किया गया है।

अ० प्रमाद सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक: 10-6-1986

अ० प्रमाद.

प्रस्य बाइ . टी. एन . एस . -----

मायकार निमित्तवस , 1961 (1961 कर 43) की भारा 269-भ (1) के सभीन संभाग

भारत सरकार

कार्यालय , सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंः.I, अम्बर्ध बम्बर्ध, दिभाक 10 जूम 1986 निदेश सं० अर्ड-1/37-हर्ड/8532/85-86--अनः मुझे,

सायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के बंधीन सक्षम प्राधिकारों को वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर बम्मित.. विवका उचित बाबार बुक्क 1,00,000/रा. से अधिक ही

ग्रीण जिसकी संव पलैट संव 203, जो, दूसरी मंजिल, इसापध-उद्योध दर्शन, स्थानी रोड, प्रभादेवी, अम्बई—25 में स्थिध है (ग्रीर इससे उसबढ़ अनुसूची में ग्रीर पूर्णक्य में विणिध हैं) ग्रीप जिसका क्यारसासा आयार अधिनियम, 1961 की धारा 269 कब के अधीत वस्वई स्थित सक्षम प्राधि वारी के कार्यालय में एजिस्ट्री है, दिलांग 29-10-1985,

को पूर्वे क्ति संपृत्ति के उचित बाजार मृज्य से कम के दरमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृभे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित अजार बृध्य, उसके कावमान प्रतिफल से, एसे क्ष्यमान प्रतिफल का प्रतिक्ति के बीच एके अन्तरण के निए तब पामा गया प्रतिक्र फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) नसरण से हुई किसी बाय का बाबत, उक्त विधिनियम की नधीन कार दोने के अन्तरक र दारियल में कामी कारने या उससे अवने यो स्थिक। को लिए; कोर/धः
- (क) ए.जंग कि सी वाय या किसी जन या जन्म काम्स्या कर्न, जिन्हें भारतीय जाय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए:

(।) भन्मं फेलनी डेब्ज्लार्सं।

(अन्तरका)

(३) श्री राजेश जयन्तीलात दाणी ।

(ग्रन्तिरा)

की यह सूचना चारी करके पुर्वेक्ति सम्पत्ति के वर्जन के किए कार्यनाहिया करता हुं।

जनक रूजनित के वर्षन के सम्बन्ध मा काई भी जाओप s---

- (क) इस तुमना के रामपत्र में प्रकाशन की तारीस भ 45 दिन की जनिथ या तत्संत्री व्यक्तियों पर सूमना की तामील से 30 दिन की सबिध, को भी जनिथ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथींकर अप्रतिस्त्रों में में किसी स्मिक्ट वृजारा
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक में 45 दिस के भीतर जबन स्थावर मध्यित वो भितरकृश किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निषित में किए जा सकींगे।

स्वकाकरणः--इतमे प्रवृत्ता बन्दों और पत्नों का, जो सबक् अर्डेप्रविद्युत्, जो मध्याय 20-क में प्रितायिक हीं अहीं वर्ष सोना जो उस सम्बाद में दिया नवा है।

वनसर्थ

फ्लैंट सं० 203, जो, दूसरी मंजिल, इमार्ग्य--ज्ञान दर्शंप, स्थानी रोड, प्रभादेवी, बम्बई--25 में रिश्रत है। अनुसूची जैसा कि क० सं० अई-1/37--ईई/80235 85-86 ग्रींप जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई दापादिनां र 29-10/ 85 को रजिस्टई किया गया है।

> अं० प्रसाद सक्षम प्राधि गरी, सहायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेज—1, अस्वई

दिनां ह : 10-6-1986

प्रकृष जाइं. डी. एम. एत., -----

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-न (1) के अभीन स्पना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर भावकत (निरीक्तक) भूजेल रेंज−1 वस्त्रई

बम्बई दिनांक 10 जून 1986 निदेश मं० ग्राई-1/37-ईई/8386/85-86--श्रतः मुझे

ए० प्रसाद

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिन्ने इसमें हसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ही, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार भूस्य 1,00,000/- रा. से अधिक ही

और जिस्ती मं० कार्यातय मं० 703 जो 7वीं मंजिल मेकर बर्म 5 प्ताट मं० 221 तरीमत पांइंट बम्बई-21 में स्थित हैं (और इस्ते उसबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विजित हैं) और जिस्ता करारतामा प्रायकर प्रधितियम 1961 की धारा 269 कक के प्रधीत प्रमुई प्रित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रित ट्री है दिसंक 15-10-85

को पूर्वोक्त सम्मित के उचित बाज़ार मूल्य से कम के इक्यमान ब्रितिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित का उचित बाजार कल्य, उसके ख्यमान प्रतिफल से एसे ख्यमान प्रतिफल का भन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और बन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाम ग्रीतिफल, निम्निसिचित उच्चेष्य ते उक्त कन्दरण लिखित मा वास्तीवक कप से वर्षिन नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण से हुइं किसी बाय की शायत, उपत मीमिनियम के बभीन कर दोने के बस्तरण के शायित्व में कमी करने वा उत्ततं वचने में शृथिधा के लिए; बॉर/मा
- (च) एसी किसी बाय या किसी बन या बन्च बारिसाबी की, बिन्हें भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, बा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वास प्रकट वहीं किया तथा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में तिया के लिए;

कर: 'अब., उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो., मो, उक्त अधिनियम की धारा 269-**ण की उपधारा** (1) के अधीर, निम्निचित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) सेलंबटो सहस प्राइवेट लिए।

(भ्रन्तरकः)

(2) के० डी० श्रग्रवाल एण्ड कम्पनी ।

(ग्रन्तिरती)

(3) ग्रन्तरक ।

(वह व्यक्ति जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह स्वतः जारी करके पृथाँकत सम्पत्ति के अर्जन के न्लए कार्यवाहियां क्रुक करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी बाखेप मन्न

- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारीब है 45 दिन की सर्वधि या तत्संबंधी व्यक्तियों धर स्थान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी जनधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस त्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबबुध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा, बधोहस्ताक्षरी वे पास निवास में किए वा सकोंने।

स्पन्धीकरणः -----इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के बध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा. जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कायिष्य मं० 703 जो 7वीं मंजिल इमारत मेकर वेंधर्स-5 प्लाट सं० 221 गरीमन पाइंट बम्बई-21 में स्थित है ।

श्रनुसूची जैंसा कि कि सं श्रह-1/37-ईई/7898/85-86 आर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिलांक 15-10-85 को रिकस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद मक्षम प्राधिकारी पहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1 बस्पई

विनांक : 10-6-1986

प्रकृष आर्थः हो . एन . एस . ------

अध्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सूचना

भारत तरकार

कार्यास्य, सहायक नायकर नायकत (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1: बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 जून 1986

निर्देश सं० श्रई-1/37-ईई/8398/85-86---श्रनः मुझे ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें (सक्ते पक्ष्यात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भार 259-खं के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी स० दुकान सं० 5 जो तल माला मेरील ण्ड कार्नर 39 सायन माटुंगा इस्टेंट सायन (पूर्व) बम्बई — 22 में स्थित है (ऑर इसमें उपाव इ अनुसूची में ऑर पूर्ण रूप से विणित है) ऑर जिसका करारतामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजिस्ट्री है दिनांक 16—10—85

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल को लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वाद करने का कारण है कि सभापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रत्यूष्ठ प्रतिकात से विभिन्न हो और बंतरिक (वंतरिका) को बीच एसे अंतर्थ को जिए तय पाय। नया प्रतिक का निम्निजिधित उद्वेष्य से उसके अंतरण निचित्त में वास्तिक क्या से बादित के वास्तिक क्या नया है दिल्या नहीं किया नया है दिल्य

- (कः) अस्तरण संहुई किसी जाय की वावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करनं या उससे वचने में सृविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य आस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्बारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के सिए:

अतः अबः. उक्तः अधिनियम की धारा 269-ग को अनुसरण में, मैं, उक्तः अधिनियम की धारा 269-थ की उपधार (1) के अधीन,, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :---- (1) श्रीमती ग्रेंनजा वाय० तर्टे, श्रीमती तझारखातुन हाजी गहाजादा श्रीमती णांताबाई जी० डोंबरे और श्री सखाराम एस० हंडे।

(अन्धरक)

(2) श्री सुन्दर लक्ष्मण शेट्टी श्रीमती विनोदा सुन्दर शेट्टी ।

(ग्रन्दरिती)

(3) श्रमृत ज्यूम मेटर । (बह व्यक्ति जिसके श्रधिभोग मे सम्पत्ति है)

का यह त्यना जारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के कर्यन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्परित के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की क्षारीख से 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेगे।

स्पष्टोकरण :—इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्सूची

द्कान मं० 5 जो नतमाता मेरीतैण्डकार्नर 39 भायन-माटुंगा इस्टेट सायन (पूर्व) बम्बई-22 में स्थिन है।

श्रनुसूची जैंसा कि कि० सं० अर्ड-1/37-ईई/7910/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 16-10-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (तिरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक : 10-6-1986

प्रकप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, घम्बई बम्बई, दिनांक 10 जुन 1986

निदेण सं० ग्रई-1/37-37-ईई/8343/85-86---ग्रतः मुझे ए० प्रसाद

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्यात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैंट सं० 501, जो 5वीं मंजिल, जिरीन विलाइमारत डॉ॰ ग्रान-दराव नायर रोड बाम्बे मेंद्रेल बम्बई 8 में स्थित है (और इसने उपाबद प्रनुसूची और पूर्ण रूप में विजात है)और जिस्ता करारनामा ग्रायकर प्रधिनियम, 1961 की धारा 2691 केख के प्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्टी है दिनाक 11-10-85

को पूर्वोक्त संपत्ति के उिचत बाजार मूल्य सं कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंति रत की गई है और मूक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एमें दृश्यमान प्रतिफल का पद्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अंतरण स हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अम्तिरती द्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण यो, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) ा. जंगीन, निम्नसिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमती गूलशन हाजी ओमर ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री मोहम्भद शफीउल्लाह।

(ग्रन्तरिती)

पा यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस कै 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीश्र से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशभ की हाराय सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा, अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-षित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

फ्लैंट सं० 501, जो शिरीन विला इमारत, 5वीं मंजिल डा० श्रानन्दराव नायर रोड वाम्बे मेंट्रल बम्बई-8 में स्थित है

श्रनुसूची जैसा कि कि सं श्राप्ट-1/37-ईई/7857/85- 86 और जो सक्षम प्राधिकारी बस्बई द्वारा दिनांक 11-10 1985 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रोंज~1, बम्बई

दिनांक : 10-6-1986

मुख्य बाह्र हो. एम्. एस्. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269- (1) के सबीन प्या

भारत सरकार

फार्याजय, स**ञ्चरक भावकार नाम्बन्त (रिगरीक्षण)**

अजॅन रेज-(, बम्बई

बम्बई, दिन क 10 जून 1989

भिदेश सं० अई--1/37-ईई/8373/85--86-- अत: मुझे, अ० प्रमाद.

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (प्रियं इसके इसके प्रभात 'उनत विभिनियम' कहा नवा है"), की पार 269-च के नभीन तक्षम प्राधिकारी की नह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर तस्यित, चित्रका अधिक नावार सुरूव 1,00,000/- रु. से अभिक हैं

स्रोर जिसकी स० फ्लैंट सं० 3 (103), जो, 10वी मंजिल, इन अगर्ट मेटस, जावजी दादाजी रोड (नाडदेवरोड), लल्लू-भाई श्रमीचन्द कराइण्ड, बम्बई-7 में स्थित हैं (स्रीर इससे उपाबड़ अनुमची में स्रीर पूर्णस्प से विणित हैं), स्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनयम, 1991 को धारा 269क के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिएस्ट्री है, दिनौंक 14-10-1985,

को प्वॉक्स सम्पत्ति के बिषत बाजार मूक्य वे का के क्रयधान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा प्वॉक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मून्य, उसके दश्यभान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्सह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया/प्रतिफल, निम्निलिशित उद्देश्य से उक्त अन्तरण किचित में वास्त्रीक रूप से किचिट नहीं किया गया है :---

- (क) जन्मरण से हुई फिकीं बाब की बाबत, उक्त सिंपियम के अभीन कर देने से बन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (थ) ऐसी किसी वाय या किसी धन या अन्य अशस्त्रायां को, जिन्हों भारतीय आय-कर निधिन्यभ, १९२२ (1922 का 11) वा अक्त अधिनियम, इत यम-कार निधिन्यभ, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनीय जन्तरिती द्वारा प्रकट महीं किया गर्या था या किया थाना काहिए था, कियाने में सुनिश्ध के किय;

बतः अप, डक्त विभिनियम की भारा 269-ग की प्रमुसक्त में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—-

(।) श्रीमती उषा एन० वोरा

(अस्त्रका)

(2) श्रीमती सुणीला ए० शहा, श्री अमरतलाल बी० शहा, श्री सोहली ए० गहा श्रीर श्री अमीश ए० गहा (श्रन्तरिती)

को यह स्वाम जारी करके प्रतिकत सम्पत्ति के अर्थन के सिए कार्यशाहियां करका हुं।

बन्द बंदरित के बर्धन के बंधन में कोई भी वासोप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं स 45 दिन की सनांध वा तत्संबंधी व्यक्तियों पर भूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी सनीध नाव में समाप्त होती हो, के मीतर प्रांचिक व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यारा;
 - (क.) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबक्ष किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिस में किए था सकोंगे।

स्यक्तीकरणः --- इसमें प्रयुक्त कर्न्यां और पदों का, जो अवत अधिनियम के अध्याय 20-क मं परि पित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विका यका हैं।

ननसर्ची

फ्लैट स० 3 (103), जो, 10वी मणिल, इन अशर्टमेटम, जावजी दादाजी रोड ताडदेव रोड, 225/227, लल्लू भाई अमीचन्द कम्पाउण्ड, बम्बई-97 में स्थित है।

अनुमुची जैसा कि श्र० स० अई-1/37-ईई/7885/85-86 ग्रींर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिशीक 1 4-1 0-1985 को राजस्टर्ड स्थि गया है ।

> अ० प्रमाद सक्षम प्राधिकारी, सहायक आय*त्रर* आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेज—1, बस्ब**ई**

दिन क · 10-6-1986

प्रकप बाइ .टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

भारत संस्कार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 जून 1989

निदेश सं० अई-1/37-ईई/8303/85-86--अत: मुझे,

य० प्रमाष्ट

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसकें परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यहिवश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उच्चित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भ्रौर जिसकी सं० पलट स० 289 जो, श्री भवन, दूसरी माजिल, सरदार पटेल रोड, बम्बई—4 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबड़ अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) भ्रौर जिसका करारभामा आ गर अधिनियम 1961 की धारा 269 रुख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्रो है, दिनौंक 9-10-1985

को पूर्विक्त सम्पित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दोष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी माय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दियल्य में कमी करने या उबसे क्यने में स्विधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

मतः अय, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन,, निम्निसिस्त व्यक्तियों, अर्थात् :—-

- (I) श्रीमती जिप्मती कौचनलाल चिनीबाला । (अन्सरक)
- (2) श्रीमती मुरेखा अशोक कोठारी भ्रार श्रीमती उपा दिलीप कोठारी ।

(अन्तरिक्ती)

(3) अन्तरितियों । (बह व्यक्ति, जिसने अधिभोग में सम्पत्ति है)

कायह सूचना आरी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हुं।

उस्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की क्षारीश से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी बविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त क्षावितयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पासृ लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वाधिकरण :---इसमें प्रयुक्ता शब्दों और पदों का, जो उसत अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, नहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्वी

फ्लैंट सः 289, जो, श्री भवन, दूसरी मं**जिल,** गरदार पटेल रोड, बम्बई-4 में स्थित है ।

अनुसुची जैसािक ऋ० स० अई—1/37—ईई/7818/85— 86 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनौंक 9—10— 1985 को रिजिस्टर्ड किया गया है।

> अ० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी, महायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण), अर्जन रॅंब∽ो बस्बई

दिनांक . 10-6-1986 -----

प्रकप भाषं .टी.एन.एच .-----

नायकर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-थ (1) के अभीन सूचना

न्त्रस्य चर्चार

कार्यासम, सहायक जायकर जायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, बम्बई

बम्बई, दिशांक 1 0 जून 1986 निदेश सं० अई—1/37—ईई/8240/85—86——अन मुझे, अ० प्रमाद.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- क अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिपकी सं० फ्लैंट म० 802, जो, 8वी मंजिल, श्रीर कार पाकिंग जगह, इमारत, वख्तवार, कुलाबा पोस्ट आफिस, बम्बई—5 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रीर जिसका करारतामा आयकर अधिनियम, 1961 के श्रीरा 269 कला के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में राजिस्ट्री है, दिशांक 4-10-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य कम के ख्यमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है जौर मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार भून्य उसके दृश्यमान प्रतिफल के। एसे ख्यमान प्रतिफल का चंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (जन्तरितियों) के बीच एसे जन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकास, निम्नोंसिकत उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नोंसिक में बास्त-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की, बाबत, खबत श्रीचितियप के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी भाग या किसी भन या अन्य आस्तिनों कां, जिन्हों भारतीय भागकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या भन्कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सृविभा के निए;

(1) डोदगाल प्राइवेट नि०

(अन्त्राम्यः)

(2) श्री हिरनमें बिस्वास

(३ न्यणिती)

(3) अन्तरिती

(बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) अन्धरक

(बह् व्यक्ति, जिसके बारे में अधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबढ़ है)

को वह स्वना जारी करके प्योंक्त संपत्ति के धर्मन के किए कार्वनाहियां शुरू करता हूं।

बनत संपत्ति की कर्जन के संबंध में कांचे भी स्वक्षंप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि मा तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इतारा;
- (थ) इद सूचना कं राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित्तबव्ध किसी अन्य व्यक्ति ध्वारा जथोहस्ताक्षरी के पात निश्चित में किए जा सकोंगे।

स्वकातिकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो सकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित डी, कही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया हो।

मन्स्षी

फ्लैट सं० 802, जो, 8वी मणिल,श्रीप कार पारिण जगह इमारत बख्तवार, कुलाबा पोस्ट आफिस, बम्बई--5 में स्थित है ।

अनुसुकी जैमा कि फि॰ स० अई-1/37-ईई/7757/85-86 फ्रीर जो मक्षम प्राधिमारी, बम्बई होगा दिलाक 4-10-1985 वो प्रक्रिटई किया गया है ।

> अ० प्रसाद मधास प्राधिकारी गहाय ६ आयज्ञ सायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज—1, बस्बई

दिभाक : 10-6-1986

प्रस्प ६ इं. टी ु एव ् पुत्र ुक्तान्त्रान्त्रात्रात्रा

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्बाजय, सहायक जायकर जायुक्त (निरीक्षण)

जर्जन रेज-1, वम्बई

वम्बई, दिनाक 10 जून 1986

निदेश म० अई--1/37--ईई/8253/85-86---अत. मुझे, अ० प्रमास,

वावकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स से अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृन्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीपित कि कि पर्लंट म० 42, जो, 4थो मिकिन, जाली मेकर अग्रार्टमेट मं० 1, टावर ए, वक्रबे रेक्लमेणन सिम्म, बम्बई-5 श्रीर पारिंग जगर मे० श्रोमो/3 1-35 के पाथ में स्थित हैं (श्रोप इसमें उग्रवद्ध अनुसूत्री में श्रीर पूर्ण स्प में विणित हैं), श्रीप जिन्हा करारणामा आयक्तर श्रीधिभयम, 1961 की धारा 269 केख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रिजस्टी है, दिसांक 4-10-1985

को पूर्वेदित सम्पत्ति के उत्तित बाजार मृत्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भून्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिचान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिचान में अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतिरितियों) के भीच ऐसे अंतरण के मिए तय पाया गया प्रतिफल, जिम्निए बित उद्देश्य से उक्त अंगरण सिक्षित में बास्तिक क्य से कथित नहीं किया गया है द्र--

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उकत अधिनियम को लधीन कार दोने के अन्तरक के दाबित्य में कासी करते या उसमे बचने में सुनिया। के सिए; और/या
- (च) ऐसी किसी बाय का किसी धन रा शांक प्राफिलां की, जिस्ही भारतीय आयात अधिक्ति स्म. 10 / १ (1922 का 11) या उन्नत अधिक्यम, या धार कार अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं क्रियत मधा या किया जाना कान्नित धा, व्यापानी से स्विका की तिए।

नतः सम्, उक्त स्रीभिनयम की धारा 269-ग के अन्सरक में, में, अक्त स्रीभिनयम की धारा 269-य की उपधारा (1) है स्थीन, निस्मसिवित व्यक्तियां, अभात्रक्ति

- (।) इण्डिस्ट्रियल आवसीजन पम्पनी (प्राहेबट) लिं० (अन्तरक)
- (2) श्रो जी । के ० पटनी श्रांप श्री ए० के ० पटनी (अन्तर्शियों)
- (3) अन्तरितियो

(वह व्यक्ति, जिसके आधमोग में सम्पत्ति है)

का यह सृचना चारी करके पृवाकत सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहिया गुरू करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी आक्षेप दः--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस धें 45 दिन की जबभि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी जबधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यारा;
- (**ए) इस स्**चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबक्ष किसी बन्च स्थावत खुवारा अभोहस्ताक्षरी के पार लिखिस में किए जा सकांग।

स्पच्छीकरणः → इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का जो उक्स अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाधित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

भ्रनुसूची

पलैट सं० 42, जो, 4थी मिजिं, जाली मेकर अवार्टमेंट सं० 1, टावर ए, कार पार्टिंग जिल्ल से के श्रोसी/34-35 के साथ, ब्लाक 5, बजबे रेक्लभेशा स्किस, बम्बर्ड-5 में स्थित है ।

अनुसूची जैमा कि त्र० मं० अई—1/37—ईई/7770/85— 86 ग्रीर जो सक्षम प्राधि गरी, बम्बई द्वारा दित्त व्याप्त — 1985 को रिकस्टर्ड विया गया है।

> अ० प्रगाद सक्षम प्राधिकारी महासक अयकर आयुक्त (भिरीक्षण), अर्जन रेज-1, बस्बई

दिनाक: 10-6-1986

प्र**का बार्**ु टॉंड पुन**ु पुन**ुस्कारकरण्या

हाब के दु विभिन्नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के संधीत सूचना

साइक वडलाइ

कार्वासव , सहायक बायकरु नायुक्त (निर्देशक)

ग्नर्जन रेंज-1 बम्बई बम्बई दिनांक 10 जून 1986

निदेश सं० श्रई-1/37-ईई/8249/85-86--श्रतः मुझे अ० प्रसाद

मायकार मिनियम, 1961 (1961 का 43) (विश्वे द्वाने इसके पश्चाक् 'उक्त मिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के मिनियम प्राप्तिकारी को यह विश्वात करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, विश्वका उपित काणार मृज्य 1,00,000/- रा. से विश्वक हैं

और जिसकी सं० 17वीं और 18वीं पूर्ण मंजिल, जो अर्नेस्ट हाउस इमारत नरीमन पांडंट बम्बई-21 में स्थित है (और इससे उपाब क्र अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा श्रायकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 4-10-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाबार मृत्य से क्षम के व्ययमान प्रिकलन के लिए बन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कार्ण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का स्वित वाजार पृत्य उसके क्ष्यमान प्रतिफल को न्त्रह प्रतिशत से विभिन्न है और वंतरक (वंतरका) बार बंतरिती (बन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के सिए तय-पाया गया प्रतिफल निम्निसित उद्देश्य से उन्त बन्तरण मिक्ति में वास्तिक्त रूप से किंगत नहीं किया गया है है—

- (क) अस्तरण से हुई किन्नी जाय की बासका कथर अधिनियम को अधीन कहि दोने के अस्तरक के बायित्व में कभी करने या उससे वचने में स्विधा के लिए: बीडि/या
- (क) श्री किसी नाय या किसी भन या जन्यः कारिसकी कां, जिन्हें भारतीय नायकारः निविचयनः, 1922 (1922 का 1त) या उन्नदः विभिन्नसः, या भनकार विभिन्नसः, 1957, (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ नेतरिसी व्वारा प्रकट नहीं किया ज्या था या किया जाना वाहिए था, छिपाने से श्रीक्षा के निए;

क्षतः जब, उक्त अधिनियम की भारा, 269 ना के अनुस्थलक ते, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269 म की ध्रमभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिकों, नभृति ६० 11—166GI/86

(1) जान बिल्डर्स प्राइवेट लि०।

(श्रन्तरक)

(2) दर्यनानी (इंडो सायगन) कन्प्ट्रमणन प्राइवेट लि०। (श्रन्तरिती)

को वह बुचना चर्डी करुके पूर्वोक्त, ब्रम्मिता के वर्चन के क्षिए कार्यवाहियां कारता हुं।

उन्हा सम्बद्धीतः के वर्षानः के संबंधः मेर कार्षाः भी वास्तेन ह

- (क) इस सूचना के राजपूज में प्रकाबन की तारीब ते 45 दिन की कविथ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तानीन से 30 दिन की वविथ, यो भी वविथ बाद में बनान्य होती हो, के भीतर पूर्वोक्त. व्यक्तियों में से फिसी व्यक्ति बुतारा;
- (क) इ.स. स्पना के राजपन में प्रकाशन की तारीय है 45 किया के भीतार जनतः स्थानर सम्पत्ति में हिट-नव्य कियी नन्त्र स्थानत इनारा नभोइस्ताशरी के पास-सिचित में किए जा सकोंगे।

स्वकाष्ट्रिकरण :---इसमें प्रयुक्त कव्यों और पदों का, को उक्त विभिन्नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होंगा को उस वध्याय में दिया भवा हीं।

प्रनुपूची

17वीं और 18वीं पूर्ण मंजिल अर्नेस्ट हाउस इमारत नरीमन पाइंट बन्धई-21 में स्थित है।

श्रनुसूची जैंसा कि ऋ• सं० श्रई-1/37-ईई/7766/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 4-10-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

> ग्र० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेजि-1 अम्बई

दिमांक : 10+6-1986

प्रक्रम बाह्र . दी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के मधीन सूचना

बाइव अडकार

कार्यालया, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1 बम्बर्ड

बम्बई दिनांक 10 जून 1986

निदेश सं० ग्रई-1/37-ईई/8263/85-86--श्रतः मुझे, श्र० प्रसाद

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रवाह 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ज के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित वाजार मृज्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० यूनिट मं० 309 जो, टी० वी० इण्डिस्ट्रियल इस्टेट तीमरी मंजिल प्लाट सं० 28ए वरली स्कीम 52 सी० एस० सं० 1/629 बम्बई-18 में स्थित है (और इससे उपाबद्व प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिमका करारनामा प्रायकर प्रधिनियम 1961 की धारा 269 कख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिनस्ट्री है दिनांक 4-10-1985

कर प्रतिकत सम्पत्ति के उचित बाबार शूस्य से कम के ध्रयमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मूं भे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेकित संपत्ति का उचित बाबार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से, एसे दश्यमान प्रतिकल का श्रवह प्रतिकत से अधिक है और अंतरक (अंतरकार्ते) बार अंतरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय भाषा गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण तिबित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है।——

- (क) जनकरण से हुई किसी जाम की बाबस, उक्त विधित्वस के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के जिए; बीड़/या
- (च) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य बास्तियों को जिन्हें भारतीय बाय-कर बीधीनवस. 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, धा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिसी ब्वारा प्रकट नहीं किया बंदा भा वा किया एका बाहिए था, जियाने में ब्रिया के विद्:

जतः अव, अवत आंभीनवम, की भारा 269-ग के जन्तरम में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, ∫नम्नीसियत व्यक्तियों, बभात ड—

- (1) दि फार्मास्युटीकल एण्ड केमिकल इन्डस्ट्रिज । (ग्रन्तरक)
- (2) मेसर्स ब्ल्यू डार्ट क्युरीग्रर सिवसेस। (ग्रन्तरिती)
- (3) अन्तरितियो । (वह व्यक्ति जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

की पह श्रामा हारी कड़के पूर्वोच्छ श्रामारिक के अर्थन औ निए कार्यशाहिनों कड़का हुन्।।।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के स्वपंत्र में प्रकाशन की ताड़ीश से 45 कि की व्यक्ति का स्वयंत्रकारी करित्रकों पूड़ सूचन की ताशील से 30 दिन की नविभ, को भी क्वींथ बाद में क्यांच्य होती हो, के भीतर पूर्वोक्य स्वत्यों में से किसी स्वृतित् ब्वाडा;
- (क) इन्द्र सुम्बन को हायपुन को मुक्स वन् की साहीक को 45 दिन को भीतर उक्त स्थावत सम्पत्ति में हित्ब वृथ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए वा सकों वे।

स्थव्यक्रियणः— इसमें प्रयूक्त शक्यों और पर्यो का, जो उनक अधिन्यक, के बध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही वर्ष होता औ उद्यूष्ट्याद के दिया भवा हैं।

नगत्त्रजी

यूनिट सं० 309, जो, तीयरी मंजिल टी० वी० इंडस्ट्रियल इस्टेट प्लाट सं० 28-ए वरली स्किम 52 सी० एस० सं० 1/629 जंक्शन श्राफ सुदाम के० श्रहेरे मार्ग और वरली रोड वस्बई-18 हु स्थित है।

प्रनुसूची जैसा कि ऋ० मं० ध्राई-1/37—ईई/7780/85–86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 4-10–1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

श्र० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-1 बम्बई

दिनांक : 10-6-1986

प्ररूप आइ ुटी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा) 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारक सरकार कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1 अम्बई

बम्बई दिनांक 10 जून 1986

निदेण सं० श्रई-1/37-ईई/8559/85-86--श्रतः मुझे, श्र० प्रसाद

भायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृत्य

1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० पलैंट सं० 53 जो ब्लाक बी०, स्याम निवास; 51 भुलाभाई देसाई रोड बम्बई-26 में स्थित हैं (और इससे उपाबद श्रनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित हैं) और जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम 1961 की धारा 269 कख के श्रिधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री हैं दिनांक 30-10-1985

को पूर्वोक्स संस्थात के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थ्यमान अतिफल को लिए अतिरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफल से, एसे स्थ्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकार के अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितिसः) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्योध्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक स्था से किया गया है ६—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ करें, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गथा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः, अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) ಈ अधीन, निम्निसिसित व्यक्तियों, अर्थात् ः— (1) श्री प्रकाण एम० मुखरानी।

(ग्रन्तरक)

(2) मोहनभाई ग्राफ नवसारी हिं० ग्र० कु० भरत मोहनभाई हिं० ग्र० कु० महेश मोहनभाई हि० ग्र० कु० विजय मोहनभाई । (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भा अविधि बाद में समाप्त होती हो , के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (सं) इस सुमना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं
 45 दिन के भीतर उक्त स्थाघर सम्पत्ति में हितवर्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी असे
 पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुगुची

फ्लैंट सं० 52 जो ब्लाक बी, श्याम निवास 51 भुलाभाई देसायी रोड बम्बई-26 में स्थित है।

श्रनुसूची जैंसा कि कि मं॰ श्रई-1/37—ईई/8062/85— 86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 30-10— 85 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ग्न० प्रमाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1 अम्बई

दिनांक: 10-6-1986

भ्रम्य आहे. टी. एम. एस. ५०००

शास्कड विभिनियस, 1961 (1961 का 43) वेडी भारा 269-ज (1) के बंभील सूचना

ब्रास्त बरकार

कार्यासय, सहायक वायकर नायकर (निरोक्तन) अर्जन रेंज-1 बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 जून 1986

निवेश सं० श्रई-1/37-ईई/8557/85-86--श्रतः मुझे, ग्र॰ प्रसाद

नायकर ऑपिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पक्तीत् 'उन्त अधिनियम' अर्हा प्रया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण ही 'क स्थावर सम्पत्ति, जिसका उमित भाजार मृस्य रु. 1,00,000/- से अधिक हैं

अार जिसकी सं० फ्लैंट सं० 2, जो, ब्लाक सं० 8, कुलाबा लेण्ड मिल को०-आप० सोसायटी लि०, एस० भन्छा मार्ग, कुलाबा बम्बई-5 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुस्वी में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिलका करारतामा श्रायकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कछ के श्रधीन बम्बई में स्थित सक्षम प्राधिकारी दिनांक 29-10-85 के कार्यानय मे रजिस्ट्री है।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित आजार मूस्य से कम के द्रश्यमान प्रिक्षित के सिए अस्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूच्य, उसके दृश्यमान प्रतिकाल से एसे दृश्यमान प्रतिकाल का पन्त्रह प्रतिचात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और असिरती (अंतरितियाँ) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकाल निम्मितियाँ उद्देष्य से उक्त अंतरण निम्नित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी माथ की यावत, उक्त मधिनियम के मधीन कर दोने के जन्तरक के दावित्य में क्षत्री करने या उत्तसे बच्ने में सुविधा में लिए? मौड्र/या
- (क) ऐसी किसी बांग या किसी भन या बन्य बास्तियों की, जिन्हों भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 की 11) या उत्तर जीधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 की 27) के प्रयोज-वार्थ बन्दिरती द्वार प्रकट नहीं किया गया भा वा किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा जै विष्;

क्त अंब, उक्त अधिनियम की भाग 269-ग के अनुसरक को, मी, उक्त अभिनियम की भाग 269-भ की उपधारा (1) को सथीन, निस्तिसिक्त व्यक्तिकों, अर्थोत् ॥—— (1) श्री शहासी० गोउसे।

(भ्रन्तरक)

- (2) श्री प्रेमचन्द ग्रगरवाल ।
- (ग्रन्तरिती)

(3) अन्तरक।

(वह व्यक्ति जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त अध्यक्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहिक्षां करता हुं।

उन्त संम्येति के नर्जन के संबंध में कोई भी नाक्षीप ह—

- (क) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी जनिष श्राव की समाप्त हीती हो, के भीतर पूर्वें कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- '(च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हिसबद्देश किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी की पास सिचित में किए वा सकेंचे।

स्थळीकरणः :---इसमं प्रयुक्त शब्दो और पदों का, जो उक्त जिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वहीं वर्ष होगा जो उस जध्याय में विका गया है।

यम्स्यी

फ्लैंट सं० 2, जो, ब्लाक सं० 8, कुलाबा लण्ड मिल को०-ग्रॉप० सोसायटी लि०, एय० भक्ष्वा मार्ग, कुलाबा बम्बई में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि कि० मं० अई-1/37-/8060/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बस्बई द्वारा विनांक 29-10-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है

> अ० प्रसाद मक्षम प्राधिकारी, महायक आयकर आयुवन (निरीक्षण) अर्जनरेज-1, बम्बई

दिनांक : 10-6-1986

माहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस्.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायकत (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज-1 बम्बई बम्बई दिनांक 10 जून 1986

निदंश सं० श्रई-1/37-ईई/8518/85-86--श्रतः मुझे श्र० प्रसाद,

वायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) शिवा इतमें इसके वर्षात् 'वर्ष्य विश्वियय' कहा गया हैं), की शास 269-क् के वर्षीय सक्तम प्राधिकारी को यह विश्विय करूने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, विश्वित उच्चित वाचार मृत्य (1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० कार्यालय सं० 1206 जो, दूसरी मंजिल इमारन अटो कामर्स हाउम, केनेडी बीज बम्बई-7 में स्थित है) और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विजित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है दिनांक 25-10-85

को पूर्वोवत संपत्ति को उचित वाकार मृत्य से कम के स्वयंत्रान प्रतिकल के सिए बंतरित को गई है और बृक्षे बहु विकास करने का कारण है कि यथापूर्वोवत संस्पति का उचित वाजार मृत्य उसके स्वयंत्रान प्रतिकल का पन्तर प्रतिकल का पन्तर प्रतिकल का पन्तर प्रतिकल के अधिक है और अन्तरक (बन्तरकों) और बन्धरिसी (बन्तरिस्यों) के बीच एसे जन्मरण के लिए सब पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखिस उद्देश्य से अवस अन्तर्भ जिल्ला के बार कर्मा की बार कर्मा की बार कर्मा की बार कर्मा की कारल कर से कारल नहीं सिया स्था है कर्मा

- (क) जनसूर्ण से हुई किसी बाय की वावल, उच्छ अभिनियम के बधीय कह दोने के जनसरक बी सामित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के बिए; और/मा
- (क) एसी किसी जाम ना किसी भन वा अन्य बास्तिमों को, जिन्हों भारतीय आयकार अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, वा प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए मा, कियाने में सूर्तिभा चौ किया:

सतः अब, ७५. अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण प मैं. उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्निलिखिस व्यक्तियों, अर्थीन :---

(1) श्रीमती मधुबाला चावला।

(श्रन्तरक)

(2) श्रम्रवाल इस्पात प्राइवेट लि०।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्ति सम्पत्ति को अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वान को श्रावण में प्रकारण की दासीय है, 45 किन की संवधि या दार्चनंपः व्यक्तियों पूर्व स्वान की श्रावील के 30 किन की क्यांति , की नी क्यांति कार में स्वान्त होती हो, की श्रीतार प्रविका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति कुराता;
- (क) इक कुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पाक सिस्थित में किए जा सकेंगे।

धन संची

कार्यालय सं० 206, जो, दूसरी मंजिल, इमारत एटो काँमर्स हाउस, केनेडी ब्रिज बम्बई--,7 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क० मं० श्रई-1/37-ईई/8021/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 25-10-1985 को रिजस्टड किया गया है ।

> श्र० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1 बम्बई

दिनांक : 10-6-1986

प्रस्य वाद्रै,टी.एन..एस..-----

भायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के भरीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1 बम्बई

बम्बई दिनांक 10 जून 1986

निदेश सं० अई-1/37-ईई/8305/85-86--अतः मुझे, ग्र• प्रसाद

आसकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हुँ), की बारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैंट सं० 3 जो 5वीं मंजिल इमारत सं० 2 मझदा मन्णन 65/67 वार्डन रोष्ठ (भूलभाई देसाई रोड) बम्बई-26 में स्थित हैं (और इससे उपाबढ प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं) और जिसका करारनामा प्रायकर प्रधिनियम 1961 की धारा 269 कख के प्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री हैं दिनांक 9-10-1985

को पूर्वों कर सम्परित के उचित बाजार मृस्य से कम के दरमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कर सम्परित का उचित बाजार मृस्य, उसके दरममान प्रतिफल से एसे दरममान प्रतिफल का पर्याह प्रतिकत से विभक्त है वौर अंतरक (वंतरका) वौर अंतरिती (जन्तोरितियों) के बीच एसे जन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निजिबत उद्बेद्द ये उक्त अम्तर्ण सिबित में बास्सिक रूप से कियत नहीं किया नवा है।

- (क) क्लारक में हुई किसी काम की बावता, अवस मुधिनियम के सभीच कर दोने के सम्बद्ध के क्रियल में कमी करने वा उत्तर वभने में सुविका के लिए; बॉर/या
- (प) एंसी किसी आभ या किसी धन या अन्य आस्तिया को चिन्हें भारतीय जायकर जिथिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोधनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविभा के लिए।

भतः अतः अवः अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धः। 269-थ की उपधारा (1) के अधीम, निम्मलिकित स्थिक्त स्थित्यों, स्थात्:—

(1) भ्रवन्ती हाउसिंग इण्टरप्राइजेस।

(भ्रन्तरक)

(2) चन्द्रकुमार गोपालदास मेहरा ।

(अन्तरिती)

(3) म्रन्तरकों।

(वह व्यक्ति जिसके श्रिक्षभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के अर्जन के चिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्स सम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में कीई भी बाखेंप 🗪

- (क) इस सूजना के राजपत्री में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूजना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बार में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितजद्भ किसी अन्य व्यक्ति च्वारा अभोहस्ताक्षरी के पाछ लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-कं में परिभाषित है, वहीं अर्थ होना, जो उस अध्याय में विशा भया है।

अनुसूची

फ्लैट सं० 3 जो 5वीं मंजिल इमारत सं० 2 मझदा मेन्शन 65/67 वार्डन रोड (भुलाभाई देसाई रोड) बम्बई-26 में स्थित हैं ।

श्रनुसूची जैसा कि कर सं० श्रई-1/37-ईई/7870/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 9-10-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> श्र० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1 बम्बई

दिनांक : 10-6-1986

मोहर 🕄

प्ररूप आई. टी. एन / एस.-----

बायुक्तर वृधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धरा 269-म (1) के अभीन सूचना

भारत परकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त ([नरीक्षण)

ध्रजंन रेंज-1 बम्बर्ध

बम्बई दिनांक 10 जून 1986

निवेश सं० श्रई-1/37-ईई/8333/85-86--श्रतः मुझे, श्र० प्रसाद

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनिम' कहा गया हों), की धारा 269-ज के 269-ज के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित् बाजार मृख्य 1,00,000/- रहा. से अधिक है

और जिसकी सं० ध्राफिम प्रिमायसेस जो गरेज और कार पार्किंग जगह और श्रन्य प्रिमायसेस के साथ (विस्तार 14480 चौरस फीट) निर्माणाधीन इमारत स्टैण्ड कम्पाउण्ड सिनेमा कम्पाउण्ड कुलाबा बम्बई – 5 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची और पूर्ण एप से विणित है) और जिसका करारनामा ध्रायकर प्रधिनियम 1961 की धारा 269 कख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है दिनांक 10–10–1985

भा पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के कायमान ब्रातिकम के निरं अन्तरित की गई है और मुम्ने यह विश्वाद करने का कारण है कि सभापूर्वोक्त संपरित का उचित बावार भूका, उसके कायमान प्रतिकल से ए से कायमान प्रतिकल का वन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (जन्तरितियों) के बीच ए से अन्तर्ग के निए तय पाया गया प्रतिक्कत, निम्नोनिचित उद्देश्य से उन्त अन्तरण निम्नित में बास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी वन या बन्य वास्त्रियों को, जिन्हों भारतीय नायकर निपनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा वनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोधनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा किया वाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए

वतः अवः, उक्त अभिनियम की भारा 269-व के जनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) के अधीर्भ, निम्नुलिवित व्यक्तियों के अर्थीष् करूर

- (1) एसोसिएटेंड बाम्बे सिनेमाज प्राइवेट लि०। (ग्रन्तरक)
- (2) इंडो सायगन एजेंसी (प्रोप्राइटर-गोविंद के० दर्यनानी)।

(श्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हुई।

उन्त बुर्मित हो वर्षन के बुर्म्म में कोई भी आक्षेत्र 🗝 🗝

- (क) इंड सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की सारीक कें 45 दिन की जन्मिया उत्संत्री व्यक्तियों पृष्ठ सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जन्मि नाद में सुमाप्त होती हो, के भीत्र कुन्ने क्य व्यक्तियों में से किसी स्प्रीक्त हुन्।रा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्र किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें दे।

स्थानिक रणः - इसमें प्रयुक्त सक्यों और पदाँ का, वो उन्नास अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं सूर्य होणा वो उस अध्याय में विका स्था हैं।

अनुसूची

श्राफिस प्रिमायसेस जो गरेजेस और कार पार्किंग जगह और श्रन्य प्रिमायसेस के साथ (विस्तार 14480 चौरस फीट) निर्माणाधीन इमारत स्टैण्ड सिनेमा कम्पाउण्ड कुलाबा बम्बई— 5 में स्थित है ।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-1/37-ईई/7847/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई धारा दिनांक 10-10-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> श्र० प्रसाव सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजेन रेंज्−1 बस्बई

विनांक : 10-6-1986

शस्य वार्द् <u>.टी. ए</u>स. एस. -=-----

नायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन स्थान

भारत स्रकार

कार्यासर, सहायक जायकार मानुनत (निर्द्रीकान)

श्रर्जन रेंज-1 अन्बर्ष

बम्बई दिनांक 10 जून 1986

निवेश सं० मई-1/37-जी/5317/85-86--म्रत. मुझे ए० प्रसाव

कासकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उकत अभिनियम' कहा गया हु"), की भारा 259-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विरुवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अभिक्र है

और जिसकी सं० एफ० पी० सं० 578 और 579 सी० एस० सं० 1/1554 और 1554 (अंग) लोग्नर परेल डिविजन बम्बई में स्थित हैं (और इससे उपाबब प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विजत हैं) रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन विनाक 8-10-1985

को पूर्वोक्त राज्यक्ति को उपित बाजार मूल्य से काम को स्वय्वान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपरित का उपित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे स्थ्यमान प्रतिफल का पन्सह प्रतिस्त से अधिक है और अन्तर्क (अन्तर्कों) और अंतरिती (अंतरितियों) को बीच एसे अंतरण को लिए तय पाया गया प्रतिस्त निम्निलिखित उद्विष्य से उसत अंतरण निम्निलिखित में अस्तिक क्य से कियत नहीं किया बंदा है है—

- (क) विद्युष् सं हुई किसी त्राय की वावत्, अयद विधिनियम के बधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने मा उससे क्याने में स्विधा के चिए; करि था।
- एसी किसी बाब या किसी धन वा बन्य बास्तिकों करें, जिन्हों भारतीय आय-कार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उसका अधिनियम, यह धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विचा के सिए;

करह, जन, उनक अभिनियम की भाग 269-ए की जनसरक हो, जी, उनक अधिनियम की वारा 269-ए की उपधारा १९८ की अभीन, निम्निविधित व्यक्तियों, अधिक ।——

- (1) श्री भ्रत्लू बेहराम हाथीखानवाला । (ग्रन्तरक)
- (2) श्री टी० एव० छात्रीया और एच० पी० कथानी। (भ्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी कन्नके पूर्वीक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हां।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 39 दिन की जबिध, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारीब से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी जम्ब व्यक्तिः व्यादा, जभोहस्ताकरी के पास सिचित में किए का सकीने।

ल्पकाकरणः ---इसमे प्रयुक्त शब्दों आर पदों का, जो उपत भौधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाधित है, वही अर्थ होगा को एम अध्याय में दिया भना है।

प्रमुसुची

एफ० पी० सं० 578 और 579 सी० एस० सं० 1/1554 और 1554/(अश) लोग्रर परेल डिविजन बम्बई में स्थित है ।

प्रनुसूची जैसा कि विलेख स० बॉम 1172/82 और जो उपरजिस्टार बम्बई द्वारा दिनांक 8-10-1985 की रजिस्टर्ड किया गया है ।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-1 बम्बई

विनांक : 10-6-1986

पक्ष वार्ष .टी .पुन .पुर

भाशकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कर्र भारा 269-म (1) के भनीन क्वरी

भारत संस्कार

कार्यालय, सहायक जामकर कार्यका (निर्योक्तन)

ग्रर्जन रेंज-1 बम्बर्ड बम्बर्ड, दिनांक 10 जून 1986 निदेश मं० ग्रई-1/37-ईई/5333/85-86--ग्रन सुझे ए० प्रसाद

बाबकर अभिनवन, 1961 (1961 का 43) (चित्र इसमें इसमें प्रथात् 'उक्त निभिनियन' कहा गया हैं), की भाक 269-ख को नभीन सक्षत्र प्राधिकारी को वह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिस*ा* उचित वाजार अस्य 1,00,000/- रू. से अधिक ही

और जिसकी संव सम्पत्ति जिसका सीव एसव संव 33 कुलाबा डिविजन कुलाबा बम्बई में स्थित हैं (और इससे उपाब ब्र म्रुन् सूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनांक 24-10-1985

को वर्चीयन सम्पत्ति के उचित बाजार मल्य से कम के दश्यमाण प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक सम्भारत का उचित बाजार भूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं एंसे दश्यमान प्रतिफल का अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एंसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिन उद्देश्य से उक्त जन्तरण जिल्लाक ए यम्पतिक स्पार्थ अधित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मे कमी करने या उसते बकाने में सृविधा के निए, और/या
- (स) होमा किसी आय या किसी नेन या अन्य आस्तियों कर जिन्हें भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1977 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वार प्रकट नहीं जिया गया था या किंगा जाना वाहिए था, छिपान में समिधा के लिए;

(1) श्री पालनजी णापूरजी मिस्त्री ।

(म्रन्परक)

- (2) रटिलिंग इन्क्हेस्टमेटस कारपोरेशन प्राइवेट रिल्। (श्रन्यस्ति)
- (3) श्रन्तिरितियो । (वह व्यक्ति जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षोप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में अकश्वान की तारीच स 45 दिन की नवींच ना असम्बन्धी स्मिक्तयों पर सूचना की तामील थे 30 दिन की अनुधि, जो भी जनींच बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हवारा;
- (व) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबर सम्पत्ति में हिष्ठबब्ध किसी जन्य व्यक्ति व्याप अंगेहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकें :

स्पष्टीकरणः -- इसमे प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति जिसकासी० एस० सं० 33 कृतावा डिविजन कृलाबा बम्बई में स्थित है ।

श्रनुमूची जैसा कि विलेख मं० वाम 1102/81 और जो उपरजिस्ट्रार बम्बई क्षारा दिनांक 24-10-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज-1 बम्बई

दिनांक : 10-6-1986

प्ररूप आई.टी,एम.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

and and the first and the second of the sec

भारत शरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जुद्ध रेंग्ट्रिज, इक्सई

बम्बई, दिनाँ । 12 जून, 1986

भिदेण मं० अई-3/37-जी/2751/85-86--- अत: मुझे ए० স্থাৰ,

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् (उबत अधिनियम) कहा गया है), की धारा 269-स के स्वीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण अभिन स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित काजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

स्रोतिशिक्तोमं र प्याटनं र 3, मीरुटी राष्ट्रम् र 401, प्याटनं र 4, गीरुटी राष्ट्रम् र नं र 402, बिलेश बालभाष, स्रोलेंम, मालाड वस्त्रई में स्थित है (स्रोत इस्त्रे अपावद्ध अनुभूत्री में स्थार पूर्णका से विणान है), पिलाड़ी हर्त हिंधकारी के हार्यालय, बस्बई में पिलाड़ी एण स्विधियम, 1908 (1908 का 18) के अधीय, वारीख 25-10-1985,

कां प्रतिक्ष्य सम्पत्ति के उभित बाजार मुख्य सं क्षय के स्वयास अर्थतिकाल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास अर्थन का कारण है कि बथाप्योक्त सम्मतित का उभित बाजार मुख्य उपा के शवकान प्रीतक्षक को पत्त्रह प्रतिक्षय न अधिक है और जन्मरक (जन्मरकों) और असरिती (अन्तर्विद्धां) के तीम एसं जन्मरण के सिए तम पाम बंबा प्रतिक्षयां) के तीम एसं जन्मरण के सिए तम पाम बंबा प्रतिक्षयां। सं अस्तर्व जन्मरक विविक्ष के वास्तर्व हुए से किथा नहीं किया गमा है हु—

- (क) अल्ल्ड्रण से हुइ किसी बाम की बावस, उक्त मधिनित्रभ के अधीन लार दोने के अल्डरफ के दावित्व में क्ली करने या उससे अधने में स्विधा के किए; और/या
- (च) होती किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों करों, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया क्या भा या किया जाना चाहिए भा. छिपाने में मुविधा के न्तिए।

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) ग्रेगरो डिमुजः

(अस्तर्भाषात्रः)

(2) मालाड कर वेला को०-आप० हार्जमग[े] सोसाइटो जिल्हा

(अध्वरिती)

को यह सूचना जारी करके पृशेंक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यशाहियां शुरू करता हुं।

उनत संगीत में नर्णन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :---

- (ह) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की व्यक्तियों, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से फिसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीचं शं 45 विम् के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्तबव्ध किसी मृत्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास सिमित में किए जा सकोंचे।

स्वयक्तिकरणः — इसमे प्रश्नुकत शब्दों और पदों का, जो उसस विधिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया नवा है।

ममुस्ची

ण्याट नं० 3, मी०टी०एप० नं० 401, प्लाट नं० 4, मी०टी०एप० नं० 402, विलेश वालतात, स्रोलींम, मालाड, यस्त्री में विश्वतिक

अनुभ्वी जैसा कि कर संरुष्यर-3354/82, और जो उप-र्यायद्वार, बस्बई द्वारा दिशांक 25-10-1985 को रिप्यटई वियागमा है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी भहायणकाय इर आधुवत (निरीक्षण) धर्जान रें ज-3, नम्बई

वारोख: 12-0-1986

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi, the 30th May 1986

No. A. 12023/1/86-Admn. II.—The Chairman, Union Public Service Commission, hereby appoints Dr. I. Panduranga Rao, Director (O. L.) (Central Secretariat Official Language Service) in the office of the Union Public Service Commission, to the ex-cadre post of Director (Language Medium) in the pay scale of Rs. 2250-125/2-2500 in the Commission's office on an ad-hoc basis for a period of six months w.e.f. 26-5-1986 to 25-11-1986 or until further orders, whichever is earlier.

2. The appointment of Dr. I. P. Rao as Director (1.M) will be on deputation basis and will be regulated in terms of Ministry of Finance, Deptt. of Exp. O. M. No. F. 1(11)-E.III (B), 75 dated 7-11-1975.

The 2nd June 1986

No. A-32014/1/86-Admin. III.—The President is pleased to appoint following regular Section officers of the CSS Cadre of the UPSC to officiate as Desk Officer on ad-hoc basis for the period indicated against each or until further orders, whichever is earlier:—

S. No. and Name

Section 4 between 1/2/1/2004 and the 4-th-sections

- 1. Shri Krishan Lal-I, 2 6-36 to 18-7-86
- 2. Shri S. K. Atora, 2-6-86 to 11-7-86
- 2. The above noted persons shall draw special pay @Rs. 75/- p.m. in terms of Deptt. of Personnel and ARS OM No. 12/1/74-CS.I dt. 11-12-75.

The 6th June 1986

No. A. 32014/1/86-(ii)-Admn, I--The President is pleased to appoint the undermentioned Personal Assistants of the CSSS cadre of Union Public Service Commission as Senior Personal Assistants (Grade 'B' of CSSS) in the same cadre on ad-hoc basis for 3 months w.e.f. 2-6-86 as shown against their names or until further orders, whichever is earlier:

Sl. Name No.		Period
S/Shri	 	 _ -
1. V.P. Mahajan .		2-6-86 to 1-9-86
2. Smt. Saroj K. Kapoor		Do.
Lakh Raj Gupta		Do,
4. K. K. Garg .		Do,
Rameshwar Dass		Do.

2. The above mentioned persons should note that their appointment as Senior Personal Assistant (Grade B of CSSS) is on ad-hoc basis and will not confer on them any title for absorption in Grade B of CSSS or for seniority in that Grade Further, their appointment is subject to the approval of the Department of Personnel & Training.

The 10th June, 1986

No. Q. 31014/1/86-Admn. III—The President is pleased to appoint the following officiating Section Officers of the CSS Cadre of the Union Public Service Commission and included in the Select List of Section Officers' Grade in the same cadre, substantively to the Section Officer Grade of the Service in the cadre of the Union Public Service Commission w.e.f. the date indicated agains | each :

Sl. Name & Desig No.	nat	ion				Date of Confir- mation
S/Shri						
1. Yashpal Dabas			,	,		1-5-85
2. Anil Kumar						1-5-85
M.M. Chopra					٠.	Do.
4. 3 2 Kil i						D>

1 2		,			3
S/Shri		 		•	1-5-85
5. Hukam Chand .					Do.
6. Puran Chand (SC))				Do.
7. Jug Lal (SC)		,			Do.
8 T. Lugun (ST)					Do
9, Smt. Parvati Kaut	ia (SC)				Do.
10. S.C. Maitra (SC)					Do.
11. K.V. Mathew .					Do.
12. Kuldeep Kumar					Do.
13. Krishan Lal -!		,			Dο.
14. S.K. Arora					Dο
15. Mehar Singh .				1	1-3-86
16. K.M.I. Yusuf	-		-		1-4-86

The 12th June 1986

No. A-122025(ii) /2/86.III.—Consequent on his nomination to the CSS Cadre of the U.P.C.G. for inclusion in the Select list of Section officers 'Grade for the year 1985 against the seniority quota, the President is pleased to appoint Shri Arun Kumar, an ad-hoc Section officer of the CSS Cadre of the Ministry of Communications (Department of Telcom), in the Section officers' Grade of the CSS Cadre of the Union Public Service Commission w.e.f. 12th June, 1986 (F. N.).

2. His appointment shall be subject to the result and final decision of the C.W.P. No. 1194/73 pending in the Delhi High Court.

The 1st July 1986

No. A. 38013/10/85-Admn. III.s The President is pleased to permit Shri S. D. Mall, a permanent. Assistant and officiating Section Officer on ad-boc basis in the CSS Cadre of the Union Public Service Commission—to retire from Government Service, on attaining the age of superannestion with effect from the afternoon of the 30th June, 1986 in terms of Department of Personnel and Administrative Reforms—O. M. No. 33/12/73-Estss—(A) dated the 24th November, 1973.

The 19th July 1986

No. A. 38013/11/8-Admn. III—The President is, pleased to permit Shri O. P. Goyal, a permaneut Assistant and officiating Section Officer on regular basis in the CSS Cedic of the Union Public Service Commission to retire from Government Service, on attaining the age of superannuation with effect from the afternoon of the 30th June, 1986 in terms of Department of Personnel and Administrative Reforms O. M. No. 33/12/73-Estss (A) dated 24th November, 1973.

M. P. JAIN Under Secy. (Per. Admn.) Union Public Service Commission

MINISTRY OF PERSU. & TRG., ADMN. REFORMS PUBLIC GRIEVANCES AND PENSION

CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi-3, the 20th June 1986

No. K-3/69-AD. V.—Shri K. Dayal has relinquished the charge of the post of Dy. Legal Advisor/CBI consequent upon his voluntary retirement from Govt, service wef 31st May, 1986 (A.N.)

The 1st July 1986

No. R-5/70-AD. V.—The President is pleased to appoint Shri R. S. Jamuar, Senior Public Prosecutor, Central Bureau of Investigation as Deputy Legal Advisor in C 31 with effect from 25-2-86 on regular basis and till further orders.

The 1st July 1986

No. 3/21/85-AD, V.—The services of Shii V. Nantha-kumar, APP Grade II, Madras working as Senior Public

Prosecutor, Central Bureau of Investigation, Coehin Branch, on deputation, are placed at the disposal of the Government of Tamil Nadu, on repatriation, with effect from 11-6-86 (A. N.)

The 3rd July 1986

No. A-19025/3/83-AD. V.—Services of Shri V. Thiagarajan, APP Grade I, Tamil Nadu, working as Senior Public Prosecutor, Central Bureau of Investigation, GOW Madras, on deputation, are placed at the disposal of Govt. of Tamil Nadu on repatriation w.e.f. the afternoon of 6-6-86.

No. 3/25/86-AD. V.—The Director, Central Bureau of Investigation and Inspector General of Police, Special Police Establishment is pleased to appoint Shri A. K. Dhingra, Desk Officer, Ministry of Environment and Forests (Department of Environment, Forests & Wildlife), as Junior Analyst in the Central Bureau of Investigation on deputation basis for a period not exceeding 5 years with effect from the forenoon of 4th June, 1986 and until further orders.

D. P. BHALLA Administrative Officer (E)

DIRECTORATE GENERAL C.R.P.F.

New Delhi-110003, the 1st July 1986

No. O. II-2214/86-Fstt —The President is pleased to appoint Shri K. P. S. Gill, IPS (A&M: 1957) as Inspector General of Police in C.R.P.F in the pay scale of Rs. 2500-2750/- for the remaining period of his Central deputation upto 5th June, 1990 on usual terms and conditions under the revised Tenure Rules.

2. The officer, accordingly took over charge of the post of IGP S/V, C.R.P.F, Chandigarh at Delhi in the forenoon of 27-6-86.

ASHOK RAJ MAHEEPATHI Assistant Director (Estt)

DIRECTORATE GENERAL

CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-110003, the 27th June 1986

No. E-32015(4)/1/86-Pers.I.—The President is pleased to appoint Shri M. Mukherjee, on promotion as Assistant Commandant (JAO), CISF HQrs (R&S), New Delhi with effect from the forenoon of 18th June, 1986.

New Delhi-110003, the 2nd July 1986

No. E-16013(2)/1/86-Pers. I.—Consequent on his appointment as Inspector General, Central Reserve Police Force, in the pay scale of Rs. 2500-2750 for the remaining period of his Central deputation upto 5th June, 1990. Shri K. P. S. Gill, IPS (A&M: 57) relinquished the charge of the post of Inspector General (HQ). Central Industrial Security Force, New Delhi w.e.f. the afternoon of 26th June, 1986.

Director/General CISF

OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhi, the 1st July 1986

No. 11/8/84-Ad. I.—On the recommendations of the Departmental Promotion Committee, the President is pleased to grant Shri N. Rama Rao, a permanent Deputy Director of Census Operations, presently officiating as Assistant Regisof ceneral (Census and Tabulation), officiating proforma promotion to the post of Ioint Director of Census Operations in the pay scale of Rs. 1300-50-1700 under the "next below rule" with effect from 23-9-85.

The seniority of Shri N Rama Rao in the grade of Joint Director of Census Operations will be above Shri J. C. Kalra

who was promoted to the post of Joint Director of Census. Operations vide this office order of even number dated 23-9-85.

V. S. VERMA Registrar General, India

MINISTRY OF FINANCE DEPTT. OF ECO. AFFAIRS INDIA SECURITY PRESS

Nasik Road, the 30th June 1986

No. 189/A.—The undersigned is pleased to appoint Shri A. K. Biswas a regular Sectional Officer, to officiate as Administrative Officer (Group 'B' Gazetted) in the India Security Press, Nasik Road, on ad-hoc basis for a period of 6 months with effect from 8-6-1986 (A.N.) or till the post is filled on regular basis, whichever is carlier.

P. S. SHIVARAM General Manager India Security Press

BANK NOTE PRESS

Dewas (M.P), the 1st July 1986

No. BNP/C/5/86.—The following Deputy Technical Officer (Ink Factory) are appointed to officiate on regular basis as Technical Officer (Ink Factory) in the scale of pay Rs. 650-30-740-35-810-IB-35-880-40-1000-EB-40-1200 (Group 'B' Gazetted) in the Bank Note Press, Dewas (M.P.) w.c.f. 25-6-86 (Forenoon) until further orders.

S. No. and Name of the officer

S/Shri

- 1. B. K. Kher
- 2. T. R. Nimie (SC).

M. V. CHAR General Manager

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL (A&E) J&K

Srinagar, the 2nd July 1986

No. Admn. I/A&E/85-86/60(25)/1351.—Accountant General J&K Srinagar has been pleased to appoint Sh. Bansi Lal Karwani, temporary Section Officer to the post of Accounts Officer in the pay scale of (Rs. 840-40-1000-EB-40-J200) in an officiating capacity w.e.f. 13-6-1986 (FN). He will rank next to Sh. Rajinder Saroop Bahl, (AO.) in the officiating Accounts Officer's cadre.

A. K. SHARMA Sr. Dy. Acett. General (A&E)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL (AUDIT) J&K SRINAGAR

Srinagar, the 12th June 1986

No. Admn. I/Audit/24-A-I,—The Accountant General. J&K has been pleased to promote Shri Omkar Nath Sapori (Date of birth: 2-9-1946) Section Officer as Asstt. Audit Officer (Group-B Gazetted) in an officiating capacity in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-880-FB-40-1040 with effect from 11-6-1986 (FN).

The promotee can exercise option within one month of the date of promotion in terms of Govt. of India, Ministry of Home Affairs, Deptt. of personnel and Administrative Reforms Office Memorandum No. F. 7(1)/80-Fstt. P.I. dated 26-9-1981 either to have their pay fixed in the scale of Rs. 650-1040 under FR 22-C straightway or have it initially

fixed under FR 22 (a) (i) which may be refixed under FR 22-C on the date of accrual of the next increment in the scale of Rs. 500-900.

> BALVINDER SINGH Dy. Accountant General (Admn.)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL I (A&E) UTTAR PRADESH

Allahabad, the 19th June 1986

1/4-144/Notn.--The Principal No. Admn. Accountant General, U.P., Allahabad has appointed the following section Officers to Officiate as Accounts Officers in this office until further orders, in the pay scale of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200 with effect from the dates noted against each:

- 1. Subhash Chandra Ganguli-10-6-86 F.N.
- 2. Chauhariya Prasad Tripathi-10-6-86 F.N.
- 3. Purna Chandra Brahma-10-6-86 F.N.
- 4. Ku. Saroj Bala Agarwal-10-6-86 F.N.
- 5. Narundra Kumar Singh-10-6-86 F.N.
- 6. Syed Habib Hasan Zaidi-10-6-86 F.N.
- 7. Mohd Hamid Ahmed-10-6-86 F.N.
- 8. Nirmal Kumar Sinha--10-6-36 F.N.
- 9. Vijay Kumar—10-6-86 F.N.

MINAKSHI CHAK Deputy Accountant General (Admn.)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL (AUDIT): 1: KARNATAKA: BANGALORE

Bangalore, the 6th June 1986

No. AG(Au)1 Admn-1/A-1/86-87/111.—The Accountant General (Audit) I is pleased to promote to Shri S. Rajarathinam. Assistant Audit Officer, as Audit Officer in the scale of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200 in a purely temporary capacity until further orders, without prejudice to the claims of Seniors if any, with effect from the date of taking over charge.

Consequent on his promotion as Audit Officer, the option to be exercised for fixation of pay in the higher scale as per Government of India decision (15) below FR 22(C), Swamy's Compliation (VIIth Ediction) (GIMHA Department of Personnel and A.R. OM No. 7/1/80 Estt P I dated 26th September, 1981) should be excercised by him within one month from the date of promotion.

> Sd/- ILLEGIBLE Deputy Accountant General (Administration)

MINISTRY OF TEXTILES

(DEPARTMENT OF TEXTILES)

OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER FOR HANDLOOMS

New Delhi, the 25th June 1986

to appoint with effect from the 5th June, 1986 and until further orders Shri H. P. Shukla as Deputy Director (Processing) in the Weavers Service Centre Guwahati.

The 30th June 1986

No. A-32015(1)/86-Est.H.—The Development Commissioner for Handlooms is pleased to appoint with effect from 6-5-1986 and until further orders Kum. A. C. Lala as Assistant Director Grade-II (Non-Technical), in the Weavers Service Centre, Bombay.

INDIRA MANSINGII

Jt. Development Commissioner for Handlooms

DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES AND DISPOSALS

(ADMINISTRATION SECTION-6)

New Delhi-11(001, the 16th June 1986

No.A-31014/1/85-A-6—The Director General of Supplies and Disposals, hereby appoints the following officiating Assistant Inspecting Officer (Metallurgy) substantively against the permanent posts of the Assistant Inspecting Officer (Metallurgy) with effect from the dates noted against each:-

II. Name of the (No,		Date of confir- mation			
1 2		 	<i>,</i>	 -	3
S/Shri					
1. Bipra Das					13-5-81
2. U.C. Dutt					13-5-8
3. T.D. Singh					31-8 -8 1
4. G.G. De					4-3-82
5. K. K. Mukhe	rjee				8-5-83
6. M. M. Jain	٠.				21-10-83
7. R.N. Dutta					1-7-8:
8. A.N. Waram					13-2-8

R. P. SAAHI. Dy. Director (Admn.)

MINISTRY OF STEEL & MINES DEPARTMENT OF STEEL

IRON & STEEL CONTROL

Calcutta-20, the 25th June 1986

No. El-12(77) 86(.).—The undersigned hereby appoints Shri B. N. Mondal, Superintendent, to officiate in the post of Assistant Commissioner of Payments in this office w.e.f. 25-6-1986 (FN) on temporary basis.

> D. K. GHOSH Iron & Steel Controller

NATIONAL ARCHIVES OF INDIA

New Delhi-1, the 6th June 1986

No. F.12-3/85-Estt,—Consequent on proceeding on leave of Shri A, K. Sharma, Administrative Officer, Shri K. C. Rajpal seniormost Superintendent is appointed to efficiate as Administrative Officer (Group 'B' Gazetted) on purely adhoc basis w.c.f. the 10th June, 1986 and until further orders, The ad-hoc appointment will not confer any right or claim for regular appointment and will not count for the purpose of seniority and for eligibility for promotion to next higher grade.

He will draw Rs. 840/- p.m. in the minimum scale of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200.

The 10th June 1986

No. F.12-3/85-Estt.—The undersigned hereby appoints Smt. Meena Kapoor, Assistant Archivest Grade I (General), to the post of Archivist (General) in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 on ad-hoc basis with immediate effect until further orders.

The ad-hoc appointment of the above mentioned officer will not confer any right or claim for her regular appoint-

ment and will not count for the purpose of her seniority and for eligibility for promotions to next higher grade.

DR. R. K. PETRI Dir. of Archives.

DIRECTORATE GENERAL: ALL INDIA RADIO

New Delhi, the 13th May 1986

No. 9/29 82-SIII.—The Director General is pleased to terminate the lien of Shri Dulal Bandopadyaya, formerly Assistant Engineer. All India Radio on the post of Assistant Engineer in the AIR consequent upon his confirmation as Assistant Technical Officer in the Cabinet Secretariat (R&AW), with effect from 1-2-1983.

B. S. JAIN
Deputy Director of Administration
for Director General

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 27th June 1986

No. A-38013/5/86-Admn.I.—On attaining the age of superannuation Shri B. D. Sharma, Senior P. A. in the Directorate General of Health Services retired from Govt. Service on 31-5-1986 (AN).

The 2nd July 1986

No. A-12026/5, 83-M(F&S).—The President is pleased to appoint Shri Deepak Gopal Shewade in the post of As istant Professor of Pharmacology at Jawaharlal Institute of Post Graduale Medical Education & Research, Pondicherry with effect from the forenoon of 3rd June, 1986 in a temporary capacity.

P. K. GHAI Dy. Dir. Admn. (C&B)

BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE PERSONNEL DIVISION (RECRUITMENT SECTION)

Bombay-400 085, the 23rd June 1986

No. PA/80(5)/84-R-III.—Controller, Bhabha Atomic Research Centre appoints Shri Sakharam Ganesh Pojari, a

permanent Assistant Security Officer to officiate as Security Officer in this Research Centre on ad-hoc basis with effect from May 5, 1986 (FN) to June 6, 1986 (AN) and on regular basis with effect from the afternoon of June 6 1986 until further orders.

C. G. SUKUMARAN Dy. Establishment Officer

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY DIRECTORATE OF PURCHASE & STORES

Bombay-400 001, the 30th June 1986

Ref. No. DPS/41, 16/85-Adm/3366.—The Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri K. P. Ramadevan a permanent Jr. Storekeeper and an officiating Storekeeper to officiate as an Asstt, Stores Officer on an ad-hoc basis in the scale of pay Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 from 28-4-1986 (FN) to 2-6-1986 (AN) in the same Directorate vice Shri G. D. Rathod granted leave.

Ref. No. DPS/41.2/85-Adm./3372.—The Director, Directorate of Purchase and Stores. Department of Atomic Energy appoints Shri P. C. Mathai a permanent Storekeeper to officiate as an Assit. Stores Officer on an ad-hoc basis in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-35-880-40-1000-EB-40-1200 from 28-4-1986 (FN) to 6-6-1986 (AN) in the same Directorate vice Shri K. F. George granted leave.

B. G. KULKARNI Administrative Officer

HEAVY WATER-PROJECT

Bombay-400 008, the 3rd July 1986

No. 05012/R3 '0P/2757.—Chief Executive, Heavy Water Projects, appoints Shri B, P. Sharma, Assistant Accounts Officer Heavy Water Project (Kota) to officiate as Accounts Officer-II in the same Project in a temporary capacity on adhoc basis w.e.f. February 24, 1986 (FN) to March 27, 1986 (AN) vice Skri D. S. Israni, Accounts Officer-II granted leave.

SMT. K. P. KALLYANIKUTTY Administrative Officer

ISRO SATELLITE CENTRE

DEPARTMENT OF SPACE

Bangalore-560017, the 26th June 1986

No. 020/1/(15·1)/86-Estt-I—Director ISRO Satellite Centre is pleased to appoint the following personnel to the post of Scientist/ Engineer 'SB' with effect from the dates shown against their name, in the ISRO Satellite Centre, Bangalore of the Department of Space on a temporary basis and until further orders:—

SI. Name No.	· ·-	 		 Designation	Date
S/Shri					
1. Debasis Chakraborty				Sci/Engr 'SB'	August 23, 1985
2. V.P. Raja Shekar				Sci/Engr 'SB'	December 11 1985
3. Philip Thomas (Ponnackamannil)				Sci/Engr. 'SB'	October, 1, 1985
4. Venu Rama Verma R.				Sci/Engr. 'SB'	October 25, 1985
5. Shri S.N. Ravi Prakash				Sci/Engr. 'SB'	April 11, 1986
6. Shri G. Tulasiram				Sci/Engr 'SB'	March 24, 1986
7. Kum. B. Jeyanthy			•	Sci/Engr 'SB'	February 03, 1986

H.S. RAMDAS, A incristrative Office-II

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 30th May 1986

No. A. 32014/2/85-ES The Director General of Civil Aviation is pleased to approve the continuance of all hoc appointment of the following Superintendents to the post of Administrative Officer, in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200, at the Station of posting noted below for a period shown against each or till the posts are filled on regular basis, whichever is earlier:—

SI. No.	Name	Period of ad hoc apput approved upto	Station of posting as Admn. Officer (ad-hoc)
1	2	 3	4
,	Shri C. Mulchandani	30-6-86	R.D. Bombay
2. S.	R. Verma	30-6-86	R.D. Delhi

1 2	 	3	4
3. M.D. Sharma		30-6-86	R.D. Delhi
4. M.L. Bhasin		30-6-86	R.D. Delhi
5. S.K. Saha .		30-6-86	R.D. Madras
6. D.P. Mehrotra		30-6-86	CATC, Allahabad.

The 25th June 1986

No. A-32013/12/85-E.I.—The President is pleased to appoint Shri S. G. Goswami as Director of Airworthiness in the scale of pay of Rs. 1800-2000 with effect from 3-6-1986 (forenoon) until further orders.

M. BHATTACHARJEE Dy. Dir. of Admn.

New Delhi the 30th May 1986

No. A. 32014/4/85-EC (Vol. II) -- The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint the following Communication Assistants in the Civil Aviation Department in the grade of Assistant Communication Officer in the pay Scale of Rs. 650-1,200/- on adhoc basis upto 31-3-1986 with effect from the date shown against each and to post them at the station indicated against each:—

Sl. No.	Nune				Present Stn. of posting	Station to which ported	Dare of thising over charge
1	2				3	4	5
	/cut						
,	/Shri K. Basu .				. Calcutta	Silchar	11-3-86 (FN)
	G. Sarkar	•	•	•	. Calcutta	Silchar	24-3-86 (FN)
	K. Purushotaman	•	•	•	. Madras	Madras	14-2-86 (FN)
. ,	S Nair		•	·	. Trivandrum	Trivandrum	14-2-86 (AN)
	onath Singh .	•	•	·	. Bombay	Bomba	17-2-86 (FN)
	S. Sandhu	Ċ	Ċ	Ċ	. Amritsar	CATC, Allahabad	25-3-86 (AN)
	S. Sangley .		i		, Bhuj	Ahmedabad	16-3-86 (FN)
	M. Dongare	•			. Bombay	Nagpur	16-3-86 (FN)
	Ekambaram		·		. Madras	Madras	14-2-86 (FN)
	/, Dange .				. Bombay	Trivandrum	28-3-86 (FN)
	G. Shastry .				. Visakhapatnam	Visakhapatnam	15-2-86 (FN)
12. Yas					. Bombay	Nagpur	16-3-86 (FN)
	P. Divakaran .				. Madurai	Mađurai	17-2-86 (FN)
	C. Mehta .				. Bombay	Nagpur	25-2-86 (FN)
	S. Muttungal				. Colmbatore	Coimbatore	24-2-86 (FN)
	aki Ghosh				. Mohanbari	Mohanbari	24-2-86 (FN)
	C. Agashe .				. Ahmedabad	Trivandrum	10-3-86 (FN)
18. S.C					. Gauhati	Gauhati	17-2-86 (FN)
	M. Mansukhani				. Delhi	Lucknow	31-3-86 (FN)
	gir Chand .				. Delhi	Madras	30-3-86 (FN)
	otendu Das .				. Mohanbari	Calcutta	27-3-86 (FN)
	t, B. Santhamma				. Bombay	Trichy	30-3-86 (FN)
	3.K. Nair		_		Trivandrum	Trivandrum	22-3-86 (FN)
	N. Unni	·	Ī		. Bombay	Trichy	30-3-86 (FN)
		•	•	-	. Delhi	Hyderebad	29-3-86 (FN)
	P. Singh	•	•	•	. Delhi	Hyderabad	29-3-86 (FN)
	ant Singh .	•	•	•	. Delhi	Coimbatore	29-3-86 (FN)
	'. Balachandran	•	•	•	•		
28. T. `	Vishwanathan	٠			. Madras	Madras	22-3-86 (FN)
	V.S. Pillai				Madras	Madras	22-3-86 (FN
30 K	S. Sampath				. Madras	Banga lor e	31-3-86 (FN)

2			3	4	5
1. C.A.M.D. Nair .			Mangaloro	Trivandrum	28-3-86 (FN)
2. B.K. Bhattacharya			Mohanbari	Agartala	30-3-86 (FN)
3. N. Gopalakrishnan			Bhuj	Trivandrum	28-3-86 (FN)
34. S.K. Dewan .		,	Delhi	Hyderabad	29-3-86 (FN)
35. Smt. P. Saraswati			Bangalore	Bangalore	24-3-86 (FN)

2. The ad-hoc appointment of the above officers in the grade of Assistant Communication Officer will not bestow on them any claim for regular appointment in the same grade and the service so rendered on ad-hoc basis will not count for senjority in the grade nor for eligibility for promotion to the next higher grade.

> V. IAYACHANDRAN Deputy Director of Administration.

CENTRAL WATER COMMISSION

New Delhi-110 066, the 27th June 1986

No. A-19012 / 1126 / 85-Estt. V.—Chairman Central Water Commission hereby appoints Shri Ram Prosad Chatteriee. Supervisor to officiate in the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer (Engg.) on a purely temporary and adhoe basis in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- 101 a period of one year or till the post is filled on regular basis, whichever is earlier with effect from the forenoon of 25-9-1985,

No. A-19012/1144/85-Estt.V.-Chairman, Central Water Commission hereby appoints Shri Hari Om Soni, Supervisor to officiate in the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer (Engs.) on a purely temporary and ad hoc basis in the scale of pay of Rs. 650-30 740-35-810-EB-35-880-40-1000-FB-40-1200, - for a period of one year or till the post is filled on regular basis, whichever is carlier with effection the forenoon of 9-9-1985.

The 3rd July 1986

No. A-19012/1061/84-Estt.V.—Chairman Central Water No. A-19012/1001/84-Estt.V.—Chairman Central Water Commission hereby appoints Shri Prem Chand Kumar Singh, Supervisor to officiate in the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer (Engr.) on a purefy temporary and adhoc basis in the scale of pay of Rs, 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- for a period of one year or till the post is filled on regular basis, whichever is earlier with effect from the afternoon of 20.6 1024 effect from the afternoon of 29-6-1984.

> MEENAKSHI ARORA Under Secv (C) Central Water Commission

CFNTRAL GROUND WATER BOARD

Faridabad, the 30th June 1986

No. 3-745/86-CH (Estt).—Shri Y. Lakshmi Kantha Reddy is appointed as Assistant Hydrogeologist, G.C.S. Group -B (Gazetted) in the scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 /- on temporary basis in the Central

Ground Water Board w.c.f. 5-5-1986 (FN) till further orders.

> B. P. C. SINHA Chief Hydrogeologist & Member

CENTRAL ELECTRICITY AUTHORITY

New Delhi-110 066, the 30th June 1986

No. 7/86. F. No. 22/2/85-Adm.I(B)(Vol.II).—The Chair-No. 1/86. F. No. 24/4/85-Adm.1(B)(Vol.11).—The Chan-man, Central Electricity Authority hereby appoints the fol-lowing Supervisors to the grade of Extra Assistant Director in the Central Power Engineering (Group B) Services in the Central Electricity Authority in an officiating capacity weef, the forenoon of the 18th June, 1986 until further orders.

- Shri Jai Kishore.
 Shri I. P. Singh.
 Shri B. B. Mandal.

R. SESHADRI Under Secv.

MINISTRY OF INDUSTRY AND COMPANY AFFAIRS DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS. OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES,

In the matter of the Companies Act, 1956

and

In the matter of M.P. Film Exchange Private Limited, Indore

Gwalior-474 009, the 26th June 1986

No. 958/Liqn/CP/808.—Notice is hereby given pursuant to section 445 (2) of the Companies Act, 1956 that M.P. FILM EXCHANGE PRIVATE LIMITED, INDORE has been ordered to be wound up by an order dated 4-4-1986 passed by the Hon'ble High Court of Madhya Pradesh, Bench at Indore and the Official Liquidator, Indore has been uppointed as the Liquidator of the said Company.

> S. KARMAKAR Registrar of Companies Madhya Pradesh

(1) Gregory D'Souza FORM ITNS---

(Transletor)

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bonibay, the 12th June 1986

Ref. No. AR.III. 37G./2751.—Whereas, I.

PRASAD. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. 3 CTS No. 401, Plot No. 4, CTS No. 402, Village Valnai, Orlem, Malad, Bombay.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

a Bombay on 25-10-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen parcent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tox under the said Act in respect of any income arising from the and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection I) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-13-166 GI/86

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

(2) Malad La-Bella Co. op. Hsg. Soct. Ltd.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 3 CTS No. 401, Plot No. 4, CTS No. 402, Village Valnai, Orlem, Malad, Bombay. The agreement has been registered with the Sub-Registering Officer at Sr. No. S-3354 dated 25-10-1985.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Date: 12-6-1986

Seal:

FORM ITNS--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Mr. Gregory D'Souza

(Transferor)

(2) La-Paloma Co-operative Housing Soc. Ltd. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 12th June 1986

Ref. No. AR.III/37G./2752,—Whereas, I, PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

I and together with structure situate at Village Valnai, Malad

(West), City S. No. 396, Bombay.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Bombay on 25-10-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as asoresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the afore-and persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The erms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given In that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in repect of any income arising from the transfer; and/or:

THE SCHEDULE

Land together with structure situated at Village Valnai bearing C. S. No. 396, Malad (West), Bombay.

The agreement has been registered with the Sub Registering Officer at Sr. No. S-1444/83 dated 25-10-1985.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 12-6-1986

Seal:

. -__ --_ ---

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 10th June 1986

Ref. No. AR I 37EE/8451/85-86.—Whereas, I. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 31, Rajat Aps. CHSL, Mount Pleasant Road, Respired 400,006

Bombay-400 006.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at

at Bombay on 21-10-1985

for an apparent consideration which is less than the fair to believe that the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor, by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: mod/or
- (b) facilitating the cocnealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said

Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Miss Nargis R. H. Wasti

(Transferor)

(2) Ne Pradeep Sajdah

(Transferce)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

(4) Transferee (Person whom the undersigned known to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 31, Rajat Apartments Co-op. Hsg. Society Ltd., Mount Pleasant Road, Bombay-400 006.

The agreement has been registered with the Sub-Registering Authority, Bombay, under No. AR.I/37EE/7960/85-86 on 21-10-85.

> A. PRASAD Competent_Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range i Bombay

Date: 10-6-1986

Scal:

FORM ITNS-

(1) E. K. Christian

(Transferor)

(2) M/s Saral Travels Pvt. Ltd.

(Transferee)

WATICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

(3) Transferor

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-L ΒΟΜΒΛΥ

Bombay, the 10th June 1986

Ref. No. AR. 1/37EE/8391/85-86.-Whereas, I, Λ , PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing Shop No. 1, Ground floor, Building No. B. Plot No. 962. S. Ghorekar Marg, Bombay-400 025

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority

at Bombay on 15/10/85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respec-tive persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 1. Ground floor, Building No. B, Plot No. 962, S. Ghanekar Marg, Bombay-400 025.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I 37EE/7902/85-86 on 15/10/85.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Date: 10 6-1986 Seal:

FORM ITNS-

(1) Mi/s. Jaywant Development Corporation

(Transferor)

(2) Mrs. Hansa A. Shah & Anr.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 10th June 1986

Ref. No. AR-I/37EE 8495/85-86.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the income Tax Act 1961 (43 of 1961) (herein after referred to as the said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bening No. Hat No. I on 15th Floor Jaywant Apartment, Dadarker Compound Tulsi Wadi Tardeo Road Rombay-34.

Flat No. 1 on 15th Floor Jaywant Apartment, Dadarker Compound, Tulsi Wadi, Tardeo Road, Bombay-34. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Said Act in the office of the Competent Authority

at Bombay on 22/10/85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more then fifteen percent of such apparent consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of an income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, thall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Hat No. 1 on 15th Floor Jaywant Apartment, Dadarkar Compound, Tulsi Wadi, Tardeo Road, Bombay-34.
The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37FF/7999/85-86 on 221/10/85.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Bombay

Date: 10-6-1986

Seal:

FORM ITNS---

(1) Smt. Hemlata Vaman Shetty

(Transferor)

(2) Deepak Nitrite Limited

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACI, 1961 (43 OF 1961)

(3) Transferee

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 10th June 1986

Ref. No. AR-1/37EE/8531/85-86,-Where is, I, PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hercinalter refetred to as the 'said Act') have (casen to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 17, 4th flor Sagar Prabha CHSL, Probhadevi Sea

Beach, Bombay-25,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 29/10/85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforethan fifteen per cent of such apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of mansfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneyes or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquision of the said property may be made in the writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires ater;
- (b) by any other person interested in the said immoves able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 17, 4th floor Sagar Prabha CHSL, Prabhadevi Sca Beach, Bombay-25,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/8034/85-86 on 29/10/85.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bembay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 10-6-1986

Scal:

FORM ITNS-

(1) M/s. Rizvi Foundations

(Transferer)

(2) M/s. Associates Transport

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I **BOMBAY**

Bombay, the 10th June 1986

Ref. No. AR-I/37EE/8577/85-86.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the said 'Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Office No. 22, 3rd Floor Rajgir Chambers, 12/14 Shahid Bhagatsing Road Opp. Old Custom House, Bombay. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), have been transferred and the schedule annexed hereto).

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the office of the Competent Authority

at Bombay on 31/10/85

for an apparent consideration which is less than the tair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfr with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor, to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferandlor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned ;-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immevable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office No. 22, 3rd Floor Rajgir Chambers, 12/14 Shahid Bhagatsing Road Opp. Old Custom House, Bombay,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/8078/85-86 on 31/10/85.

> A. PRASAD Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persona, namely :--

Date: 10-6-1986

Seal :

FORM ITNS---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOM! TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

CFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGU-I BOMBAY

Bombay, the 10th June 1986

Ref. No. AR-1/37FE 8332/85-86.—Whereas, I, PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (45 of 1961) (hereinafter referred to as the 'snid Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. Do 409, Poonam Apartment Worli, Bombay-400 018, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 10/10/85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the atoresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Mrs. Muktagauri S Vyas and Mr. Shantilal M Vyas

(Transferor)

(2) Mrs. Kavita C Manghnani and Mr. Chandumal S. Manghnani

(Transferee)

(3) Transferees

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. Di '409, Poonam Apartment Worli, Bombay-400 018

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/7846/85-86 on 10/10/85.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-1
Bombay

Date: 10-6-1986

Seal

FORM ITNS-

(1) M/s Dineshchandra Vijaykumar

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Laxmichand Nanji

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 10th June 1986

Ref. No. AR-I/37EE/8439/85-86.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|-

Flat No. A-11 on 1st Floor of 'Chinar' Building on Plot No. C.S. No. 336 & 506 Dadar Njgaum Division Sewerce Cross Road & Rafiq Kidwai Road, Wadala.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 17/10/85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922. (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

may be made in writing to the undersigned .-

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. A-11 on 1st Floor of 'Chinar Building on Plot No. C.S. No. 336 & 506 Dadar Njgaum Division Seweree Cross Road & Rafiq Kidwai Road, Wadala.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-1/37EE/7949/85-86 on 17/10/85

17/10/85.

A. PRASAD Competent Authorly Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-J Bombay

Date: 10-6-1986

Seal:

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) GF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M/s. Dineshchandra Vijaykumar

(Transferor)

(2) Hansa Dhimant Shah & Ors.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 10th June 1986

Ref. No. AR-I/37EE/8468/85-86.--Whereas, I,

PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. B-11 on 1st Floor of Chinar on Plot No. C. S. No. 336 & 506 Dadar Nijgaum Division Sewri Cross Road, Rafiq Kidwai Road, Wadala.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 21/10/85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to balieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more whan fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evacion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer. and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which eught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazotte.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. B-11 on 1st Floor of Chinar on Plot No. C.S. No. 336 & 506 Dadar Nijgaum Division Sewri Cross Road, Rafiq Kidwai Road, Wadala.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/7976/85-86 on 21/10/85.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I **B**c mbay

Date: 10-6-1986 Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely .-

FORM I.T.N.S.-

- (1) Mr. Arun Ramchand Jasuja
- (Transferor)
- (2) Subash Diwanchand Jasuja

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) Transferee

(Person in occupation of the property) (Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACOUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 10th June 1986

Ref. No. AR-I/37EE/8358/85-86.—Whereas, I, PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

ks. 1,00,000/- and bearing 50% undivided interest in Flat No. 2, 6th floor, Sea Lord

B, Cuffe Parade, Bombay.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority

at Bombay on 11/10/85 for an apparent consideration which is less than the fair for an apparent consideration which is less than the ran-market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of Transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

50% undivided interest in Flat No. 2, 6th floor, Sea Lord B, Cuffe Parade, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-1/37EE/7810/85-86 on 11/10/85.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range I Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 10-6-1986

Scal:

(1) PSB Construction Co. Ltd.

(Transferor)

(2) Mr. Manoharlal Kanaiyalal Mrs. Sushiladevi, Wife of Manoharlal

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquision of the said property may be made in the writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 10th June 1986

Ref. No. AR-I/37EE/8272/85-86.—Whereas, 1, A PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income—tax Act, 1961 (43 of 1961) (heremafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. Two in Bldg. No. Two PSB Apartments, B.G. Khei Road, Worli Naka, Bombay. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 4/10/85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall nave the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneyes or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. Two in Bldg. No. Two PSB Apartments, B. G. Kher Road, Worli Naka, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/7789/85-86 on 4/10/1985.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following account of the said Act, to the said Act, ing persons, namely :-

Date: 10-6-1986

(1) M/s Indage Engineering Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) M/s Safe Builders

(Transferce)

MOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I ROMBAY

Bombay, the 10th June 1986

Ref. No. AR-I/37EE/8275/85-86.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 /(43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Office Prepuises No. 401/B. Pooper Chambers, Shiveseer

Office Premuses No. 401/B, Poonam Chambers, Shivasagar Estate Dr. Annie Besant Road, Worli, Bombay-400 018.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 7/10/1985 for an apparent consideration which is less than the

market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration saled that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said

instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or say moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Weslth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given to that Chapter.

THE SCHEDULE

Office Premuses No. 401/B, Poonam Chambers, Shivasagar Estate Dr. Annie Besant Road, Worli, Bombay-400 018.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-I/37EE/7792/85-86 on 7/10/1985.

A. PRASAD Competent Authorty Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Da'c: 10-6-1986

(1) Scal Investments Limited

(Transferor)

(2) Smt. Sheila Jall Cowasji, Shri Zal Jall Cowasji, Shri Rahul Jall Cowasji

(Transferee)

(3) Transferee

(Person in occupation of the property)

MOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 10th June 1986

Ref. No. AR-I/37EE/8285/85-86.-Whereas, I. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing a ran market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 112 with garage No. G-6 Adarsh Building, G. D. Ambekar Marg, Bhoiwada, Bombay-400 014. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at

Authority at
Bombay on 7/10/85
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of: transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever region arrives lates: whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 112 with garage No. G-6 in the building, Adarsh G. D. Ambekar Marg, Bhoiwada, Bombay-400 014.

The agreemnt has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-1/37EE/7801/85-86 on 7/10/85.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Date: 10-6-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I **BOMBAY**

Bombay, the 10th June 1986

Ref. No. AR-I/37EE/82951/85-86.—Whereas, I.

PRASAD,

heing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 2A, Naval Tuch Apts. 23, Y.M.C.A. Road, Rombart 8.

Bombay-8.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority

at Bombay on 8/10/1985.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the afodesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of ransfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been et which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby imitiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Miss Freny Framroze Tachakra

(Transferor)

(2) Mr. A. A. Baker, Mr. Z. A. Baker, Mrs. F. Z. Vasi, Mrs. Z. P. Dhariwala,
Mr. H. T. Khorakiwala,
Mr. H. T. Khorakiwala,
Mr. S. T. Merchant,
Mrs. A. M. Kikabai and
Mr. Y. M. Husain

(Transferee)

(3) Transferor

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULB

Flat No. 2A, Naval Tuch Apts. 23, Y.M.C.A. Road. Bombay-8.

The agreemnt has been registered by the Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/7810 85-86 on 8/10/1985.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Date: 10-6-1986

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER. OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY-38

Bombay-38, the 10th June 1986

Ref. No. AR-I/37EE/8314/85-86.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Office No. 69 on 6th Floor Mittal Chambers, Nariman Point,

Bombay-400 021

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 9-10-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the ability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following mersons, namely :--

(1) M/s. COMEXCO.

(Transferor)

(2) M/s. Awtarsingh Lachhmansingh.

[Transferce)

(3) Transferce.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used her in as are defined in Chapter XXA of the said shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office No. 69 on 6th Floor Mittal Chambers, Nariman Point, Bombay-400 021.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/3/EE/7879/85-86, on 9-10-85.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Dated: 10-6-1986.

FORM ITHE

(1) Tolani Limited

(Transferor)

(2) Iolani Shipping Co Ltd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

COMMIS-OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, ВОМВАУ 38

Bombay 38 the 10th Tune 1986

Rcf No AR-I/37EE 8326 85 86 -- Whereas, I,

PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) thereafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property having a fair market value exceeding Rs 1,00,000/ and bearing No Tenement No A, 1 ll. I looi Bakhtawar, Plot No 229, Back bay Reclimation Scheme Block III, Nariman Point Bom bay-400 02 L

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the preement is registered under section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 9-10 85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) membring the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer rad/oca
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfe ee for t'ae purposes of the Indian Income tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons no nelv :-15—166 CI/86

Objections if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the madersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from notice on the the service of respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov able property within 45 days from the date of the publication of this notice is the Official Cazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Tenement No A, 10th Floor, Bikhtawar Plot No 229 Backbay Reclamation Scheme, Block III, Nariman Point Bombay-400 021

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No AR 1/37F F/7840/65 86, on

A PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

10-6 1986 Dated

(1) M/s. Ashar Developers.

(Transfero.)

(2) Shri Hirasingh Jaimalsingh Sehgal.

(Transferce)

NOTICE NDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY-38

Bombay-38, the 10th June 1986

(a) by any of the aforcsaid persons within a period of 45 days from the date of buplication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Ref. No. AR-I/37EE/8319/85-86.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 501 on 5th floor, Ashar Villa, East Sion Road,

Sion, Bombay-22

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 9-10-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as foresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication-of this notice in the Official Gazet
- EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXX of the said Act shall have the same mraning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in resect; of any income arising from the transfer

THE SCHEDULE

Flat No. 501 on 5th floor, Ashar Villa, East Sion Road, Sion, Bombay-22.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-1/37EE/7834/85-86, on 9-10-85.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-1 Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Dated: 10-6-1986.

Segl:

(1) M/s, Ashar Developers.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Ramkaur Hirasingh Sehgal.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE-J. BOMBAY-38

Bombay-38, the 10th June 1986

Ref. No. AR-J/37EE/8318/85-86,---Whereas, 1, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (heroinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 601 on 6th floor, Ashar Villa, 242, East Sion Road,

Sion, Bombay-400 022

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 9-10-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the atoresaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the obect of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income oor any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-in Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: :- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 601 on 6th floor, Ashar Villa, 242, Sion East Road, Sion, Bombay-400 022,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/7833/85-86, on 9-10-85.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

Dated: 10-6-1986.

FORM ITNS----

(1) Aesthetic Builders Pvt, Ltd.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferor)

(2) Nagarjuna Fertilisers & Chemicals Ltd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THIS INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY-38

Bonday-38, the 10th June 1986

Ref No. Ap-1/37LL 8384, 85-86.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the Said Act) have reason

to believe that the immovable property having a fair market value exceeding R₃ 1,00,000/- and bearing No.

Office No 43, -0 for Free Press House, Plot No. 215, Nariman Point, Bombay-400 021

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the Office of the

Competent Authority at Bombay on 15-10 85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or ovasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Aut, in respect of any income arising from the transfer, mad/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Office No. 43 on the 4th floor, Free Press House, Plot No. 215, Nauman Point, Bombay-400 021.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-L/37EE/7896/85-86, on 15-10 85.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-1 Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dated: 10-6-1986.

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY-38

Bombay-38, the 10th June 1986

Ref. No. AR-1/37EE/8290|85-86,-Whereas, I, A. PRASAD.

A. PKASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Office No. 12 (Part II) Wing C, Mittal Tower, Plot No. 210, Nariman Point, Bombay-21 (and more fully described in the Schedule approved hereto)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent Attority at

Bombay on 7-10-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument at transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and or

(5) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) M/s Bharti Vanijya.

(Fransferor)

(2) Smt. Amrit A Shah, Smt. Prabha M Shah, Smt Chandri N Shah, Lata V Shah.

(Transferce)

(3) M/s Bharti Vanijva. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Chican Grace.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office No. 12 (Part II) Wing C, Mittal Tower, Plot No. 210, Block No. III, Nariman Point, Bombay-21.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-1/37EE, 7805/85-86 on 7-10-85.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Dated: 10-6-1986.

FORM TINS-

(1) Mr. Girishchandra Purshottam Sadh.

(Transferor)

(2) Mr. Suresh D. Parekh.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) Transferce.

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, BONBAY-38

Bombay-38, the 10th June 1986

Ref. No. AR-1/37EE/8216/85-86,-Whereas, I,

A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to use the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Flat No. 12, 5th Floor The Court View Co-op. Hsg Soc. Ltd., 126, M. K. Road, Bombay-20 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 1-10-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparant consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 36 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.
- EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers and/or
- (b) Incilitating the concealment of any income or any names or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1937);

THE SCHEDULE

Hat No. 12, 5th Floor, The Court View Coop, Hsg. Soc. Ltd. 126, M. K. Road, Bombay-400 020.
The agreement has been registered by the Competent

Authority, Bombay, under No. AR-1/37EE/7734/85-86, on 1-10-85.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-J Bombay

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Dated: 10-6-1986.

en la la servició de la servició de la completa en la completa de la completa del completa de la completa del completa de la completa del la completa de la completa del la completa de la completa de la completa del la completa de la completa del la comp

FORM ITNS-

(1) M/s Ferani Developers.

(2) Mrs. Seena Sudhanshu Naik.

(Transferor)

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BONBAY-38

Bombay-38, the 10th June 1986

Ref. No. AR-I/37EE/8445/85-86.—Whereas, I, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. 1 on the Gr. Floor in the Building 'Udyan Darshan'

situated at Sayani Road, Prabhadevi, Bombay-25

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 17-10-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid preperty, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1 on the Ground Floor in the building 'Udyan Darshan' situated at Sayani Road, Prabhadevi, Bombay-400 025.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-1/37EE/7955/85-86, on 17-10-85.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Bombay

Dated: 10-6-1986.

(1) Nataraj Builders.

(Transferor)

(2) Mrs. Nirmala Pranlal Vora & Ant.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-L BONBAY-38

Bombay-38, the 10th June 1986

Ref. No. AR-1/37EE/8497/85-86.--Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 1, 1st bloor Natraj A, Plot No. 404, Laxmi Narayan Lane Matunga Bombay-400 019 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transieried and the agreement is registered under

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 22-10 85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the data of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1, 1st Floor, Natraj A, Plot No. 404 Laxmi Natsyan Lane, Matunga, Bombay-400019.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/8001/85-86, on 22-10-85.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Dated: 10-6-1986.

FORM ITNS------

(1) Nirai Finance Corporation.

(Transferor)

(2) Indin Organic Chemicals Limited,

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) Transferce.

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

Objections, if any, to the acquision of the said property may be made in the writing to the undersigned:—

ACQUISITION RANGE-I, BONBAY-38

Bombay-38, the 10th June 1986

Ref. No. AR-I/37EE/8355/85-86.—Whereas, I.

A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income--tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000% and bearing No. Office No. 3A, 6th floor, New Excelsion Building, Wallace Street, Fort, Bombay-1 (and proper fully described in the Schedule approved levels).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the rescement is registered under section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 11-10-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires ater;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.
- i.xplanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneyes or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or thhe said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Office No. 39, 6th floor, New Excelsior Building, Wallace Street, Fort, Bombay-1.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/7868/85-86, on 11-10-85.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-1 Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the eforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
16—166 GI/86

Dated: 10-6-1986.

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

(11) Smt. Prem Sahni & Smt. Neera Sahni.

(Transferor)

(2) Shri Kewal Krishan Nohria & Smt. Sudesh Nohria.

(Transferee)

(3) Crompton Graves Limited.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property axiy or made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :-- The terms and expressions used herein se are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I,
BOMBAY-38

Bombay-38, the 10th June 1986

Ref. No. AR-I/37EE/8588/85-86.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs .1,00,000/- and bearing

Flat No. 102-B. Atlas Apis. CHSI 11, Jammadas Mehta

Road. Bombay-400 006

(and more fully described in the Schedule annual hereto). has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 31-10-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid posperty, and I have seemen to believe that the fair market value of the property as afore said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; سر البحد
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 102-B, Atlas Apartments, Co-op. Housing Society Ltd., 11, Jamnadas Mehta Road, Bombay-400 006.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/8087/85-86, on 31-10-85.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 10-6-1986

FINM ITNS ...

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMP TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-!, BOMBAY-38

Bombay-38, the 10th June 1986

Rof. No. AR-L'37EE/8556/85-86.—Whereas, J, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Office No. 49A on the 4th Floor of Nariman Bhavan Co. op.

Soc. Ltd., 227 Narıman Point, Bombay-21

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 29-10-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect to any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Arjandas Devidas.

(Transferor)

(2) Mrs. Jagtianie Engineering Consultancy and Services Pvt. Ltd.

(Transferee)

(3) Transferee. (Person in occupation of the property)

(4) Mr. Prabhashankar A. Purohit, (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforcsaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office No. 49A on the 4th Floor of Nariman Bhavan Premises Co. op. Soc. Ltd., 227, Nariman Point, Bombay-21.
The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/8059/85-86, on 29-10 85

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Dated: 10 6-1986.

FORM NO. I.T.N.S.-

(1) Mr. Shailesh Gulabrai Badlani,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Bhupendra Kumar Dhirajlal,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY-38

Bombay-38, the 10th June 1986

Ref. No. AR.1/37EE/8476/85-86,—Whereas, 1,

being the Competent Authority under Section 259B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Basement Godown at Kazi Sayed Street, Anand Building 82/84 Sayed Kazi Street, Bombay-3
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the greement is registered under section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent

Bombay on 22-10-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from thet transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notce in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Basement Godown at Kazi Sayed Street, Anand Building, 82/85 Saved Kazi Street, Bombay-400003.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-I/37EE/7982/85-86 on 22-10-1985.

> A, RRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Secion 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely .-

Date : 10-6-1986

(1) Smt. H. Gulabibai.

(Transferor)

(2) Shri Shah Chandrakantrao Godsay.

('Fransferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (3) Transferor,

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY-38

- Bombay-38, the 10th June 1986
- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days from the date of publication of this
 notice in the Official Gazette or a period of 30
 days rfom the service of notice on the respective
 persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. AR-I/37EE/8437/85-86,—Whereas, 1, A. PRASAD,

Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable troperty having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Hat No. 5, 1st floor, Saraswati Niketan, Kashinath Dhuru Road, Bombay-28.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the greement is registered under section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent

Authority at Bombay on 17-10-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the varties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULF

Flat No. 5, 1st floor, Saraswati Niketan, Kashinath Dhuru Road, Bombay-28.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-1/37EF 7945/85-86 on 17-10-1985.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A. RRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the assue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-6-1986

FORM ITNS....

(1) M/s. Holal Stores.

(Transferor)

(2) M/s. Bharatiya Confectioners Pvt. Ltd.

(Transferee)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, ВОМВАУ-38

Bombay-38, the 10th June 1986

Ref., No. AR-I/37EE/8448/85-86.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1901 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Shop No. 8, 'Shi Om Chambers' 123, August Kranti Marg,

Kemp's Corner, Rombay-400026. (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the greenent is registered under section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 21-10-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferi and/or
- (b) racilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be enscioned by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-ter Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Offician Gazette or a period o 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within forty-five days from the date of publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 8, 'Shri Om Chambers' 123, August Kranti Marg, Kemp's Corner. Bombay-400026.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay, under No. AR-I/37EE/7957/85-86 on 21-10-1985.

> A, RRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquistion of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely '---

Date: 10-6-1986

FORM ITNS----

(1) M/s. Aleli & Company Pyt. Ltd.

(Transferor)

(2) M's Aesthetie Builder. P t. Ltd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOML-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I. BOMBAY-38

Bombay-38, the 10th June 1986

Ref. No. AR.I/37FE/8382/85-86.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Office No. 43, 4th floor, Free Press House, Plot No. 215, Nariman Point, Bombay-400021.

(and more fully describ A in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the greement is registered under section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 15-10-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore aid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

o) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which cught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tex Act, 1937 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the word Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

The terms and enginessions used herein as are defined in Chapter NKA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office No. 43, 4th floor, Free Press House, Plot No. 215, Nariman Point, Bombay-400021.

The agreement has been registered by the Competent Authorities Tombo, un to 35, R-127 E/7894/85-86 on 15-10-1985.

> A. PRASAD Competent_Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Date: 10-6-1986

FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIGNER OF INCOME-TAX

AUGUISITION RANGE-I, ВОМВАҮ-38

Bombay-38, the 10th June 1986

Ref. No. AR-I/37EE/8385/85-86.--Whereas, I. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Office No. 44 ca the 4th Floor of the building, Free Press

House under construction on Plot No. 215, Nariman Point,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the greement is registered under section 2.9AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 15-10-1985

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) M/s. Aesthetic Builders Pvt. Ltd.
- (Transferor) (2) M/s. Nagarjuna Finance Ltd. and Ors. (Transferee)
- (3) Building is under construcion. (Person in occupaion of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforcsaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the publication of the notice in the Official whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Office No. 44 on the 4th Floor of the building, Free Press House under construction on Plot No. 215, Nariman Point, Bombay-400021.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-1/37FE/7897/85-86 on 15-10-1985.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 10-6-1986

FORM NO. I.T.N.S.---

(1) M/s. Stusa Advertising Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOMB-TAX

ACQUISITION RANGE-I. **BOMBAY-38**

Bombay-38, the 10th June 1986

Ref. No. AR-J/37EE/8310/85-86.—Whereas, J, A. PRASAD,

A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000/- and bearing No.

Office Premises No. 113, 11th floor, Mittal Chambers, one car parking space. Nariman Point, Bombay-21.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the greement is registered under section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at

Authority at Bombay on 9-10-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; KIND / OF

(h) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922. It of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings tor the acquisition of the afore-and property by the issue of this notice under sub-section (t) of Section 269D of the seid Act, to the following

17-166 GI/86

(2) M. s. Crescent Exports Ltd.

(Transferce)

(3) Transferor.

(Person in occupaion of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gezette or a period of 30 days from the service of notice on the res-pective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the chapter.

THE SCHEDULE

Office Premises No. 113 on 11th Floor, Mittal Chambers, and One car parking space in the basement, Plot No. 228, Block III, Nariman Point, Bombay-400021.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/7825/35-86 on 9-10-1985.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I. Bombay

Date: 10-6-1986

(1) Shri Dilio Gobind Jhangiani.

(Transferor)

(2) Shri Vinod Nemjibhai Shah & Ors.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY-38

Bombay-38, the 10th June 1986

Ref. No. AR-I/37EE/8446/85-86.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plat No. 67B, Fmpire Estates 'B' Block, A. K. Marg. Rembers 400036

Bombay-400036.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the greement is registered under section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 17-10-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as atoresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to be transfer the consideration and that the consideration for such transfer as agreed to be transfer than the consideration and the consideration for such transfer as agreed to be transfer to the consideration than the consideration the consideration than the consideration that the consideration than the consideration than the consideration that the consideration t between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (4) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957) (1957)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the California Gassits or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazzette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 67B, Empire Estates 'B' Block, A. K. Marg Bombay-400036.

The agreement has been registered by the Competen Authority. Bombay, under No. AR-I/37FF/7956/85-86 of 22-10-1985.

A. PRASAT Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-ta: Acquisition Range-I, Bombar

Date: 10-6-1986

Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

PORM ITNS-

(1) Shri Chimanlal C. Kapadia.

(Transferor)

(2) Kamlesh Jitendra Shah & Smt. Beena K. Shah.

(Tranferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-I. BOMBAY-38

Bombay-38, the 6th June 1986

Ref. No. AR-I/37EE/8485/85-86.—Whereas, I. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-lax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sold Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 1,00 000/- and bearing

Flat No 4, Ajanta Apartment, 2nd Floor, 124/126, Walke-

shwar Road, Bombay-6.

(and more fully described in the schedule annexed hereto). has been transferred and the greement is registered under section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 22-10-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property, as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the atomsaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person inverested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

- (a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weelth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 4, Ajanta Apartment, 2nd Floor, 124/126, Walke-

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-I/37EE 7991/85-86 on 22-10-1985.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Date: 10-6-1986

(1) Mr. I. S. Chawla & Ors.

(Transferor)

(2) M/s. Balkrishna Sales Agency.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY-38

Bombay-38, the 10th June 1986

Ref. No. ΛR-I/37EH/8434/85-86.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immevable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Unit No. 13, on the Ground floor constructed on the land

Unit No. 13, on the Ground floor constructed on the land of New Sun Mills Co. (P) Ltd., Sun Mill Compound, Lower Parel, Bombay-400013.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the greement is registered under section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 22-10-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by the more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneya or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wenith-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 day from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said.

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 13, on the Ground floor constructed on the land of 'New Sun Mills Co. (P) Ltd., Sun Mill Compound, Lower Parel, Bombay-400013.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/7942/85-86 on 22-10-1985.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Date: 10-6-1986

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, **BOMBAY-38**

Bombay-38, the 10th June 1986

Ref. No. AR-I/37EE/8486/85-86.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 603, 6th Floor 'B' Wing, 'Surya Apartment' Cooperative Housing Society Ltd., 53, Warden Road, Bembay-

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the greement is registered under section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 22-10-1985 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 2500 of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Smt. Ramilaben N. Nahar & Anr.

____ (Transferor)

(2) Shri Rahmatulla Esmail Patel & Anr.

(Transferce)

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichevel period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 603, 6th Floor 'B' Wing, 'Surya Apartment' Co-operative Housing Society Ltd., 53, Warden Road, Bombay-

26.
The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-I/37EE/7992/85-86 on 22-10-1985.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-I, Bombay

Date: 10-6-1986

FORM NO. I.T.N.S.---

(1) M/s. Ferani Developers.

(Transferor)

(2) Shri Prabhakai G. Pathare & Ors.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY-38

Bombay-38, the 10th June 1986

Ref. No. AR-1/37EE, 8444/85-86.—Whereas, I. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 3 on the ground floor in the Building 'Udyan Darshan' situated at Sayani Road, Piabhadevi, Bombay-25, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the greement is registered under section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent

Bombay on 22-10-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. y respect of any income arising from the transfer, and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as herein as one defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 3 on the ground floor in the Building 'Udyan Darshan' situated at Sayani Road, Prabhadevi, Bombay-25. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-I/37EE/7954/85-86 on 22-10-1985.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the mid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 10-6 1986

FORM NO. I.T.N.S.-

(1) Mr. Chandur U. Thadani.

(Transferor)

(2) Mrs. Premlata B. Khandke and Mrs. Hemlata S. Kaval.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-1, **BOMBAY-38**

Bombay-38, the 10th June 1986

Ref. No. AR-I/37EE/8549/85-86.--Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable

Rs. 1,00,000/- and bearing
Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 18, 3rd floor, Sunshine Building, 78-B, Dr. Annie Besant Road, Worli, Bombay-400018.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under rection 249 AR of the Said Act in the Office of the Competent section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 29-10-1985

Bombay on 29-10-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of : transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, it any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 18, 3rd floor, Sunshine Building, 78-B, Dr. Annie Besant Road, Worli, Bombay-400018.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-1/37EE/8052/85-86 on 29-10-1985.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Secton 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely .---

Date: 10-6-1986

FORM ITNS .--

(1) M/s. Cool House

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Nav Prakash Printing Press.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I BOMBAY-38

Bombay-38, the 10th June 1986

Ref. No. AR-I, 37FF/8573/85-86.—Whereas, 1, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov ble

as the 'said Act'), have reason to believe that the immov ble property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Indl. Unit No. 336, 3rd floor, Adhyaru Indl. Estate, Sun Mill Compound, Lower Parel, Bombay-400 013.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority tent Authority

at Bombay on 30-10-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any meome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Indl. Unit No. 336, 3rd floor, Adhyaru Indl., Estate, Sun

Mill Compound, Lower Parel, Bomba, 400 013.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EF/8074/85-86 on 30-10-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range I, Bombay,

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. nemely:---

Dated: 10-6-1986

FORM ITNS -

(1) Shri H. B. Siddiqui.

(Transferor)

(2) M/s. Rajesh Malicables Pvt. Ltd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-1 BOMBAY-38

Bombay-38, the 10th June 1986

Ref. No. AR-L/37EE/8572/85-86,—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter reterred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs, 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 4, Ground Floor, Dalamal Court, Dalamal, Coop. Housing Soc. 7/18, Worlf Sca-Face Abdul Gaffarkhan Road Bombay-18.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 30-10-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concentment of any income or any which ought to be disclosed by the transferee for moneys or other assets which have not been or the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269-C of the said 'ct, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the foresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269-D of he said Act to the following arsons namely :-18--166 G1/86

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said mmovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Offical Gazette.

12xP1ANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 4, Ground Floor, Dalamal Court, Dalamal, Coop. Housing Soc. 7/18, Worlf Sca-Face Abdul Gaffarkhan Road Bombay-18.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/8073/85-86, on 30-10-1985.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-1, Bombay.

Dated: 10-6-1986

(1) M/s. Ferani Developers

(Transferor)

(2) Mr. Vasant D. Banker & Ors.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-1 BOMBAY-38

Bombay, the 10th June 1986

Ref. No. AR-I/37EE/8454/85-86.—Whereas, 1, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs: 1,00,000/- and bearing
Flat No. 405 on the 4th Floor and Garage No. 4, in the Bldg known as 'Udyan Darshan' situated at Sayani Road, Prabhadevi, Bombay-25.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 21-10-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) 13 officiating the concealment of any income or any incomes or other assets which have not been or writch ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely ;—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 405 on the 4th floor and Garage No. 4 in the building known as 'Udyan Darshan' situated at Sayani Road, Prabhadevi Bombay-400 025.

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay under No. AR-I/37EE/7963/85-86 on 21-10-1985.

Λ. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Dated: 10-6-1986

Seal ;

(1) M/s. Ferani Developers.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferor)

(2) Mr. Ikbal Sara & Ors.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) Nil.

((Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE-I BOMBAY-38

Bombay-38, the 10th June 1986

Ref. No. AR-I/37EE/8533/85-86.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 1,00,000/- and bearing No Plat No. 605 on 6th Floor in the Bldg. 'UDYAN DARSHAN'

situated at Sayani Road, Prabhaevi Bombay-400 028

(and more fully described in the Schedule anexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 29-10-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the Instrument of Tranfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the l'ability of the transferor to pay tax under the mid Act, in respect of any income arising from the ranafer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-rax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 605, on 6th Floor in the Building 'Udyan Darshan' situated at Sayani Road, Prabhadevi Bombay-400 028
The agreement has been registered by the Competent
Authority, Bombay under No. AR-I/37EE/8036/85-86 on 29-10-1985.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombav.

Now, therefore, in pursuance of Section 2690 of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Dated: 10-6-1986

(1) Mr. Jagdishchandra Prahladass Pasavi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Vishnu Kumar H. Bhimrajka.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) Transferred.

(Person in occupation of the property) (Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

ACQUISITION RANGE-I

- BOMBAY-38
- Bombay 38, the 10th June 1986

Ref. No. AR-I/37EE/8274/85-86.—Whereas, I. Λ. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable as the said Act.), have reason to believe that the industrial property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 72, Bldg. No. A Sea Lord Apartments, 117 Cuffe Parade. 7th Floor, Bombay-5.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the office of the Competent Authority at Bombay on 7-10-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.
- EXPLANATION:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1921 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth t. Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 72, Bldg. No. A Sca Lord Apartments, 117 Cuffe Parade, 7th Floor, Bombay-5.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/7791/85-86 on 7-10-1985.

A. PRASAD Competent Authority Juspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the guid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Dated: 10-6-1986

amende e e amandad e e e e e

(1) B. Y. Builders Pvt. Ltd.

(Transferor) (2) M/s. Trilokchana K Doshi & Smt. Shiicla Shah. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE

INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-E BOMBAY-38

Bombay-38, the 10th June 1986

Ref. No. AR-I/37EE/8221/85-86.—Whereas, I, A, PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing No. Plat No. 2, 11th floor, Building No. 5, C.S. No. 868/1/868

Worli Division, Bombay.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 1-10-1985.

for an appurent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said assument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned -

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. 45 days from the date of publication of this notice whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette, publication of this notice in the official Gazette.

EAPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sail Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Hat No. 2, 11th floor, Building No. 5, C.S. No. 868/1/868 Worli Division, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-I/37HE/7739/85-86 on 1-10-1985.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--The state of the state of the state of

Dated: 10-6-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY-38

Bombay, the 10th June 1966

Ref. No. AR.I/37EE/8277/85-86.—Whereas, 1,

A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 902 on 9th floor and Garage No. 3 on Ground floor in Samudra Setu, Bhulabhai Desai Road, Bombay-400 026.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Said Act in the office of the Competent Authority

at Bombay on 7/10/1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income on any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Dharminder G. Kapoor, Sanjeev D. Kapoor Mrs. Anjana D. Kapoor.

(Transferor)

(2) M/s. Indo Saigon Agency.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 902, on 9th floor and Garage No. 3 on Ground floor in Samudra Setu, Bhulabhai Desai Road, Bombay-400 026.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/7794,'85-86, on 7-10-1985.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Dated: 10-6-1986

(1) Mrs. Ashalata R. Tendulkar

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I BOMBAY-38

Bombay-38, the 10th June 1986

Ref. No. AR-1/37EE/8581/85-86.—Whereas, I.

being the Competen: Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 1,00,000/- and bearing Flat No. 35, 3rd floor, Vikram Apartments Gokhale Road, (South) Dadar Bombay-28

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 31,10-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferi and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

(2) Mrs. Chitra Vijay Adarkar & Mr. Vijay A Adarkar

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 35, 3rd floor, Vikram Apartments, Gokhale Road (South) Dadar, Bombay-28.

The agreement has been registered by the Authority, Bomoay, under No. AR-1/37EE/8082/85-86 on 31/10/85.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore in purmance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 10-6-1986

Orbit Corporation.

(Transferor) (Transferec)

(2) Vitesse Frading Private Limited.

NOWER UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY-38

Bombay, the 10th June 1986

Ref. No. AR-I/37Fr/8537/85-86,—Whereas, I,

A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaster referred to as the said Act;) have reason to believe that the immov-

as the said Act in fave teason to behave that the inhady-able property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Basement with 2 car parking spaces in building Turf View, Hornby Vellard, Worli, Bombay-400 018. (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Said Act in the office of the Competent Authority

at Bombay on 29-10-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen particles and that the consideration for such transfer agreed to between the particle has not been truly stated in the residence. the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which eaght to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Basement with 2 car parking spaces in building Turf View. Hornby Vellard, Worli, Bombay-400 018.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/8040/85-86 on 29-10-1985.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Dated: 10-6-1986

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY-38

Bombay, the 10th June 1986

Ref. No. AR-I/37EE/8575/85-86.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 103 on the 1st floor in the bldg. know as "Udyan Darshan" situated at Sayani Road, Prabhadevi, Bombay-25. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 30-10-1985.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforeaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, hi pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following account of the section 269D of the said Act, to the following account of the section 269D of the said Act, to the following account of the said Act, to the following account of the said Act, to the following account of the said Act, to the said

(1) M/s. Ferani Developers

(2) Mrs. Sharada S. Pai & Ors

(Transferor)

(Transferce)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the understand:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Flat No. 103, on the 1st floor in the bldg. known as "Udyan Darshan" situated at Sayani Road, Prabhadevi. Bombay-25.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-1/37EE/8076/85-86, on 30-10-1985.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commussioner of Income-tax
Acuisition Range-I, Bombay.

Dated: 10-6-1986

(1) Mr Subhash V. Kamath.

(Transferor)

(2) Mrs. Nilam G. Joshi & Ors.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

may be made in writing to the undersigned :--

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE I BOMBAY-38

Bombay, the 10th June 1986

Ref. No. AR-I/37EE/8237/85-86,-Whereas, I, A. PRASAD.

being the Competent Authority

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 1, on 5th floor Shaan Apartment 'A' Bldg. at Kashi-

nath Dhuru Road, Bomony-28 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 3-10-1985.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than affects per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the ficbility of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer

> Flat No. 1. on 5th floor, Shaan Apartment 'A' Road at Kashinath Dhuru Road, Bombay-28.

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-I/37EE/7755/85-86 on 3-10-85.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in parsuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Seal:

Dated: 10-6-1986

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Camette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

FORM ITNS———

(1) M/s. Dineshchandra Vijaykumar

(Transferor)

(2) M/s. Nakodaji Textiles Pvt. Ltd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I BOMBAY-38

Bombay, the 10th June 1986

Ref. No. AR-I/37EE/8291/85-86.---Whereas, I, A. PRASAD,

A. TRASAL, being the Competent Authority under Section 2698 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. B-21, 2nd floor, Chinar Bldg. Plot No. C.S. No. 336 & 506 Dadar Naigaum Div., Sewri Cross Road & Rafiq Kidwai Road, Wadala, Bombay. (and more fully described in the Scheduled annexure hereto).

(and more fully described in the Scheduled annexure hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 7-10-1986 for an apparent consideration which is less that the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

PEXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. B-21, on 2nd floor, Chinar Bldg., Plot No. C.S. No. 336 & 506 Dadar Naigaum Div., Sewri Cross Road &

Rafiq Kidwai Road, Wadala, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under No. AR-1/37EE/7806/85-86 on 7-10-1986.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acuisition Range-I, Bonibay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Park d: 10-6-1986

Scal :

(1) Suresh Dossabhai Parekh.

(Transferor)

(2) Nandkishore Lalbhai Mehta.

(Transferee)

(3) Transferce.

(Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY-38

Bombay, the 10th June 1986

Ref. No. AR-I/37EE/8251/85-86,—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immevable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 12 in proposed 'Divya Prabha' building along with part torrace situated at 12A General Bhosle Marg, Colaba Bombay-5.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 4-10-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of motion on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shal lhave the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Flat No. 12 in proposed 'Divya Prabha' building along with part terrace situated at 12A, General Bhosle Marg. Colaba, B'bay-5.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. Bo. AR-I/37EE/7768/85-86 on 4-10-85.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

Date: 10-6-1986

FORM IINS-

(1) PSB Construction Co. Ltd.,

(Transferor)

dependence of the second of th

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Manjula Devi.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY-38

Bombay, the 10th June 1986

Ref. No. AR-I/37EE/8271/85-86.—Whereas, I,

A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 2 on 5th Floor in Building No. 2 in PSB Apartments at B. G. Kher Rd. Worli Naka, Bombay. (and more fully described in the Schedule annexed here(o), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 4-10-85 for an apparent consideration which is I ess than the fair market value of the inforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquired and are said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesed because valles a proof of 45 days from the dates, publication at this notice in the Official Gazette of the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person macross are a said immovable property, with the state of the publication of this next, as a Colod Gazette.

Explanation:—The trops to select manager defined to the select Ave, shall have a select fit and fit

(a) tacditating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:

und/or

(b) facilitating the concealment of any Income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); THE SCHEDULL

Flat No. 2 on 5th Floor in Building No. 2 in PSB Apartments at B. G. Kher Road, Worli, Naka, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Bo. AR-I/37RE/7783/85-86 on 4-10-85.

> A. PRASAD Computent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-l Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I kereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid proceedy by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 10-6-1986

(1) PSB Construction Co. Ltd.,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Ratan Lal Kanaiya Lal & Ratan Lal Kanaiya Lal, on behalf of Minor son Rajendra Kumar.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY-38

Bombay, the 10th June 1986

Ref. No. AR-1/37EE/8273/85-86.—Whereas, 1, A. PRASAD,

being the Compotent Authority under Section 2690 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, have a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Flat No. Four on Gr. floor, Bldg. No. Two in PSB Apartments, B. G. Kher Road, Worli Naka, Bombay.

| more fully described in the Schedule annived hereto),

has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 4-10-85

for an apparent consideration which is less than the four market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid expeeds the apparent consideration therefor by more than officen per cent of such apparent consideration and that the confideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the chief of transfer with the object of :

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made is writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Hat No. Four on Ground floor in Bldg. No. TWO in PSR Apartments, B. G. Kher Road. Worli Naka, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Bo. AR-I/37EE/7790/85-86, on 4-10-85.

(b) facilitating the concealment of any income or any oneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C o the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 10-6-1986

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, **BOMBAY-38**

Bombay, the 10th June 1986

Ref. No. AR-I/37EE/8327/85-86.—Whereas, I, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 ct 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 72, 7th floor, Maker Tower H, Block V of Backbay

Reclamation. Cuffe Parade, Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Said Act in the Office of the Compe-

tent Authority at Bombay on 10-10-1985

for an apparent consideration which is less than the fam market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the soid instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1972 (11 of 1922) or the said Act, or the Weistinstax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Mr. Mohamed Yusuf & Mrs. Mamoona Yusuf, Trustees of Mamoona Trust.

(Transferce)

(2) Mrs. Parul Arvind Shah.

(Transferor)

(3) Transferors.

(Person in occupation of the property)
(4) Builder--Makers Development Services P. Ltd.,

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property) interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in the writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, unichose period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this cottee in the Official Gazette.

EXPLANATION :--The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 72 on the 7th Floor, Maker Tower 'H', Block V of Backbay Reclamation. Cuffe Darade, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority. Pomboy, under No AR-1/37FE/7841/85-86 on 10-10-1985.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Date : 10-6-1986 Seal :

FORM ITNS----

(1) Mrs. Betty S. Lal & ANR

(2) Mr. Dilip G. Jhangiani.

(Transferor)

NOTECT FOR THE PROPERTY OF THE INCOME-· 101 (13 OF 1961)

(Transferee)

OF INDIA

OFFICE OF THE LOCATION ASSISTANT COMMIS-MILES INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY-38

Pentry, the 10th June 1986

Ref. No. AR-I/37HF/3430/85-86.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Columbian Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1861 (43 cl 1961) (hereinafter referred to as the 'all Act'), for motion to believe that the immovable property with a sir worker value exceeding Rs. 1.60,619/- and wing No.

Flat No. F.4, Ca Floor Polm Springs, 157, Cuffe Parade,

Colaba, Dombay-5.

(and more fully a relief in the Schedule annexed hereto), has been true forced and the agreement is registered under section 200 / 10 clid Sept Act in the Office of the Competent Authority of

Bombay on 17:19-1935

for all the second which is less than the fair most. belie of the life in the second of the property as aforesaid excess the second of the property as a second of the prop fifteen per care of their apprecat consideration and that the consideration for the description are supprecalled to between the parties has not been busy stated in the said instrument of timble with the wind of:

- (a) factioning the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; 201.
- (b) Incidenting on concealment of any income any manager of ther assets which have not been or state where we disclosed by the transferee for the Clare of the Indian Income-tax Act, 1922 (12 of 1777) with said Act, or the Wealth-tax Art. 1997 (17 of 1957);

Now, thus for, in pursuance of Section 269C of the said Act, I have a concernings for the acquisition of the aforesaid prepared by the issue of this notice under subsection (1) of Sect in 289D of the said Act, to the followine persons, margher :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. F-4, 6th Floor, Polm Springs, 157. Cuffe Parade, Colaba, Bombay-400005.

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay, under No. AR-I/37EE/7938/85-86 on 17-10-1985.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I Bombay

Date: 10-6-1986

====

ing persons, namely :-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME. TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

FORM ITUS-(1) M/s. Ashar Developers.

(Transferor)

(2) Smt. Satpal Kapur Manmohansingh Schgol. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this noice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, **BOMBAY-38**

Bombay, the 10th June 1986

Ref. No. AR-1/37EE/8321/85-86.—Whereas, 1,

A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 402 on Fourth floor, Ashar Villa, 242, Sion East

Road, Sion. Bombay-400 022. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Said Act in he Office of the Competent Authority at
Bombay on 9-10-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 402 on 4th floor, Ashar Villa, 242, East Sion Road, Sion, Bombay-400 022.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-1/37EE/7836/85-86 on 9-10-1985.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-Bombas

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-20-166 GI/86

Date: 10-6-1986

(1) M/s. Ashar Developers.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Manmohansingh Jaimalsingh Schgal, (Transferec)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, If any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY-38

Bombay, the 10th June 1986

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Ref. No. AR-I/37EE/8320/85-86.-Whereas, I,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value execeeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 401 on 4th floor, Ashar Villa, 242, East Sion Road,

Sion, Bombay-400 022

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 9-10-1985

for an apparent consideration whiche is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:— (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Guzette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are deflued in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 401, 4th floor, Ashar Villa, 242, East Sion Road, Sion, Bombay-400 022,

The agreement has been registered by Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/7835/85-86 on 9-10-85,

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 10-6-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Mr. A. A. Baker, P. A. Baker, Mrs. P. Z. Vası, Mrs. Z. P. Dhariwala, Mr. H. T. Khorakiwala, Mr. A. D. Khorakiwalla, Mr. S. T. Merchant, Mrs. Z. M. Kikabhai, Mr. V. M. Husain.

(Transferor)

(2) Mr. Mohamed A Ebrahim Baig & Mrs. Farzana M Afzal Enig.

(Transferce)

(3) Transferors.

(Person in occupation of the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY-38

Bombay, the 10th June 1986

Ref. No. AR-I/37EE/8363/85-86.—Whereas, 1, A. PRASAD,

being the Competent Authority under

Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act')

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 2B, Navaltuch Apts., 23 Y.M.C.A. Road, Bombay-8 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 11-10-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this Notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gasette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 2-A, Navaltuch Apartments, 23, Y.M.C.A. Road, Bombay-400 008,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Bo. AR-I/37EE/7876/85-86 on 11-10-85.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Bombay

Date: 10-6-1986

FORM ITNS...

(1) B. Y. Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Dr. Asha A. Andyal & ANR.

(Transferce)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE

INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

GOVERNMENT OF INDIA

ACQUISITION RANGE-I, **BOMBAY-38**

Bombay, the 10th June 1986

Ref. No. AR-I/37EE/8299/85-86.—Whereas, I. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hercinafter referred Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 1,00,000/- and bearing

Fiat No. 1, Floor No. 8, property bearing C. S. No. 868/1/868 Worli, Bombay.

(and ore fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Said Act in the Office of the Comretent Authority at

Bombay on 8-10-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aloresaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as afor said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1, Floor No. 8, property bearing C. S. No. 868/1/868 Worli, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-1/37EE/7814/85-86 on the Competent 8-10-85.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Date: 10-6-1986 Scal:

now, therefore, in pursuance of Section 269C of the m Act. I hereby mutate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following torsons, Jamety :--

FORM ITNS-

(1) PSB Construction Co. Ltd.

(Transferor)

(2) The Memon Co-op. Bank Ltd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE ENCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY-38

Bombay, the 10th June 1986

Ref. No. AR-I/37EE/8580/85-86.—Whereas, I, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-

movable property having a fair market value exceeding Rs 1.,00,000/- and bearing
Flat No. 1, Gr. Gr. floor, Bldg. No. 2, Flat No. 1, Gr. floor, Bldg. No. 4, Flat No. 2, Gr. floor, Bldg. No. 4, PSB Apartment, B. G. Kher Road, Worli, Bombay-18.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Said Act in the Office of the Compesection 269 AB of the Said Act in the Office of the Compe-

tent Authority at Bombay on 31-10-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tex under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of he Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sold immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1, Gr. floor, Bldg. No. 2, Flat No. 1, Gr. floor, Building No. 4, Flat No. 2, Gr. Floor, Bldg. No. 4, PSB Apartments, B. G. Kher Road, Worls, Econbay-18.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-1/371-1/8981/85-86 on 31-10-85.

> A. PRASAD Competent Authorny Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 10-6-1986

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY-38

Bombay, the 10th June 1986

Ref. No. AR-1/37EE/8482/85-86.—Whereas, I, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 24, Venus CHS Bldg., Worli Scaface, Plot No. 48 (E) Bombay-18.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 27-10-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Dhirendra P Parikh.

(Transferor

(2) Mrs. Dinoo Adi Nicholson & Boman Adi Nicholson

(Transferce)

Transferces.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Guzette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 24 in Venus Co-op. Housing Soc., Worli Sea Face Plot No. 48 (E) Bombay-400 018.

The agreement has been registered by the Competer Authority. Bombay, under No. AR-1/37EE/7988/85-86 or

27-10-85.

A. PRASA. Competent Authorit Inspecting Assistant Commissioner of Income-ta Acquisition Range Bomb

Date: 10-6-1986

- (1) Aleli & Co. Pvt. Ltd.
- (2) Aesthetic Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-1. **BOMBAY-38**

Bombay, the 10th June 1986

Ref. No. AR-I/37EE/8383/85-86.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
Office No. 44, 4th floor, Free Press House, Plot No. 215, Nariman Point, Bombay-21.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Said Act in the Office of the Compe-tent Authority at Bombay on 15-10-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been trains extend to the

between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter-

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, ir respect of any income arising from the transferand/or

Office No. 44 on the 4th Floor, Free Press House, Plot No. 215, Nariman Point, Bombay-21.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/7895/85-86 on Competent 15-10-85.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 10-6-1986

Scal:

FORM NO. I.T.N.S.—

(1) Shri Dhananja / Di va Purandar

(iransfeior)

(2) Shri Ravikumai Tandon & Ani.

(Transferee)

NO 1 R SECTION 269D(1) OF THE AX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) Transferor

(Person in occupation of the property)

I VERNMENT OF INDIA

O' ' 'HE INSPECTING ASSISTANT

2: QUISITION RANGE-I BOATBAY-38

1 ~bov-38, the 10th June 1986

Ref No 'Γ 372 Γ/8535/85 86 -- Whereas, I, A PRA AU 1. Authority under Section 269B of the 1. 151 (43 of 1961) (hereinafter referred to 1.1 e reason to believe that the immovable being t. es the property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and be mg Fat Ni 100r Worlt Sagar Darshan Premises 5 Wuli Sea Face, Bombay-25 Com ibed in the Schedule annexed hereto), (ard r. and the agreement is registered under h the Said Act in the Off Bumbly or 29-10-1985 مدرق ٢٠ Office of the Carp. for it te deration which is less than the fair M31: " resaid property and I have reason to thet value of the property as aforesaid consideration therefor by more than baller . PXC 5 tch apparent consideration and that the transfer as agreed to between the ruly stated in the said instrument of Aftern p " lert of :-£

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 lays from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability

 p transferor to pay tax under the said Act, in
 temper of any income arising from the transfer;
 under
- 4b) fett ing the concealment of any income or any is which have not been or which ought to be he transferee for the purposes of the purposes of the purposes of the purpose of the purpose

Flat No. 301, 3rd Floor Worli Sagar Darshan Premises Co.op Society Ltd., 8, Worli Sea Face, Bombay-400 025

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No AR L/37DE/8038/85-86 on 29-10-1985.

A PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Bombay

Art I is a consumer of Section 269C of the said of the issue of this notice under subsection of the said Act, to the following

Date: 10-6-1986 Seal:

(1) M/s. Ferani Developers.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Rajesh Jayantilal Dani.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACOUISITION RANGE-I BOMBAY-38

Bombay-38, the 10th June 1986

Ref. No. AR-I/37EE/8532/85-86.--Whereas, I. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (horeinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable Property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 203, on the 2nd Floor in the building known as UDYA DARSHAN, situated at Sayani Road

Prabhadevi, Bombay-25 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 29-10-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tex Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-- 21-166 GI/86

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gamette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 203, on the 2nd Floor in the building known as 'ULYAN DARSHAN' situated at Sayani Road, Prabhadevi, Bombay-25.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/8035/85-86 on 29-10-1985.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Date: 10-6-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GUVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-1 BOMBAY-38

Bombay-38, the 10th June 1986

Ref. No. AR-1/37EE/8386/85-86 - Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Office No. 703, 7th floor, Maker Chambers V, Plot No. 221, Nariman Point, Bombay-21

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 15-10-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the conceatment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Selecto Sales Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) K. D. Agarwal & Co.

(Transferee)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office No. 703 on 7th floor of the building known as Maker Chambers V, Plot No 221, Nariman Point, Bombay

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/7898/85-86, on 15-10-1985.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Date: 10-6-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I **BOMEAY-38**

Bombay-38, the 10th June 1986

Ref. No. AR-1/37EE/8398/85-86--Whereas, I, A. PRASAD,

A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Shop No. 5, Ground floor, Maryland Corner, 39, Sion Matunga Estate, Sion East, Bombay-22 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at Sombay on 16:10-1985 for an apparent chosideration which is less than the fair

for an apparent enosideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Smt. Shailaja Tarte, Smt. Nazarakhatoon Haji Shahjada, Smt. Shantabai G. Dombre, Shii Sakharam S. Hande.

(Transferor)

(2) Mr. Sunder Laxman Shetty, Smt. Vinoda Sunder Shetty.

(Transferee)

(3) Amrut Juice Centre (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Oazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovaba. property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 5, Ground floor, Maryland Cerner, 39, Sion-Matunga Estate, Sion (E), Berr ay-400 022.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/7910/85-86, on 16 10-1985.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Date: 10-6-1986

(1) Mrs. Gulshan Haji Oomer.

(Transferor)

(2) Mr. Mohammed Shanullah.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-1 BOMBAY-38

Bombay-38, the 10th June 1986

Ref. No. AR-I/37EE/8343/85-86.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 501, 5th floor, Sairm Villa Bldg., Dr. Anandrao Nair Road, Bombay Central. Bombay-8 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 11-10-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent considera-

of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the

said instrument of transfer with the object of :-

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability or the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); THE SCHEDULE

Flat No. 501, Shirip Villa R ai ling, 5th floor, Dr. Anandrao Nair Road, Bombay Centr 1, Bombay-400 008.

The agreement has been registered by the Competent Nithority, Bombay, und r No. AP-1/37EE/7857/85-86, on 11-10-1985.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-1
Bombay

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Ast, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following sersons, namely:—

Date: 10-6-1986

FORM ITNS-

(1) Mrs. Usha N. Vota

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Sushila A Shan, Shri Amratlal B Shah, Shri Sohli A Shah & Shri Amish A Shah.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY-38

Bombay-38, the 10th June 1986

Ref. No. AR-J/37E 2/9377/85-96.—Whereas, I,

A. PRASAD,

A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Fiat No. 3(103) 10th door, Dur Apartments, Jaojee D Road (Tardeo Road) Lallubhai A Compound, Bombay-7 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 14-10 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than

exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concetlment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made is writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the rate of the publications of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 3 (103), 10th floor, Dun Apartments, Jaojece Dadaji Road (Ta de Road) 22/f/27, Lallubhai Amichand Compound, Bombay-7.

The agreement has been registered by the Competent uthority, Bombay, under No. AR-I/37EE/7885/85-86, on Authority, Bo 14-4140-1985.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Rombay

Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following per-

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said

sons, namely:-

Date: 10 6-1986

FORM ITNE

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY-38

Bombay-38, the 10th June 1986

Ref. No. AR-I/37EE/8303/85-86.--Whereas, I. A. PRASAD,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 289, Shree Bhavan, 2nd floor, Sardar Patel Road,

Bombay-400 004

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 9-10-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aftresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as a grand to and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and or
- (b) facilitating the concealment or any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Mrs. Virmati Kanchanlal Chiniwala

(Transferor)

(2) Mrs. Surekha Ashok Kothari & Mrs. Usha Dilip Kothari.

(Transferee)

(3) Transferees.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this netice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said inconvable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 289, Shree Bhavan, 2nd floor, Sardar Patel Road, Bombay-400 004.

Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/7818/85-86, on 9-10-1985. agreement has been registered by the Competent

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-1 Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 10-6-1986

FORM NO. I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I **BOMBAY-38**

Bombay-38, the 10th June 1986

Ref. No. AR-I/37EE/8240/85-86.-Whereas, I, A. PRASAD

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 802 on the 8th Floor and a covered car parking

space in the building name 'Bokhtavar' Colaba Post Office, Bombay 5 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 4-10-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evision of the limbility of the transferor to pay tax weder the said Act, in respect of any income arising from the transfer: -
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sunsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Dodsal Pvt. Ltd.

(Transferce)

(2) Mr. Hiranmay Biswas.

(Transferor)

(3) Transferec.

(Person in occupation of the property)

(4) Transferor.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later?
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 802 on 8th Floor and a covered car parking space in the building named 'Bakhtavar' Coluba Post Office, Bombay-5.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-1/37EE/7757/85-86, on 4-10-1985.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Date: 10-6-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I. AGARWAL HOUSE,

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY-38

Bombay-38, the 10th June 1986

Ref. No. AR-I/37EE/8253/85-86.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinefter referred to as the 'said Act'), have reason believe that the immovable property having a fair market value according

as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 42, 4th floor, Jolly Maker Apattment Bo. 1, Tower A, Backbay Reclamation Scheme, Bombay-5 alongwith a covered car parking space No. OC/34-35 (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Said Act in the Officer of the Competent Authority at Bombay on 4-10-1985 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

(1) Industrial Oxygen Company (P) Ltd.

(Transferor)

(2) Shri G. K. Patni & Shri A. K. Patni.

(Transferee) (3) Transferces.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 42 on 4th floor, Jolly Maker Apartment No. 1, Tower A alongwith covered Car Parking space No. OC/34-35, Block V of Backbay Reclamation Scheme, Bombay-400 005.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/7770/85-86, on 4-10-1985.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following ecrsons, namely :-

Date: 10-6-1986

(1) John Builders Pvt, Ltd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Daryanani (Indo Saigon) Const. Pvl. Ltd. (Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-L BOMBAY-38

Bombay-38, the 10th June 1986

Ref. No. AR-I/37EE/8249/85-86,- - Whereas, I,

A PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property, having a fair nearket value exceeding

Invalue projecty, laving a ran in fact.

Rs. 1,00,000/- and bearing

Intire 17th & 18th Floor in the Endding

"Tarnest House" at Natiman Point, Bombay-21

tand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 4-10-1985

for an apparent consideration which is less than the fair warket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the ead Act, in respect of any income arising from the transfer,
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of by any of the attorisated persons within a period of 45 days from the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCREDULE

Entire 17th and 18th Floor in the building "Earnest House" at Nariman Point, Bombay-400 021.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-1/37EE/7766/85-86, on 4-10-1985.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-1 Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following ⊶r∎ona, namel∀ :---22-166 GI/86

Date: 10-6-1986

FORM TTNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY-38

Bombay, the 10th June 1986

Ref. No. AR-1/37EE/8263/85-86.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

ms ino said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Unit No. 309, T. V. Ind. Estate, 3rd Flr., at Plot No. 28A (and more fully described in the Schedule annexed heiclo), has been transferred and the agreement is registered under Worli Scheme, 52, C.S. No. 1/629 at the Junction of Sudam Kalu Khere Marg, Worli Rd., Bombay-18 at on 4-10-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been on which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) The Pharmaceutical & Chem. Ind.

(Transferor)

(2) M/s. Blue Dart Courier Services.

(Transferce)

(3) Transferce.

(Person in occupation of the property)

(4) N.A.

to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 309, 3rd floor, T. V. Industrial Estate, Plot No. 28-A, Worli Scheme 52, C.S. No. 1/029 at the junction of Sudam K Ahere Marg, Worli Rd., Bombay-400 018.

The agreement has been registered by the Compotent Authority, Bombay, under No. AR-I/37E/7780/85-86 on 4-10-1985.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Date: 10-6-1986

Seal ;

(1) Mr. Prakash M Sakhrani.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mohanbhai of Navsari, HUF, Bharat Mohanbhai, HUF, Mahesh Mohanbhai, HUF Vijay Mohanbhai. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY-38

Bombay, the 10th June 1986

Ref. No. AR-1/37EE/8559/85-86,—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 53 in Block B, Shyam Niwas, 51, Bhulabhai Desai

Road, Bombay-26

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at

Bombay on 30-10-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liabilities of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957.

(27 or 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 52 in Block B, Shyam Niwas, 51, Bhulabhai Desai Road, Bombay-26.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-1/37HE/8062/85-86. on 30-10-85

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiated proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 10-6-1986

Soal:

(1) Shii Shah C Godsay.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shii Piemchand Agarwal.

(Transferce)

(3) Transferor

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY-38

Bombay, the 10th June 1986

Rct. No. AR-I, 37EE/8557/85-86.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, baving a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No. Hat No. 2, Block No. 8, Colaba Land Mill CSL, S. Bharucha Marg, Colaba, Bombay-5

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under continue 260 AB of the Sail Act in the Office of the Convey section 269 AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at Bombry on 29-10-85

for an apparent consideration which is less than the tair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 2, Block No. 8, Colaba Land Mill Co-op. Society Ltd S. Bhatucha Marg, Colaba, Bombay-400 005.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/8060/85-86, on 29-10-85

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date . 10-6-1986

- (1) Smt. Madhubala Chawla.
- (Transferor)
- (2) Agarwal Ispat Pvt. Ltd.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY-38

Bombay, the 10th June 1986

Ref. No. AR-I/37EE/8518/85-86.—Whereas, I, A. PRASAD,

A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Office No. 206 on 2nd Floor in a building known as Auto Commerce House, Kennedy Bridge, Bombay-7 (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the office of the Competent

section 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at

Bombay on 25-10-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforsaid exceeds the apparent consideration therefor than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, so the acquisition of the said property may be made in writing to the under

- (a) by any of the aforesaid parsons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires letter;
- (b) by any other person interested in the said immersable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Office No. 206, on 2nd Floor, building known as Auto Commerce House, Kennedy Bridge, Bombay-7.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-1/37EE/8021/85-86, on 25-10-85.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I. Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 10-6-1986

Scal -

(1) Avanti Housing Enterprises.

(Transteror)

(2) Chandra Kumar Gopal Das Mera.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferee

(5) Transferor,

(Person in occupation of the property

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY-38

Bombay, the 10th June 1986

Ref. No. AR-1/37EE/8305/85-86.—Whereas, I. A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the theome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00.000/- and bearing

Hat No. 3, 5th Floor, Bidg., No. 2, Mazda Mansion, 65/67, Warden Road, Bhulabhai Desai Road, Bombay-26

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 9-10-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the nequisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of he said Act, to the following persons, namely:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gamette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 3, 5th Floor, Bldg. No. 2, Mazda Mansion, 65/c Warden Road, Bhulabhai Desai Road, Bombay-26.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-J/37EE/7870/85-86, on 9-10-85.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Date: 10-6-1986

(1) Associated Bombay Cinemas Pvt. Ltd.

(Transferor)

OTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Indo Saigon Agency (Prop. Gobind K Daryanani). (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

)FFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY-38

Bombay, the 10th June 1986

Ref. No. AR-I/37EE, 8333, 85-86.—Whereas, I, A, PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Office Premises with all garages open and covered car parking spaces and other premises and tenements approx, built-up area 14480 sft. inclusive of common passage staircases etc. etc. in bldg. under construction of ground plus 6 upper floors in the compound of Strand Cinema, Colaba, Bombay-5 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the office of the Competent

Authority at Bombay on 10-10-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not ben truly stated in the Instrument of Transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect or any income arising from the transfer, and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which eaght to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 ef 1922) or the said Act or the Wealth-tar Act, 1957 (27 ef 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the resaid property by the issue of this notice under sub-

namely :--

(1) of Section 269D of the said Act, to the following

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter NXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office premises with all garages open and covered car parking spaces and other premises and tenements approx, built-up area 14480 sq. ft. inclusive of common area 14480 sq. ft. inclusive of common passage staircases etc. in bldg. under construction of ground plus 6 upper floors in the compound of Strand Cinema, Colaba, Bombay-5.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-1/37EE/7847/85-86, on 10-10-1985.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Date: 10-6-1986

Seul :

NOTIFE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGI-I, BOMBAY

Bombay, the 10th June 1986

Ref. No. AR-1/37-G/5317/85-86.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair marker value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing F.P. No. 578 and 579, C.S. No. 1/1554 and 1554 part of

lower Parel Division (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bombay on 8-10-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or once issets which has not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- (1) Alloo Behram Hathi Khanwala.
- 1 Itansletore (2) Shri T. H. Chhabria & H. P. Kendhani.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said projective may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforeraid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later.
- (b) by any person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Cazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meanings as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. BOM. 1172,82 and registered on 28-10-1985 with the Sub-Registrar. Bombay.

> A. PRASAD Compete d Anthority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-ta-Acquisition Range-I, Bomb:

Date: 10-6-1986

- (1) Mr. Pallonji Shapoorji Mistry.
- (Transferor
- (2) Sterling Investments Corpn. Pvt. Ltd.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

FICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 10th June 1986

Ref. No AR-1, 37-G, 5333, 85-86,—Whereus, I, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs 1,00,000/- and bearing C.S. No. 33 of Colaba Division situated at Colaba (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 24-10-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than flitten percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this means in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FAPIANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transrefer to pay tax and the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tay Ast, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. BOM. 1102/81 and registered on 24-10-1985 with the Sub-registrar, Bombay.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I. Bombay

ow, therefore, in pursuance of Section 269C of the said t, t, hereby initiate proceedings for the acquisition of the oresaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 260D of the said L(t) to the following persons, namely:—

Date: 10-6-1986

Scal: